@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

वीरवार, 18 जुलाई 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 242 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

## जो हमारे साथ, हम उनके साथ: शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, 17 जुलाई। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हो रही है। इस बैठक में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रवादी मुस्लिमों की बात करता था और आपने भी नारा दिया था कि सबका साथ, सबका विकास , लेकिन अब मैं ऐसा नहीं कहूंगा। इसकी जगह मैं कहूंगा कि जो हमारे साथ, हम उनके साथ । बंद करिए ये सबका साथ, सबका विकास का नारा। हमें अल्पसंख्यक मोर्चे की भी जरूरत नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि हम जीतेंगे, हम हिंदुओं को बचाएंगे और संविधान को बचाएंगे। इसके बाद शुभेंदु अधिकारी ने जय श्री राम के नारे लगाए और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। लोकसभा चुनाव में भाजपा को छह सीटों का नुकसान उठाना पड़ा और पिछले लोकसभा चुनाव में 18 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार 12 पर सिमट गई। लोकसभा चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन के लिए शुभेंदु अधिकारी भी लोगों के निशाने पर हैं क्योंकि मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया है कि टिकट बंटवारे में शुभेंदु अधिकारी को काफी तवज्जो दी गई थी। लोकसभा चुनाव में भी टीएमसी ने राज्य में शानदार प्रदर्शन करते हुए 29 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी। साथ ही हाल ही में बंगाल में चार सीटों पर हुए उपचुनाव में भी टीएमसी ने जीत दर्ज की।

# मोदी सरकार के पहले 100 दिन के एजेंडे में शामिल हो सकता है सनसेट क्लॉज: विधि मंत्रालय

**सिम्मी कौर बब्बर**

नई दिल्ली, 17 जुलाई। लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों को अगली सरकार के लिए 100 दिवसीय एजेंडा तैयार करने का निर्देश दिया था। इस कड़ी में एक दिन पहले केंद्रीय सचिव ने सभी सचिवों को पत्र भी लिखा था। जिसके बाद से विधि मंत्रालय ने कुछ विधयेकों में सनसेट क्लॉज शामिल करने की वकालत की है। विधि मंत्रालय ने कुछ प्रकार के विधेयकों में सनसेट क्लॉज या स्वत- निरस्तीकरण प्रावधान को शामिल करने की वकालत की है, ताकि कानून की किताबों में अव्यवस्था न हो और इसे अपने 100 दिवसीय एजेंडे में शामिल किया जा सके। मंत्रालय के विधायी विभाग ने नए विधायी प्रस्ताव में सनसेट क्लॉज को अपने 100 दिवसीय एजेंडे का हिस्सा बनाते हुए कहा है कि संबंधित मंत्रालयों के परामर्श से इस संबंध में कदम उठाए जाएंगे। सनसेट क्लॉज मुख्य रूप से अस्थायी प्रकृति के कानूनों या गतिशील स्थितियों से निपटने वाले कानूनों पर लागू होता है। एक बार जब उनकी उपयोगिता समाप्त हो जाती है, तो वे कानून की किताबों से हटा दिए जाते हैं। इस मामले में पूर्व केंद्रीय विधि सचिव पीके मल्होत्रा ने बताया कि जब भी

विधानमंडल – संसद या राज्य विधानमंडल – अपने द्वारा पारित किसी कानून की अवधि को सीमित करना चाहता है, तो वह नीतिगत तौर पर एक सनसेट क्लॉज प्रदान कर सकता है, जिसमें यह प्रावधान हो कि एक निश्चित अवधि – आवश्यकता के आधार पर पांच या 10 वर्ष – बीत जाने के बाद कानून समाप्त हो जाएगा। पूर्व केंद्रीय विधि सचिव ने बताया कि विधानमंडल सनसेट क्लॉज के कारण निष्क्रिय हो चुके कानून को नया जीवन देने के लिए एक नया कानून पारित कर सकता है। विधायी विभाग के अनुसार, वह संबंधित प्रशासनिक मंत्रालयों और विभागों के परामर्श से नए विधायी प्रस्ताव में सनसेट क्लॉज या स्वत- निरस्तीकरण क्लॉज को शामिल करना चाहता है। विभाग ने कहा कि जब भी इस संबंध में प्रस्ताव प्राप्त होंगे, आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। यह लंबे समय से लंबित मांग है। यह प्रथा कुछ अन्य देशों में भी प्रचलित है। मुझे लगता है कि ऐसे कई कानून हैं, जिनमें इस तरह का प्रावधान रखा जा सकता है, ताकि संसद या राज्य विधानमंडल भी सतर्क रहें कि समय बीतने के साथ अगर किसी कानून को जारी रखने की जरूरत है, तो वे उसे नए सिरे से देखेंगे। पूर्व केंद्रीय विधि सचिव ने बताया, कि और अगर वे इसे जारी नहीं रखना चाहते हैं, तो कानून में दिए गए दिन से यह अपने आप खत्म हो जाएगा। हाल के दिनों में कानूनी सुधारों पर विचार करने के लिए गठित कुछ आयोगों ने भी इस तरह के प्रावधान पर जोर दिया है।

## निजी उद्योगों में कन्नड़भाषी लोगों के लिए आरक्षण पर घिरे सीएम सिद्धारमैया

बंगलूरू, 17 जुलाई। कर्नाटक में कन्नड़ों को निजी कंपनियों में नौकरी के लिए आरक्षण देने वाले विधेयक पर विवाद गहराता जा रहा है। खुद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया इसे लेकर मुश्किलों में घिर गए हैं। दरअसल, उन्होंने पहले एक ट्वीट कर निजी उद्योगों में 'सी और डी' श्रेणी के 100 प्रतिशत पदों को कन्नडिगा (कन्नड़भाषी) लोगों के लिए आरक्षित करने की बात कही। इस पर जब विवाद बढ़ा तो उन्होंने इसे डिलीट कर नया ट्वीट किया। इसमें उन्होंने लिखा, सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में राज्य के निजी उद्योगों और अन्य संगठनों में कन्नड़ लोगों के लिए प्रशासनिक पदों के लिए 50त्न और गैर-प्रशासनिक पदों के लिए 75त्न आरक्षण तय करने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी गई। हमारी सरकार की इच्छा है कि कन्नड़ लोगों को उनकी ही धरती पर नौकरियों से वंचित न होना पड़े और उन्हें मातृभूमि में आरामदायक जीवन जीने का अवसर मिले। हम कन्नड़ समर्थक सरकार हैं। हमारी प्राथमिकता कन्नड़ लोगों के कल्याण का ध्यान रखना है। दरअसल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक दिन पहले ही कहा था कि कर्नाटक मंत्रिमंडल ने राज्य के सभी निजी उद्योगों में 'सी और डी' श्रेणी के पदों के लिए 100 प्रतिशत कन्नडिगा (कन्नड़भाषी) लोगों की भर्ती अनिवार्य करने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा था कि राज्य सरकार की प्राथमिकता कन्नड़ लोगों के कल्याण की देखभाल करना है। इस विधेयक का उद्योगपतियों से लेकर विपक्ष तक ने विरोध किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बुधवार को अपना ट्वीट डिलीट कर दिया।

## भाजपा के गले की हड्डी बन गए हैं अजित पवार: शरद पवार

**कौमी संवाददाता**

मुंबई, 17 जुलाई। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन को लेकर संघ ने कुछ ऐसा कह दिया है, जिससे महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। दरअसल संघ ने अपने साप्ताहिक मराठी अखबार की एक रिपोर्ट में दावा किया है कि राज्य में भाजपा के खराब प्रदर्शन की वजह अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी से गठबंधन है। आरएसएस के इस दावे पर एनसीपी (एसपी) ने कहा है कि अब भाजपा को अजित पवार की जरूरत नहीं है। एनसीपी (एसपी) प्रवक्ता क्लाइड क्रास्टो ने कहा कि ये दिखाता है कि अब भाजपा को अजित पवार जी और उनकी टीम की जरूरत नहीं है। भाजपा पार्टियां और परिवार तोड़ती है ताकि कुछ वोट पा सके। लेकिन महाराष्ट्र के लोगों ने सिद्ध कर दिया है कि असली एनसीपी कौन सी है, जिसका नेतृत्व शरद पवार करते हैं। लोगों ने बता दिया है कि असली शिवसेना कौन सी है, जिसका नेतृत्व उद्धव ठाकरे करते हैं। भाजपा को ये पता चल गया है कि अजित पवार के साथ से उन्हें नुकसान

हुआ है। यहां तक कि अजित पवार गुट के नेताओं को भी ये अहसास हो गया है कि उन्होंने अजित पवार के साथ आकर गलती कर दी है। मुझे लगता है कि अब समय आ गया है, जब भाजपा, अजित पवार से पल्ला झाड़ना चाहती है। एनसीपी (एसपी) प्रवक्ता ने कहा कि लोकसभा चुनाव में अजित पवार गुट ने खराब प्रदर्शन किया, जो उनके साथ गए, उन्हें हारना पड़ा। अब वे सभी लोग कह रहे हैं कि अगर वे अजित पवार के साथ रहे तो उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव में भी हार का सामना करना पड़ सकता है। विधानसभा चुनाव से पहले कई नेता अजित पवार को छोड़ सकते हैं। संघ की रिपोर्ट पर एनसीपी एसपी नेता सुप्रिया सुले ने कहा कि ये उनका आंतरिक मामला है और इस बारे में भाजपा और आरएसएस ही जवाब दे सकते हैं। संघ के मराठी साप्ताहिक अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि हर भाजपा कार्यकर्ता ने लोकसभा चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन की एक वजह एनसीपी के साथ गठबंधन को बताया है। साफ है कि भाजपा कार्यकर्ताओं को एनसीपी के साथ गठबंधन रास नहीं आया। भाजपा नेताओं को भी ये पता था। शिवसेना के साथ भाजपा के गठबंधन को शुरुआती अड़चनों के बाद हिंदुत्व के नाते स्वीकार कर लिया गया था। वहीं जिन भाजपा कार्यकर्ताओं ने विचारधारा के स्तर पर एनसीपी से लड़ाई लड़ी थी, वो इस गठबंधन से नाराज हुए। लेख में ये भी कहा गया है कि हिंदुत्व, प्रशासन, उद्योग, अर्थव्यवस्था, शिक्षा और रोजगार के मुद्दे पर भी लोगों में थोड़ी नाराजगी थी, खासकर पढ़े-लिखे मध्यम वर्ग में इन मुद्दों पर खासी नाराजगी देखी गई। बीते दिनों हुए लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा, एनसीपी और शिवसेना के गठबंधन वाले महायुति गठबंधन को सिर्फ 17 सीटों से संतोष करना पड़ा था, वहीं कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी और एनसीपी एसपी को जनता का भरपूर समर्थन मिला था।

# हरियाणा में अग्निवीरों को 10 % आरक्षण, बिना ब्याज मिलेगा लोन: सीएम नायब सैनी

**तेजिन्दर कौर बब्बर**

चंडीगढ़, 17 जुलाई। हरियाणा सरकार ने अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणा की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को एलान किया है कि अग्निवीरों को प्रदेश में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को प्रेस वार्ता की। इस दौरान सीएम सैनी ने अग्निवीरों के लिए कई बड़े एलान किए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में अग्निवीरों को प्रदेश में नौकरियों में भर्ती में छूट मिलेगी। उन्होंने कहा कि लगभग दो साल पहले 14 जून 2022 को अग्निवीर योजना लागू की गई थी। इसके तहत चार वर्ष के लिए भारतीय सेना में तैनाती की जाती है। अग्निवीर योजना से स्किल्ड और एक्टिव युवा तैयार होता है। मुख्यमंत्री ने एलान किया कि अग्निवीरों को पुलिस कांस्टेबल, माइनिंग, गार्ड, जेल गार्ड और एसपीओ की भर्ती में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। ग्रुप सी में तीन वर्ष की आयु में छूट दी जाएगी। ग्रुप बी में पांच प्रतिशत ग्रुप ए में एक प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

अग्निवीर सैनिकों को 500000 तक बिना ब्याज का लोन दिया जाएगा। सरकार अग्निवीर सैनिकों को यातायात दुर्घटना में घायल होने पर मुआवजा देगी। सड़क दुर्घटना में घायलों का पूरा खर्च भी सरकार उठाएगी। इसके लिए हर जिले में कमेटी का गठन किया गया है। अगर पीड़ित की मौत हो जाती है तो परिजनों को मुआवजा मिलेगा। इस खर्च का वहन हरियाणा रोड सेफ्टी फंड से किया जाएगा । इस स्कीम के तहत बीमाकृत तथा बीमा रहित वाहनों और टक्कर मारकर भागने वाले मोटर वाहन दुर्घटनाओं के पीड़ितों को कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके अलावा सीएम सैनी ने कहा कि यदि कोई अग्निवीर अपना उद्यम स्थापित करेगा तो उसमे पांच लाख तक कोई ब्याज नहीं मिलेगा। अग्निवीरों को आर्म्ड लाइसेंस दिया जाएगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, पीएम मोदी द्वारा 14 जून 2022 को अग्निपथ योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत अग्निवीरों को 4 साल के लिए भारतीय सेना में तैनात किया जाता है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस ने अग्निवीर योजना को लेकर दुष्प्रचार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निवीर प्रधानमंत्री की लोकहित योजना है। इसलिए कांग्रेस इसके बारे में लोगों को भ्रमित करने का काम कर रही है।

## बर्खास्त करने से काम नहीं चलेगा, वेतन भी वसूला जाए

नई दिल्ली, 17 जुलाई। प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को के मामले में विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) के पूर्व प्रमुख संजीव चोपड़ा का कहना है कि जो लोग फर्जी जाति और दिव्यांगता प्रमाणपत्रों का फायदा उठाकर प्रशासनिक सेवाओं में शामिल होते हैं, उन्हें सिर्फ बर्खास्त करने से काम नहीं चलेगा। चोपड़ा ने जोर दिया कि ऐसे लोगों से प्रशिक्षण लागत और वेतन भी वसूला जाना चाहिए। दरअसल, पूजा खेडकर मामले के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर कई आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को लेकर तरह-तरह की बातें कहीं जा रहीं हैं। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने ऐसे अधिकारियों के बारे में भी जानकारियां कीं गईं हैं, जिन्होंने खुद को आर्थिक रूप से कमजोर दिखाने के लिए नकली प्रमाणपत्रों का इस्तेमाल किया है। एलबीएसएनएए के पूर्व प्रमुख संजीव चोपड़ा ने कहा, 'यह प्रणाली में एक गंभीर खराबी है। जो भी ऐसा करता है, उसे सिर्फ बर्खास्त नहीं किया जाना चाहिए बल्कि उससे प्रशिक्षण लागत और वेतन भी वसूला जाना चाहिए। उन्हें सजा मिलनी चाहिए ताकि सभी अधिकारियों को एक स्पष्ट संकेत मिल सके। जो भी इस प्रक्रिया में उनकी मदद करता है, उसकी जांच की जानी चाहिए। धोखाधड़ी में शामिल सभी लोगों को कानून के अनुसार दंड दिया जाना चाहिए।' प्रशिक्षु आईएएस पूजा खेडकर को लेकर संजीव चोपड़ा ने कहा कि केंद्र सरकार की तथ्य खोज समिति (फैक्ट फाइंडिंग कमेटी) को पूरे मामले की गहराई से जांच करनी चाहिए।

## सारे फैसले सरकार ने लिए, अब चाहते हैं कि शांति के लिए

मुंबई, 17 जुलाई। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर राजनीतिक दलों के बीच जारी वार-पलटवार के बीच एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल से अपनी मुलाकात पर प्रतिक्रिया दी है। शरद पवार ने कहा, उन्होंने बारामती में कुछ अच्छे भाषण दिए थे और मेरे बारे में कुछ कहा था। फिर वे मुझसे मिलने आए, उस दिन मैं ठीक नहीं था लेकिन हमारी मुलाकात हुई। शरद पवार ने आगे बताया कि, छगन भुजबल ने मुझे महाराष्ट्र के हित में बातें बताईं और चाहते थे कि मैं चर्चा के लिए आऊं...उन्होंने मुझे एक बैठक के बारे में बताया जिसमें मैं शामिल नहीं हुआ...वह बैठक सीएम ने बुलाई थी, यह आरक्षण के मुद्दे पर एक सर्वदलीय बैठक थी। वहीं मराठा आरक्षण को लेकर पैदा हुए विवाद पर एनसीपी-एससीपी प्रमुख ने कहा कि- मनोज जरांगे पाटिल ने मराठा आरक्षण पर सीएम से बात की, जब वे अनशन पर थे...मुझे उन बातचीत के बारे में पता नहीं था। इस मुद्दे पर मनोज जरांगे और राज्य सरकार के लोग बातचीत कर रहे हैं...लेकिन हमें नहीं पता कि वे क्या चर्चा कर रहे हैं, इसलिए, जब तक मुझे उनकी बातचीत के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं मिल जाती, हम कोई रुख कैसे अपना सकते हैं?। हमारी मुलाकात के दौरान छगन भुजबल ने मुझे कुछ कदम उठाने को कहा, अन्यथा महाराष्ट्र में कुछ समस्याएं होंगी। लेकिन मुझे लगता है कि समन्वय करना सरकार की जिम्मेदारी है। जब सभी निर्णय सरकार लेती है, हमें अलग रखकर, अब वे चाहते हैं कि हम शांति स्थापित करने के लिए हस्तक्षेप करें।

# सहकारिता में सहयोग को पूरे राज्य में लागू करेगी गुजरात सरकार: मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल

**सौरभ शर्मा**

अहमदाबाद, 17 जुलाई। गुजरात को दो जिलों में सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद गुजरात सरकार सहकारिता में सहयोग योजना को अब सभी जिलों में लागू करने की तैयारी कर रही है। गुजरात सरकार ने पहले राज्य के दो जिलों बनासकांठा और पंचमहल में इस प्रोजेक्ट को लागू किया था और इन दोनों जिलों में इसे खासी सफलता मिली है। सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब पूरे राज्य में योजना को लागू करेगी गुजरात सरकार गुजरात सरकार के अनुसार, बनासकांठा और पंचमहल जिलों में सहकारिता में सहयोग प्रोजेक्ट के तहत चार लाख से ज्यादा नए बैंक खाते खुले हैं और सहकारी बैंकों में जमा रकम 900 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है। बनासकांठा और पंचमहल की सहकारी समितियों में 1700 से ज्यादा माइक्रो एटीएम स्थापित किए गए हैं। सीएमओ ने एक बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात के बनासकांठा और पंचमहल जिलों में सफलतापूर्वक सहकारिता में सहयोग पायलट प्रोजेक्ट का प्रयोग सफल रहा। अब इस अभियान के तहत केंद्रीय गृह और सहकारी मंत्री अमित शाह के सहयोग से इन जिलों में चार लाख से ज्यादा नए खाते खोले गए हैं। इसके चलते सहकारी बैंकों में जमा रकम 900 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

का विजन है कि देश के सभी राज्यों के सहकारी क्षेत्रों में आपस में समन्वय बनाकर देश में सहकारी संस्थाओं को एक नई ऊर्जा व नई पहचान दी जाए। अब केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र में नए प्रयोग और पहल की जा रही हैं। इस पहल का उद्देश्य जिला और राज्य सहकारी बैंकों के खातों में जमा राशियों को केंद्रीकृत करके गुजरात की हजारों सहकारी संस्थाओं के बीच सहयोग बढ़ाना है। इसमें सहकारी संस्थाओं और उनके सदस्यों के विभिन्न वाणिज्यिक बैंकों में संचालित मौजूदा बैंक खातों को जोड़ कर उन्हें एक केंद्रीकृत जिला सहकारी बैंक/राज्य सहकारी बैंक के अंतर्गत लाने की योजना है। सहकारी संस्थाओं की सामूहिक पूंजी को एक केंद्रीकृत बैंक के अंतर्गत लाने पर कई महत्वपूर्ण परिणाम देखने को मिले हैं। उदाहरण के लिए, केंद्रीयकृत सहकारी बैंकों की जमा राशि में काफी वृद्धि हुई है, सहकारी समितियों के बीच वित्तीय लिक्विडिटी बढ़ी है, जिससे लोन संबंधी आवश्यकताओं और मांग को आसानी से पूरा किया जा सकता है। साथ ही, इस पहल से अब यह भी सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सहकारी संस्थाओं की सामूहिक पूंजी, अन्य सहकारी संस्थाओं के भी उपयोग में लाई जा सके। गुजरात के मुख्यमंत्री ने राज्य के औद्योगिक और खनन इलाकों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1470 करोड़ रुपये के आवंटन को मंजूरी दी है।

## तेजस्वी यादव नहीं गए मुकेश सहनी के घर

पटना, 17 जुलाई। कांग्रेस के दरवाजे तक पहुंच निर्दलीय सांसद चुने गए राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव से लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य तक दरभंगा के बिरौल में घनश्यामपुर थाना क्षेत्र स्थित मुकेश सहनी के घर पहुंच गए, लेकिन बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव अबतक नहीं गए। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान महागठबंधन के प्रचार की कमान तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी ने लगभग एक साथ संभाल रखी थी। इनकी जोड़ी की चर्चा हर जगह थी। इनका साथ में मछली खाना, केक काटना और नारंगी चूसना... सब चर्चा में था। तभी पूर्व मंत्री और विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता की जघन्य हत्या के बाद उनके घर पर सबसे पहले तेजस्वी यादव के पहुंचने की संभावना थी। लेकिन, कुछ ऐसा हुआ है कि अबतक तेजस्वी यादव वहां नहीं पहुंचे हैं। वजह एक समीकरण और एक पर्व और आरोपियों के नाम तो नहीं? मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या के बाद बिहार पुलिस ने प्रथम दृष्टया इसे चोरी के दौरान विरोध करने पर हत्या का मामला बताया। रात होते-होते पुलिस को नया एंगल मिला। कुछ ऐसी जानकारी मिली कि चोरी वाली बात ही एक तरह से गायब हो गई। दरभंगा पुलिस और इस कांड के लिए गठित एसआईटी ने जिन युवकों को दबोचा, उसका नाम पटना पुलिस मुख्यालय तक पहुंच चुका है। जाहिर है कि मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव तक यह नाम जरूर पहुंच गए होंगे। यही कारण है कि सारण के तिहरे हत्याकांड के आरोपियों को एक घंटे में गिरफ्तार करने के कुछ घंटे बाद पुलिस मुख्यालय ने सूचना जारी कर दी, लेकिन हाई प्रोफाइल जीतन सहनी हत्याकांड के आरोपियों का नाम मंगलवार से लगातार छिपाया जा रहा है। आठ घंटे के अंदर खुलासा का दावा था और पुलिस वहां तक पहुंच भी गई, लेकिन मुहर्रम में तनाव की आशंका को देखते हुए नाम जाहिर नहीं किया गया। तेजस्वी यादव ने जीतन सहनी हत्याकांड के बाद राज्य की नीतीश कुमार सरकार पर बयानों से हमला बोला। राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार में अपराध को लेकर जंगलराज तक की बात कही। लेकिन, दो-ढाई घंटे की यात्रा कर मुकेश सहनी से मिलने दरभंगा नहीं गए। रात में ही मुकेश सहनी ने पिता को मुखाग्नि दी, तब भी तेजस्वी नहीं गए।

# फिलहाल नहीं होने वाला है यूपी में कोई बड़ा फैसला!

**नरेश मल्होत्रा**

लखनऊ, 17 जुलाई। बीते कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश की सियासत में किसी बहुत बड़े बदलाव को लेकर सियासी गलियारों में खूब चर्चाएं हो रही हैं। चर्चाओं के इसी दौर में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात हुई। इस मुलाकात के बाद बीते तकरीबन 12 घंटे से उत्तर प्रदेश की सियासत में भारी फेरबदल की बात हो रही है। हालांकि भारतीय जनता पार्टी के सूत्रों की मानें, तो उत्तर प्रदेश के संगठन और सरकार में कुछ बदलाव तो होने तय हैं। लेकिन जिसकी चर्चा सियासी गलियारों में सबसे ज्यादा हो रही है, उस तरीके का कोई बड़ा चौंकाने वाला फैसला फिलहाल उत्तर प्रदेश में नहीं होने वाला है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद से हार के कारणों पर चर्चा हो रही है। इन्हीं चर्चाओं के बीच उत्तर प्रदेश में बड़े फेरबदल की बात की जा रही थी। लगातार उत्तर प्रदेश के बड़े नेता मुख्यमंत्री से लेकर प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री केंद्रीय नेतृत्व के संपर्क में थे। लेकिन बीते 12 घंटे के भीतर जिस तरीके से उत्तर प्रदेश की सियासत में हलचल मची है, उसे लेकर सबसे ज्यादा चर्चाएं हो रही हैं। हालांकि भाजपा सूत्रों के मुताबिक उत्तर प्रदेश में शुरुआती दौर में जो बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं, उसमें मंत्रिमंडल का विस्तार महत्वपूर्ण है। जानकारी के मुताबिक केंद्रीय नेतृत्व के साथ हुई बैठक में उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार के साथ-साथ संगठन में फेरबदल की बातचीत हुई है। सूत्रों की मानें तो मंत्रिमंडल में फेरबदल या बदलाव की जो भूमिका बनाई गई है, उसमें जातिगत समीकरणों और जहां पर पार्टी चुनाव हारी है उसका पूरा सियासी खाकर खींचा गया है। सूत्रों के मुताबिक जिन इलाकों में लोकसभा सीटें भारतीय जनता पार्टी हारी है, उन इलाकों से अगर राज्य सरकार में प्रतिनिधित्व नहीं है, तो वहां से सियासी समीकरणों के आधार पर जिम्मेदारी देने की चर्चा हुई है। सूत्रों का कहना है कि बीते कुछ दिनों में जो चर्चाएं हुई हैं, उसमें यह निष्कर्ष निकला है कि अगर जातिगत समीकरणों के आधार पर सभी सियासी दांव-पेंच दुरुस्त कर लिए जाएं, तो आने वाले चुनाव के नतीजे बेहतर होंगे। भारतीय जनता पार्टी के

सूत्रों की मुताबिक उपचुनावों के बाद उत्तर प्रदेश में न सिर्फ मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार हो सकता है। बल्कि संगठनात्मक स्तर पर भी कुछ बड़े बदलाव देखे जा सकते हैं। चर्चा इस बात की भी हो रही है कि उत्तर प्रदेश में होने वाले संगठनात्मक और सरकार के बदलाव में पिछड़ों और पिछड़ों समय दलितों को और जिम्मेदारियां दी जा सकती हैं। भारतीय जनता पार्टी के रणनीतिकारों की मानें तो केंद्रीय नेतृत्व चुनाव के परिणाम के बाद बदलाव करने की तैयारी में है। माना यही जा रहा है कि इस बदलाव की कड़ी में कुछ नेता जो मंत्रिमंडल में हैं, वह संगठन में आ सकते हैं। जबकि कुछ संगठन से जुड़े हुए लोगों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। भारतीय जनता पार्टी के सूत्रों के मुताबिक चुनावी नतीजों को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार में मंत्रियों के विभाग का फेरबदल भी संभव है। सूत्रों की मानें तो बीते कुछ दिनों में केंद्रीय नेतृत्व के साथ हुई बैठक में पार्टी को उत्तर प्रदेश में मजबूत स्थिति में लाने के लिए इस तरीके के कई सुझावों पर चर्चा हुई है। फिलहाल माना यही जा रहा है कि जो बड़े फेरबदल की बात सियासी गलियारों में चल रही थी, उस पर न तो मंथन हुआ है और न ही ऐसा कोई बड़ा चौंकाने वाला फैसला होने वाला है।

## प्रमुख प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली का डोनाल्ड ट्रंप को 'मजबूत समर्थन'

**एजेंसी**

**वाशिंगटन।** अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप की राह और आसान हो गई। ट्रंप की अंतिम, प्राथमिक और प्रमुख प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली ने मिल्वौकी में मरिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के प्रारंभिक संबोधन में ट्रंप का समर्थन किया। यह सुनते ही ट्रंप और उनके साथी जेडी वेंस के चेहरे पर मुस्कान उभरी। निक्की हेली ने रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन की दूसरी रात कहा कि राष्ट्र की खातिर पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को उनका 'मजबूत समर्थन' है। उल्लेखनीय है कि सुश्री हेली को ट्रंप का सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। कन्वेंशन में फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस मौजूद रहे।

## गाजा में इजरायली हमलों में 40 फिलिस्तीनियों की मौत

**गाजा ।** गाजा पट्टी में इजरायली सेना द्वारा किए गए दो अलग-अलग हमलों में कम से कम 40 फिलिस्तीनी मारे गए। हमास द्वारा संचालित मीडिया कार्यालय ने एक बयान में ये बात कही है। बयान में कहा गया है कि सेंट्रल गाजा में नुसेरात शरणार्थी शिविर में संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध अल-रज़ी स्कूल में एक हमले में 23 फिलिस्तीनी मारे गए, जबकि 73 अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने स्थानीय स्रोतों और प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि इजरायली हवाई हमले से पहले कोई चेतावनी नहीं दी गई। हमले में स्कूल आंशिक रूप से नष्ट हो गया।

मीडिया कार्यालय ने कहा कि दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस के अल-मवासी इलाके में हुए एक दूसरे हमले में 17 फिलिस्तीनी मारे गए और 26 अन्य घायल हो गए। सुरक्षा सूत्रों ने समाचार एजेंसी को बताया कि यहां सैकड़ों विस्थापित परिवार टेंट में रह रहे थे। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर, इजरायली वायु सेना (आईएएफ) ने नुसेरात के क्षेत्र में यूएनआरडब्ल्यूए स्कूल में रह रहे सक्रिय 'आतंकवादियों' पर हमला किया। इसमें कहा गया है कि आईएएफ ने पश्चिमी खान यूनिस में इस्लामिक जिहाद की नौसेना इकाई के एक कंपनी कमांडर पर भी हमला किया।

## पेरू में बस दुर्घटना में 26 लोगों की मौत

**लीमा।** दक्षिणी पेरू के अयाकुचो क्षेत्र में एक यात्री बस दुर्घटना में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अयाकुचो क्षेत्र के कैंगालो प्रांत के पारस जिले में लॉस लिबर्टाडोरेस राजमार्ग पर एम्प्रेसा टूरिज्मो मोलिना यूनियन एसएसी का वाहन सड़क से उतरकर लगभग 200 मीटर गहरी खाई में गिर गया। राष्ट्रीय पुलिस सड़क सुरक्षा प्रभाग के प्रमुख जॉनी रोलांडो वाल्डेरामा के अनुसार, बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। स्थानीय स्वास्थ्य सुविधाओं, अग्निशमन विभाग और पुलिस स्वास्थ्य सेवा ने पांच एम्बुलेंस दुर्घटना स्थल पर भेजी। पेरू के समाचार आउटलेट्स और सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में एक क्षतिग्रस्त बस खाई में पड़ी हुई दिखाई दे रही है, तथा जमीन पर मलबा बिखरा हुआ है। दुर्घटना का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पेरू में होने वाली 70 प्रतिशत दुर्घटनाएं मानवीय कारणों से होती हैं।

## इराक में अमेरिकी सेना के हवाईअड्डे पर ड्रोन ने हमला किया

**बगदाद।** इराक के पश्चिमी अनबर प्रांत में अमेरिकी सेना के ऐन अल-असद हवाईअड्डे पर मंगलवार को दो ड्रोन ने हमला किया। इराकी सेना के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। अधिकारी ने बताया कि ड्रोन ने हवाईअड्डे की परिधि पर हमला किया। हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारी के अनुसार अमेरिकी हेलीकॉप्टर हवाईअड्डे और आस-पास के इलाकों में उड़ते देखे गए और इराकी बलों ने अपना अलर्ट स्तर बढ़ा दिया। किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

## ओमान के तट पर तेल टैंकर पलटने से चालक दल के 16 सदस्य लापता, 13 भारतीय भी शामिल

**एजेंसी**

**ओमान।** ओमान के तट पर एक तेल टैंकर के पलटने से 16 लोगों का चालक दल लापता हो गया। इस चालक दल में 13 भारतीय और तीन श्रीलंकाई शामिल थे। देश के समुद्री सुरक्षा केंद्र (एमएससी) ने यह जानकारी दी।

एमएससी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कोमोरोस के झंडे वाला तेल टैंकर बंदरगाह शहर डुकुम के पास रास मद्रका के 25 समुद्री मील दक्षिण पूर्व में पलट गया।

**प्रेस्टीज फाल्कन के रूप में जहाज की पहचान**

डुकुम का बंदरगाह ओमान के दक्षिण-पश्चिम तट पर स्थित है, जो ओमान की प्रमुख तेल और गैस खनन परियोजनाओं के पास है। इसमें एक प्रमुख तेल रिफाइनरी भी शामिल है, जो ओमान की सबसे बड़ी आर्थिक परियोजना और डुकुम के विशाल औद्योगिक क्षेत्र का हिस्सा है। जहाज की पहचान प्रेस्टीज फाल्कन के रूप में की गई है।

**यमन की ओर जा रहा था जहाज**

एमएससी ने कहा, जहाज के चालक दल के सदस्य अब भी लापता हैं। तलाश जारी है।÷ नौवहन से जुड़ी वेबसाइट मैरीटाइम ट्रैफिक के मुताबिक, तेल टैंकर यमन के बंदरगाह शहर अदन की ओर जा रहा था। आंकड़ों से पता चलता है कि इस जहाज का निर्माण 2007 में किया गया है और यह 117 मीटर लंबा है।

## बस दुर्घटना के मृतक और लापता व्यक्ति के परिवार को 10-10 लाख मुआवजे की घोषणा

**एजेंसी**

**काठमांडू।** नेपाल में गत शुक्रवार को दो यात्रीवाहक बसों के नदी में गिरकर बह जाने से उनमें सवार जिन यात्रियों की मौत हुई है, सरकार ने उन सभी के लिए मुआवजे की घोषणा की है। ओली सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में मृतकों और लापता व्यक्तियों के परिवार के लिए मुआवजे का निर्णय लिया गया, जिसकी विधिवत घोषणा की गई है।

ओली सरकार के प्रवक्ता सूचना तथा संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने कहा कि कैबिनेट की बैठक में शुक्रवार को हुई बस दुर्घटना में मृतक और लापता सभी 65 यात्रियों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा दिए जाने का फैसला किया गया है। गुरूंग ने बताया कि दुर्घटना के पांच दिन बीत जाने के बाद अब किसी के भी जिन्दा बचने की उम्मीद नहीं है, इसलिए सरकार ने अब तक मिले शवों के अलावा लापता रहे व्यक्ति को भी मृतक व्यक्ति की तरह मुआवजा देने की बात तय की है। सरकार ने दुर्घटनाग्रस्त बस के मलबे को ढूंढने और लापता शव बरामद करने के लिए भारत सरकार से औपचारिक आग्रह करने का भी फैसला किया है। जल्द ही भारत से एक टीम आकर नदी में लापता बस और शवों को ढूंढने में मदद करेगी। नेपाल में उपलब्ध सभी तकनीक का प्रयोग कर पिछले पांच दिनों से शवों को ढूंढने का काम चल रहा है। पानी की गहराइयों में साउंड वाइब्रेशन भेज कर भीतर रहे शवों को ढूंढने का काम भी किया जा रहा है पर कोई खास सफलता नहीं मिल पा रही है।

## फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रां ने प्रधानमंत्री एटल का इस्तीफा स्वीकार किया

**एजेंसी**

**पेरिस।** फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री गैब्रियल एत्तल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। हालांकि, वे नई सरकार के गठन तक कार्यवाहक सरकार के प्रमुख के रूप में बने रहेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री गैब्रिएल एत्तल और अन्य मंत्रियों का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। बयान में आगे कहा गया कि एत्तल और अन्य मंत्री नई सरकार के गठन तक मौजूदा मामलों को संभालते रहेंगे।

**इस महीने के अंत में पेरिस ओलंपिक खेलों का आयोजन**

फ्रांस में इस महीने के अंत में पेरिस ओलंपिक खेलों का आयोजन होने वाला है। आपको बता दें कि पीएम एत्तल ने पिछले सप्ताह इस्तीफा दे दिया था। इस बीच राष्ट्रपति मैक्रों ने गैब्रियल एत्तल से अस्थायी रूप से सरकार का प्रमुख बने रहने का अनुरोध किया था। दरअसल, फ्रांस इस बार पेरिस ओलंपिक की मेजबानी कर रहा है और इस महीने दुनियाभर की सुर्खियों में आने वाला है। हालांकि, इस्तीफे के बाद गैब्रियल एत्तल को फ्रांस की संसद (नेशनल असेंबली) में एक सांसद के रूप में बने रहेंगे। फ्रांस के राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार गैब्रियल एत्तल का यह कदम उन्हें संसद में संभावित अविश्वास प्रस्ताव के जोखिम से भी बचाएगा। आपको बता दें कि फ्रांस की संसद का सत्र गुरुवार से शुरू हो रहा है। गैब्रियल एत्तल के नेतृत्व वाली कार्यवाहक सरकार केवल दैनिक मामलों को संभालने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

**फ्रांस का अगला पीएम कौन?**

इस महीने की शुरुआत में फ्रांस में संसदीय चुनाव हुए थे। मतदान के बाद आए नतीजों में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पार्टी रेनेसां को बड़ा झटका लगा। इस चुनाव में वामपंथी गठबंधन न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) ने सबसे अधिक सीटें जीतीं। मरीन ले पेन की दक्षिणपंथी पार्टी दूसरे और राष्ट्रपति मैक्रों की पार्टी रेनेसां तीसरे स्थान पर रही। इन नतीजों के बाद फ्रांस राजनीतिक अनिश्चितता में फंस गया है, क्योंकि कोई भी पार्टी पूर्ण बहुमत हासिल करने के करीब नहीं पहुंच पाई है। फ्रांस में त्रिशंकु संसद के कारण राजनीतिक उठापटक शुरू हो गई है। मौजूदा प्रधानमंत्री गैब्रिएल एत्तल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। अब इस बात को लेकर संशय बना गया है कि देश का अगला प्रधानमंत्री कौन होगा और सरकार में कौन होगा?

**वामपंथी गठबंधन का मैक्रों पर निशाना**

उधर, वामपंथी गठबंधन की तीन प्रमुख पार्टियों फ्रांस अनबोड पार्टी, अति उदारवादी सोशलिस्ट पार्टी, ग्रीन इकोलॉजिस्ट पार्टी ने राष्ट्रपति से नई सरकार बनाने के लिए उन पर भरोसा करने का आग्रह किया है। हालांकि, प्रधानमंत्री को चुनने को लेकर तीनों पार्टियों के बीच बहस छिड़ी हुई है। इस बीच सोशलिस्ट पार्टी के नेता ओलिवियर फाउरे ने कहा कि जनता की उम्मीदों को पूरा करने के लिए वामपंथी गठबंधन सरकार के गठन के लिए तैयार है। उन्होंने राष्ट्रपति मैक्रों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कहा कि सरकार के कार्यवाहक प्रमुख के रूप में गैब्रियल एत्तल को बनाए रखने से मेक्रों ने हालिया चुनावों में जनता के फैसले का उल्लंघन किया है।

## 'अमेरिका में बच्चे गोलीबारी में ज्यादा मरते हैं', ट्रंप पर हुए हमले के बाद 'बंदूक संस्कृति' के खिलाफ बाइडन

**एजेंसी**

**वाशिंगटन।** स चुनाव में राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मुख्य उम्मीदवार माने जा रहे हैं। पिछले हफ्ते चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप पर गोली चलाई गई थी। ट्रंप की हत्या के प्रयास के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन ने स्थिति को आश्चर्यजनक बताया। उन्होंने अमेरिका में बंदूक संस्कृति को लेकर एक बड़ा बयान दिया। बाइडन ने कहा कि अमेरिका में बच्चे किसी अन्य कारणों की तुलना में गोलीबारी में ज्यादा मारे जाते हैं। उन्होंने यह बयान लास वेगस में एनएएसीपी राष्ट्रीय सम्मेलन में बुधवार को दिया। एनएएसीपी राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रपति बाइडन ने लोगों से अमेरिका की सड़कों से हथियार हटाने का आह्वान किया। इसके अलावा उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की भी आलोचना की। बाइडन ने कहा, अमेरिका में बच्चे किसी अन्य कारणों की तुलना में गोलीबारी में ज्यादा मारे जाते हैं। यह बहुत आश्चर्यजनक है। अगर हम इसके बारे में कुछ नहीं करते हैं तो यह कायरता है। अगर आप अमेरिका में हिंसा के खिलाफ खड़े होना चाहते हैं तो युद्ध के इन हथियारों को अमेरिका की सड़कों से हटाने के लिए मेरे साथ शामिल हों।

**बाइडन ने की ट्रंप की नीतियों की आलोचना**

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति जो बाइडन ने उनकी नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा, ÷ट्रंप ने लाखों काले अमेरिकियों को स्वास्थ्य बीमा सेवा से बाहर करने के लिए ओबामाकेयर को रद्द किया। उन्होंने दो ट्रिलियन डॉलर की टैक्स कटौती की। ऐसा करने से अमीर और बड़े निगम को बहुत लाख हुआ। यह किसी भी राष्ट्रपति के कार्यकाल में संघीय टैक्स में भारी वृद्धि है।÷ उन्होंने ट्रंप को महामारी के कुप्रबंधन के लिए भी जिम्मेदार ठहराया।ट्रंप पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति बाइडन ने कहा, ÷हमें जो करना चाहिए, इसके लिए उन्होंने (ट्रंप) कोई जगह नहीं छोड़ी। उन्होंने उन चीजों में निवेश किया, जो लोगों के जीवन को प्रभावित करती है। महामारी का यह कुप्रबंधन काले लोगों के लिए विनाशकारी था।

## अफगानिस्तान में तूफान से 35 लोगों की मौत , 230 लोग घायल; 400 घर बर्बाद हुए

**काबुल।** अफगानिस्तान में मसूलाधार बारिश, ओलावृष्टि के साथ आए तूफान से 35 लोगों की जान चली गई जबकि 230 लोग घायल हो गए हैं। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, जलालाबाद शहर और नंगरहार प्रांत के आसपास के इलाकों में 400 से ज्यादा घर तबाह हो गए हैं।

सूचना एवं संस्कृति विभाग ने नंगरहार के कई जिलों में हुई जानमाल की हानि की पुष्टि की है। सरकार ने जानकारी देते हुए बताया कि प्राकृतिक आपदा के बाद प्रभावित समुदायों के पुनर्वास के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। तेज बारिश और ओलावृष्टि से हुई तबाही प्रभावित लोगों के दर्द को कम करने और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को बहाल करने के लिए ठोस राहत उपायों की लगातार कोशिश की जा रही है। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक लगभग चार सौ घर नष्ट हो गए हैं। जिसमें निवासियों और व्यवसायों को काफी वित्तीय नुकसान हुआ हैं। हालांकि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है।

**सरकार बोली- हर जरूरतमंद को मदद पहुंचाने की कोशिश जारी**

अफगानी मीडिया के मुताबिक अधिकारी यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि हर जरूरतमंद को वह सहायता मिले जिसकी उन्हें जरूरत है। बचाव और पुनर्प्राप्ति प्रयास जारी हैं, और प्रभावित परिवारों और समुदायों के लिए एकता और समर्थन पर जोर दिया जा रहा है। सरकार ने जानकारी देते हुए बताया कि नंगरहार प्रांत में हुई तबाही से यह भी पता चल गया कि प्राकृतिक आपदाओं से निपटन के लिए हम कितने संवेदनशील हैं और उनके आपदा के प्रभाव को कम करने के लिए तुरंत किस तरह से काम कर सकते हैं।

## नेपाल-भारत सीमा विवाद कूटनयिक तरीके से सुलझाना ओली सरकार की प्राथमिकता: देउवा

**एजेंसी**

**काठमांडू।** नेपाल की नवनियुक्त विदेश मंत्री डा. आरजू राणा देउवा ने भारत के साथ सीमा विवाद को कूटनयिक तरीके से सुलझाने की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा जैसे सीमा विवाद का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

विदेश मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद पत्रकारों को संक्षिप्त प्रतिक्रिया देते हुए डा देउवा ने कहा कि भारत के साथ सीमा समस्या को बिना किसी विवाद के कूटनीतिक तरीके से सुलझाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भारत के साथ कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा जैसे सीमा विवाद को दोनों देशों के इतिहास, भूगोल और नई तकनीक जीपीएस के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया जाएगा।

विदेश मंत्री डा आरजू देउवा ने कहा कि पहले की तरह दोनों देशों के सीमा विवाद का पहले की तरह राजनीतिकरण नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत के साथ कूटनीतिक वार्ता के जरिए ही किसी भी विवाद को सुलझाया जाएगा। डा देउवा ने कहा कि नई तकनीक के जरिए अब जीपीएस के जरिए सीमा पर बॉर्डर पिलर रखा जाएगा ताकि भविष्य में किसी प्रकार का विवाद ना हो।

# डोनाल्ड ट्रंप आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार घोषित

**न्यूयार्क।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रिपब्लिकन पार्टी ने एक बार फिर से राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार घोषित किया है। मिल्बाउकी में हुए रिपब्लिकन पार्टी के अधिवेशन में एक के बाद एक राज्य ने ट्रंप के नाम का समर्थन किया। अधिकांश डेलीगेट्स ट्रंप के नाम की तख्ती लेकर उनके नाम का समर्थन कर रहे थे और पूरा सभागार ट्रंप-ट्रंप से गूज रहा था। इसके साथ ही पार्टी में ट्रंप के प्रतिद्वंदी ओहियो के सीनेटर और राष्ट्रपति पद के लिए कोशिश कर रहे जेडी वैंन्स को उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार भी घोषित किया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप 2016 में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में जीत दर्ज की थी। वह 20 जनवरी 2017 से 20 जनवरी 2021 तक अमेरिका के राष्ट्रपति रहे थे। अगले चुनाव में वे डेमोक्रेट पार्टी के जो बाइडेन के मुकाबले हार गए थे। हांलाकि तब भी उन्होंने हार स्वीकार नहीं की थी और व्हाइट हाउस खाली करने से पहले वहां जुटे ट्रंप समर्थकों ने हिंसक उपद्रव भी कर दिया था। राष्ट्रपति पद से हटने के बाद पिछले 4 सालों में उनके ऊपर अनेक प्रकार के मुकदमे भी दर्ज हुए, जिसमें सीक्रेट पेपर्स की चोरी से लेकर अवैध संबंधों के चलते एक महिला को पैसे देने का मामला भी चला और सजा भी हुई। इन सबके बावजूद ट्रंप को उम्मीदवारी से रोका न जा सका। दो दिन पूर्व ही ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ और एक गोली उनके कान को छेदते हुए निकल गई।

इस सबके बावजूद अमेरिका में ट्रंप की लोकप्रियता तेजी से बढ़ती जा रही है। इस साल नवंबर माह में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में रिपब्लिकन ट्रंप का मुकाबला एक बार फिर से डेमोक्रेट पार्टी के जो बाइडेन से हो सकता है। हांलाकि बढ़ती उम्र और उससे जनित लक्ष्णों के चलते जो बाइडेन की उम्मीदवारी पर संशय बना हुआ है और चर्चा यह भी है कि वर्तमान उप राष्ट्रपति कमला हैरिस भी डेमोक्रेट पार्टी की ओर से उम्मीदवार हो सकती हैं।जहां तक डोनाल्ड ट्रंप का सवाल है तो पिछले तीन सालों में लगातार संकटों और नकारात्मक चर्चाओं के केन्द्र में बने रहने के बावजूद उन्होंने संघर्ष जारी रखा और राष्ट्रपति चुनाव आने तक वातावरण उनके अनुकूल बनता दिख रहा है। सोमवार को मिल्बाउकी में उनके उम्मीदवारी पर मुहर लगने से पूर्व ही उनके लिए एक और अच्छी खबर आयी। फेडरेल कोर्ट के एक जज ने उन्हें सीक्रेट पेपर्स की चोरी के मामले में दी गई सजा को रद्द कर दिया।

## संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा, पृथ्वी पर तेजी से गहरा रहा तिहरा संकट

**न्यूयार्क।** वैश्विक स्तर पर मौजूदा दौर में ऐसे आठ महत्वपूर्ण बदलाव हो रहे हैं, जिनसे पृथ्वी पर मंडराते तिहरे संकटों (जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण व कचरा) के गहराने की गति तेज हो रही है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और अंतरराष्ट्रीय विज्ञान परिषद (आईएससी) की एक नई रिपोर्ट में यह निष्कर्ष साझा किया गया है।

**कोई भी देश रास्ते से आसानी से भटक सकता**

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण एजेंसी की कार्यकारी निदेशक इंगेर ऐंडरसन ने कहा कि हम भूराजनैतिक उथलपुथल की पृष्ठभूमि में जिस तरह से बदलाव की तेज रफ़्तार, अनिश्चितता और टेक्नोलॉजी के विकास को देख रहे हैं, इसका अर्थ है कि कोई भी देश रास्ते से आसानी से भटक सकता है।

**मानव गतिविधियों की वजह से नुकसान**

मानव गतिविधियों की वजह से प्राकृतिक जगत का नुकसान हो रहा है। यही नहीं, कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) जैसी टैक्नॉलॉजी को इस्तेमाल में लाया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों के लिए स्पर्धाएं और विषमताएं बढ़ती जा रही हैं और संस्थाओं में भरोसा खत्म होता जा रहा है।

वैश्विक अग्रदृष्टि रिपोर्ट के अनुसार, ये सभी चुनौतियां आने वाले समय के लिए एक ऐसे संकट को तैयार कर रही हैं, जिसका मानवता और पृथ्वी पर खतरनाक प्रभाव पड़ सकता है।

**18 संकेतकों की पहचान**

इन आठ बड़े बदलावों के साथ-साथ इस रिपोर्ट में बदलाव के 18 संकेतकों की पहचान की गई है, जिन्हें वैश्विक विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय व हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद चिह्नित किया है। ये संकेतक भविष्य में संभावित व्यवधानों के प्रति सचेत करते हैं, ताकि दुनिया इनसे निपटने के लिए पहले से तैयार कर सके। इनमें अति-महत्वपूर्ण दुर्लभ पृथ्वी तत्वों, खनिजों व धातुओं के लिए बढ़ती मांग, गहरे समुद्र और स्ट्रैटोस्फ़ेयर से परे अंतरिक्ष में खनन की योजनाएं हैं। मगर, इन सभी गतिविधियों से प्रकृति व जैवविविधता के लिए खतरा उत्पन्न होने की आशंका है। प्रदूषण व कचरा बढ़ सकता है।

**पर्माफ्रोस्ट पिघल रही**

गर्माती जलवायु के कारण 'पर्माफ्रोस्ट', कम से कम दो वर्ष तक जमी रहने वाली भूमि की सतह, पिघल रही है, जिसका बड़े पैमाने पर पर्यावरण, पशुओं व मनुष्यों पर असर हुआ है। इस प्रक्रिया से पुरातन काल से जमे हुए ऐसे जीव बाहर आ रहे हैं, जोकि रोगजनक हो सकते हैं।

एक बार पहले ही यह रूस के विशाल साइबेरिया क्षेत्र में एंथ्रेक्स के प्रकोप की वजह बन चुका है। यह बैक्टीरिया से होने वाली एक गंभीर संक्रामक बीमारी है।

**कौमी पत्रिका**
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
**E - mail address :**
qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in
**R.N.I. No.**
**UP-HIN/2007/21472**
**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

# रिपब्लिकन कन्वेंशन में विवेक रामास्वामी ने दिया ऐसा जोशीला भाषण, एलन मस्क ने भी खूब की तारीफ

**एजेंसी**

**कैथल।** रिपब्लिकन कन्वेंशन में बुधवार को पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी में शामिल रहे विवेक रामास्वामी ने संबोधित किया। इस दौरान रामास्वामी ने जोशीले अंदाज में अमेरिकी सपने की बात की और लोगों से डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने की अपील की। रामास्वामी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ही इस देश को एकजुट कर सकते हैं। विवेक रामास्वामी के भाषण की तारीफ अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क ने भी की है।

**विवेक रामास्वामी ने दिया जबरदस्त भाषण**

रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन को संबोधित करते हुए विवेक रामास्वामी ने कहा कि 'अगर आप देश में कानून व्यवस्था को फिर से स्थापित करना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें। अगर आप इस देश की अर्थव्यवस्था को एकजुट करना चाहते हैं, अमेरिका को फिर से महान देश बनाना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें। ट्रंप को वोट करने का एक कारण ये भी है कि डोनाल्ड ट्रंप सिर्फ शब्दों से नहीं बल्कि एक्शन से देश को एक कर सकते हैं और अमेरिका की पहचान यही है।'

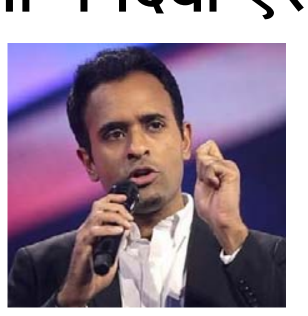

रामास्वामी ने कहा कि अगर आप मेरी कही हर बात से असहमत हैं तो हमारा संदेश आपके लिए यही है - हम फिर भी आपके कहने के अधिकार की रक्षा करेंगे क्योंकि हम अमेरिकी होने के नाते ऐसे ही हैं। हम एक ऐसा देश हैं जहां हम पूरी तरह असहमत हो सकते हैं और फिर भी खाने की मेज पर साथ मिल सकते हैं। यही अमेरिकी होने का मतलब है।'

**मस्क ने की तारीफ**

विवेक रामास्वामी के भाषण की मशहूर अरबपति एलन मस्क ने भी तारीफ की। विवेक रामास्वामी के भाषण की एक क्लिप सोशल मीडिया पर साझा करते हुए मस्क ने लिखा कि 'बहुत अच्छी बात कही'। रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन की शुरुआत हुई थी। रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन अप्रवासन का मुद्दा उठा। बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी और डोनाल्ड ट्रंप के एजेंडे में अवैध अप्रवासियों का मुद्दा सबसे अहम है। इस मुद्दे की वजह से रिपब्लिकन पार्टी की लोकप्रियता में भी उछाल आया है। उन परिवारों के बारे में जिक्र किया गया, जो अवैध अप्रवासियों द्वारा किए गए अपराध के पीड़ित हैं। इन्हीं में से एक मैरीलैंड की एक महिला राहेल मोरिन का परिवार भी शामिल हैं। मोरिन को अल सल्वाडोर के एक अवैध अप्रवासी ने दुष्कर्म के बाद मार डाला था। ट्रंप अक्सर अपनी रैलियों में भी ऐसी घटनाओं को उठाते रहे हैं।

## हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

एजेंसी
नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पर पोस्ट किया, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। वहीं मुख्यमंत्री ने भी एक्स पर पोस्ट किया, आज दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रदेश व प्रदेशवासियों के हित के संदर्भ में विस्तृत चर्चा हुई।

## बजट सत्र से पूर्व 21 जुलाई को होगी सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू बजट सत्र से पहले संसद के दोनों सदनों के राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। सर्वदलीय बैठक 21 जुलाई को संसदीय सौध सुबह 11 बजे होगी। उल्लेखनीय है कि संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा और सरकारी कामकाज के अधीन 12 अगस्त को समाप्त हो सकता है।

## त्रिपुरा में कार्यकर्ताओं पर हमला, कांग्रेस ने नियुक्त किये पर्यवेक्षक

नई दिल्ली। कांग्रेस ने त्रिपुरा में पार्टी पदाधिकारियों तथा कांग्रेस कार्यालय पर हुये हमले के मद्देनजर दो पर्यवेक्षक नियुक्त किये हैं। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुये बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर तथा गौरव गोगोई को यह जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने बताया कि राज्य में पंचायत चुनाव की घोषणा होने के बाद प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों तथा पार्टी के कार्यालयों पर हमले किये गये हैं।

## शंकराचार्य का काम नेताओं के घर जाकर राजनीतिक बयान देना नहीं :नारायण गिरि

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष तथा श्रीदूधेश्वरनाथ मठ मंदिर के श्रीमहंत नारायण गिरि ने ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिव सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के घर जाकर राजनीतिक बयान देने को गलत बताया और कहा कि हिन्दू धर्म परंपरा में शंकराचार्य शीर्ष आसन है तथा उनका काम पूजा पाठ करना है और ऐसे पूज्यपाद का किसी के घर जाकर राजनीतिक बयान देना अनुचित है। पंचदशनाम जूना अखाड़े के प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि ने मंगलवार को एक वीडियो जारी कर कहा कि शंकराचार्य ने शिवसेना उद्धव गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे के घर जाकर राजनीतिक बयान दिया है और यह अनुचित है। उनका कहना था कि उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे के विवाह में शामिल होना भी ठीक नहीं है। पूज्य शंकराचार्य को किसी सामान्य इंसान के घर जाकर उन्हें आशीर्वाद देकर राजनीतिक बयान देना संत का काम नहीं होता है। उन्होंने इसे अनुचित बताया और कहा कि संत को इस तरह से राजनीति नहीं करनी चाहिए।

## भारतीय लिबरल पार्टी देगी दिल्ली को पहला दलित मुख्यमंत्री : डॉ रायज़ादा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय लिबरल पार्टी (बीएलपी) के अध्यक्ष डॉ. मुनीश कुमार रायज़ादा ने कहा कि उनकी पार्टी दिल्ली राज्य को पहला दलित मुख्यमंत्री देगी। बीएलपी के अध्यक्ष डॉ. मुनीश कुमार ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में प्रेस वार्ता के दौरान 2025 दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए तैयार की गई पार्टी की रणनीति पर चर्चा की।इस मौके पर बीएलपी के महासचिव अकबर खान राणा, राष्ट्रीय भागीदारी मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक डीसी कपिल और व्यवसायी एवं समाज सेवक सलीम अहमद कुरैशी भी मौजूद रहे।

रायज़ादा ने कहा कि बीएलपी सामाजिक न्याय और भ्रष्टाचार को खत्म करने के मुद्दे पर दिल्ली में काम करेगी। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करेगी कि गरीबों के अधिकारों की न केवल रक्षा हो बल्कि उनके उत्थान के लिए हर ज़रूरी कदम भी उठाया जाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कूड़ा निस्तारण, प्रदूषण, टूटी सड़कें और पीने लायक पानी जैसी बुनियादी नागरिक समस्याएं हैं। इनकी जड़ में भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद बीएलपी सबसे पहला कदम भ्रष्टाचार विरोधी आयोग व एंटी करप्शन कमीशन का गठन करेगी। उन्होंने यहां पर सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने की घोषणा करते हुए कहा कि पार्टी वंचित, पिछड़े और शोषित लोगों के लिए काम करेगी और यह दिल्ली राज्य को पहला दलित मुख्यमंत्री देगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भ्रष्टाचार पर निर्णायक प्रहार, विकास की राजनीति पर ध्यान केंद्रित करना व जन कल्याण और सामाजिक न्याय के लिए काम करना उनकी प्राथमिकता है। उनकी सोच कूड़े की समस्या का समाधान, रोजगार पैदा करना, दलित परिवारों की मुख्य महिलाओं को 1000 रुपये प्रति माह प्रदान करना, वृद्धावस्था पेंशन को 2500 रुपये से बढ़ाकर 5000 रुपये प्रति माह कराने की है।

## 'भारत के लिए ई-मोबिलिटी आरएंडडी रोडमैप' रिपोर्ट जारी

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन एनेक्सी में भारत के लिए ई-मोबिलिटी आरएंडडी रोडमैप रिपोर्ट जारी की। आरएंडडी रोडमैप को वैश्विक ऑटोमोटिव क्षेत्र के विस्तार को समझकर और भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया गया है। इसमें अनुसंधान को चार महत्वपूर्ण क्षेत्रों ऊर्जा भंडारण सेल, ईवी एग्रीगेट्स, सामग्री व रिसाइकिल, चार्जिंग व ईंधन भरना में वर्गीकृत किया गया है। साथ ही अगले पांच वर्षों में आत्मनिर्भर बनकर वैश्विक नेतृत्व करने के लिए मार्ग प्रदान करता है।

अपने उद्घाटन भाषण में प्रो. सूद ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का लक्ष्य 2030 तक उत्सर्जन में 45 प्रतिशत की कमी और 2047 तक ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है ताकि 2070 तक नेट जीरो हासिल किया जा सके। इस दृष्टिकोण के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को व्यापक रूप से अपनाना, स्वदेशी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों का निर्माण और चार्जिंग बुनियादी ढांचे के लिए नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन करना

आवश्यक होगा। प्रो. सूद ने कहा कि वर्तमान में ई-मोबिलिटी वैल्यू चेन आयात पर बहुत अधिक निर्भर करती है। उन्होंने ई-मोबिलिटी वैल्यू चेन के भीतर आयात पर हमारी निर्भरता को कम करने और ऑटोमोटिव क्षेत्र में घरेलू अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। हाइब्रिड मोड में आयोजित आधिकारिक शुभारंभ कार्यक्रम में सरकारी अधिकारियों, ई-मोबिलिटी (सीओईएम) पर सलाहकार समूह के सदस्यों, उद्योग और थिंक टैंक के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय के वैज्ञानिक सचिव डॉ. परविंदर मैनी, ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), पुणे के महानिदेशक डॉ. रेजी मथाई, नॉन-फेरस मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सेंटर (एनएफटीडीसी), हैदराबाद के निदेशक डॉ. के. बालासुब्रमण्यम सहित अन्य ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

## डॉ. सुकांत मजूमदार ने उच्च शिक्षा के लिए भारतीय भाषा में पाठ्यपुस्तक लेखन पर कार्यशाला का उद्घाटन किया

एजेंसी
नई दिल्ली। शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने नई दिल्ली में उच्च शिक्षा के लिए भारतीय भाषा में पाठ्यपुस्तकों के लेखन पर कुलपतियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और भारतीय भाषा समिति (बीबीएस) ने संयुक्त रूप से किया था।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के सचिव के. संजय मूर्ति, भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष प्रो. चामू कृष्ण शास्त्री, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार, 150 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रख्यात शिक्षाविद् और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में डॉ. सुकांत मजूमदार ने विभिन्न उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों के लिए भारतीय भाषाओं में अध्ययन सामग्री तैयार करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रणाली को देश की विशाल भाषाई विविधता को प्रतिबिंबित करना चाहिए और यह

सुनिश्चित करना चाहिए कि छात्रों को उनकी मातृभाषा में ज्ञान प्राप्त हो। उन्होंने 'विकसित भारत' के उद्देश्य को पूरा करने में अपने दूरदर्शी नेतृत्व प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. मजूमदार ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 देश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण में भाग लेने के लिए प्रेरित करने का आधार तैयार करती है। उन्होंने एनईपी 2020 के कार्यान्वयन का नेतृत्व करने के लिए धर्मेंद्र प्रधान के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. मजूमदार ने यह भी कहा कि भारतीय भाषाएं राष्ट्र के प्राचीन इतिहास और पीढ़ियों से चली आ रही बुद्धिमत्ता का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को पोषित किया जाना चाहिए और समृद्ध सांस्कृतिक और भाषाई विरासत में उनके विश्वास को मजबूत किया जाना चाहिए।

सत्र के दौरान, प्रो. चामू कृष्ण शास्त्री ने भारतीय भाषा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया और एम. जगदीश कुमार ने कुछ मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की। के. संजय मूर्ति ने समापन सत्र के दौरान तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ किया। ये परियोजनाएं अस्मिता (अनुवाद और अकादमिक लेखन के माध्यम से भारतीय भाषाओं में अध्ययन सामग्री का संवर्धन); बहुभाषा शब्दकोष; और वास्तविक समय अनुवाद वास्तुकला थीं। श्रोताओं को संबोधित करते हुए, मूर्ति ने कहा कि इन सभी परियोजनाओं को आकार देने में प्रमुख भूमिका प्रौद्योगिकी की होगी, और एनईटीएफ और बीबीएस की इसमें बहुत बड़ी भूमिका होगी।

यूजीसी के नेतृत्व में भारतीय भाषा समिति के सहयोग से अस्मिता का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 22 अनुसूचित भाषाओं में 22000 पुस्तकें प्रकाशित करना है। भारतीय भाषा समिति के सहयोग से केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) के नेतृत्व में बहुभाषा शब्दकोश बहुभाषी शब्दकोशों का एक विशाल भंडार बनाने की एक व्यापक पहल है। भारतीयभाषा समिति के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच (एनईटीएफ) के नेतृत्व में वास्तविक समय अनुवाद वास्तुकला भारतीय भाषा में वास्तविक समय अनुवाद क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक तकनीकी ढांचे के निर्माण की सुविधा प्रदान करेगी।

## जीतन सहनी की हत्या की राहुल प्रियंका ने की कड़ी निंदा

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिहार में विकासशील इंसान पार्टी-वीआईपी के संस्थापक तथा पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या पर शोक व्यक्त करते हुए इस घटना को निंदनीय बताया है।

दोनो नेताओं ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और उनके पीड़ित परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की और कहा कि इस अपराध के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और सहनी परिवार को न्याय मिलना चाहिए। श्री गांधी ने कहा विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक, बिहार के पूर्व मंत्री और इंडिया गठबंधन के हमारे साथी मुकेश सहनी जी के पिता जीतन सहनी जी की निर्मम हत्या का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मुकेश जी और उनके समस्त परिवार को अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और इस निंदनीय अपराध की कड़ी भर्त्सना करता हूं। बिहार सरकार से अपेक्षा है कि वो तुरंत कार्रवाई कर हत्यारों को कड़ी सज़ा दिलवाएं और सहनी परिवार को न्याय दिलाएं। श्रीमती वाड्रा ने कहा विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री

मुकेश सहनी जी के पिता श्री जीतन सहनी जी की हत्या की घटना बेहद निंदनीय है। इस दुःख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं मुकेश सहनी जी एवं उनके परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। यह खौफनाक घटना दिखाती है कि बिहार में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और इस जंगलराज में कोई भी सुरक्षित नहीं है। दोषियों पर जल्द एवं सख्त से सख्त कार्रवाई हो।

## सरकार ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई

एजेंसी
नई दिल्ली। सरकार ने संसद की कार्यवाही सुचारू ढंग से चलाने के बारे में विचार विमर्श के लिए बजट सत्र से पहले रविवार को सभी राजनीतिक दलों के नेताओं की बैठक बुलाई है।बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होकर 12 अगस्त तक चलेगा। संसदीय कार्य मंत्रालय ने यहां बताया कि संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजू ने रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे संसदीय सौंध में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में सरकार की ओर से संसद की कार्यवाही सुचारू ढंग से चलाने के लिए सभी दलों के नेताओं से बात कर विपक्ष को विश्वास में लेने की कोशिश की जायेगी। लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों की संख्या बढने के मद्देनजर इस बार सरकार को विपक्ष को विश्वास में लेने के लिए कड़ी मशक्कत करनी होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को बजट पेश करेंगी। अठारहवीं लोकसभा के गठन के बाद संसद का यह दूसरा सत्र होगा। इससे पहले संसद का विशेष सत्र 24 जून से तीन जुलाई तक चला था। इसमें नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाने के बाद राष्ट्रपति ने दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित किया था। विशेष सत्र के दौरान विपक्ष के तीखे तेवरों को देखते हुए बजट सत्र के भी हंगामेदार रहने की संभावना है।

## मृदा-स्वास्थ्य के संरक्षण-संवर्धन, प्रकृतिक खेती की तकनीकों के विकास का शिवराज का आह्वान

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि वैज्ञानिकों से मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने और भावी पीढ़ी के लिए एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के लिए प्राकृतिक खेती तकनीकों का अभ्यास करने का आग्रह किया। श्री चौहान ने बेहतर उत्पादन और आय में वृद्धि के लिए छोटे और सीमांत किसानों के लिए मॉडल फार्म शुरू करने के प्रस्ताव पर भी जोर दिया। वह यहां पूसा में भारतीय कृषि

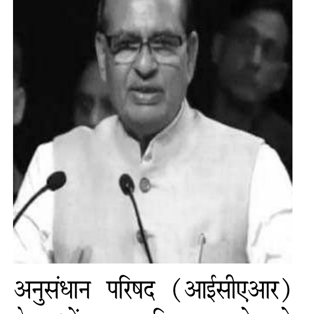

अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के 96वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने 'लैब टू लैंड' पर भी जोर दिया और कहा कि प्रौद्योगिकी आधारित कृषि पद्धतियां किसानों को बेहतर फसल पैदा करने और आय को अधिकतम करने में मदद करती हैं। कार्यक्रम को केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ,कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और श्री राम नाथ ठाकुर तथा मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल और जॉर्ज कुरियन तथा आईसीएआर के महानिदेशक हिमांशु पाठक ने संबोधित किया। आईसीएआर ने 96वें स्थापना दिवस पर दो दिन की प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी लगायी थी। इसका का औपचारिक उद्घाटन कृषि मंत्री ने किया। प्रदर्शनी में आईसीएआर द्वारा विकसित विभिन्न प्रौद्योगिकियों तथा उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। इसमें लगभग 400 आम, 80 केले, 50 शीतोष्ण फल और 120 लघु फलों की किस्में प्रदर्शित की गईं। कृषि विकास में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 40 प्रौद्योगिकियों के डेवलपर्स को सम्मानित किया गया।

## सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के क्षमता निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है

नई दिल्ली। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने सभी आवश्यक सहायता एवं सहयोग प्रदान करके सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के क्षमता निर्माण को

सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है। बेंगलुरु कॉम्प्लेक्स की अपनी यात्रा के दौरान भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि यह पीएसयू पर निर्भर है कि वे अपने प्रदर्शन को बेहतर बनायें और इस अत्यधिक प्रतिस्पर्धी युग में प्रतिस्पर्धी बने रहें। बीईएल की उपलब्धियों और प्रदर्शन की सराहना करते हुए, संजय सेठ ने कहा कि यह पीएसयू 'मेक इन इंडिया' पहल और आत्मनिर्भरता में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के साथ साझेदारी में कई स्वदेशी उपकरण और प्रणालियां विकसित की हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष इसने आत्मनिर्भरता को मजबूत करते हुए 150 वस्तुओं के पेटेंट हासिल किए हैं। केन्द्रीय रक्षा राज्यमंत्री ने एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स नेवी (एडीएसएन) स्ट्रेटेजिक बिजनेस यूनिट (एसबीयू), मिलिट्री रडार एसबीयू और अत्याधुनिक ईएमआई/ईएमसी लैब में प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी का दौरा किया। उन्हें तटीय निगरानी प्रणाली और परिधि सुरक्षा प्रणाली की विशेषताओं के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने स्मार्ट सिटी एक्सपीरियंस सेंटर और प्रोडक्ट डेवलपमेंट एंड इनोवेशन सेंटर (पीडीआईसी) का दौरा किया, जो अत्याधुनिक रक्षा और सुरक्षा उपायों से संबंधित नवाचार, अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देता है। उन्होंने अगली पीढ़ी की परियोजनाओं पर काम कर रहे इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं से बातचीत की। रक्षा राज्यमंत्री ने बीईएल की अपनी पहली यात्रा की स्मृति में पीडीआईसी परिसर में एक पौधा भी लगाया। इससे पहले, मनोज जैन, सीएमडी, भानु प्रकाश श्रीवास्तव, निदेशक (अन्य इकाइयां), दामोदर भट्टड़, निदेशक (वित्त), के वी सुरेश कुमार, निदेशक (विपणन) तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।


**Name Change**
I, Sunita kharoti W/o-Rajesh Kumar kharoti R/o 68-top floor, Gali no-3, Krishna Nagar, safdarjung Enclave, South West Delhi - 110029 have changed my name from Sunita kharoti to Mona kharoti for all future purposes.

**Name Change**
I, hitherto known as ABUSHMA S/o ABUL IRFAN R/o 04, Karauni, PO - Karauni, Singhwara, Dist. - Dharbhanga, Bihar-847104 and Presently residing at K-97, Third Floor, Back Side, Gali No. -5, Abul Fazal Enclave, Part-I, Jamia Nagar, New Delhi -110025 have changed my name and shall hereafter be known as ABUSHAHMA IRFAN.

**Name Change**
I hitherto known as Sonu Kumar S/O Santosh Kumar, R/O Parmanent adress-Gali No-1, Professor Colony, Rambagh, Purnea, Purnia, Bihar-854301 Present adress -AD 58C, S.F Pitampura ,Delhi-110034 have changed my name and shall hereafter be known as VIRAJ KUSHWAHA.

**Name Change**
I, JC-392486M Rank-NB SUB Name-P ELUMALAI R/O VILL-KELAPARAI, PO-KEERAIPATTY, TEH-HARUR, DIST-DHARMAPURI, TAMIL NADU-636903 have changed my Minor son's name from E NESA PRIYAN to NESAPRIYAN E for all future purposes vide affidavit dated 17/07/2024 before Notary Public, Delhi.

**Name Change**
I, JC-392486M Rank-NB SUB Name-P ELUMALAI R/O VILL-KELAPARAI, PO-KEERAIPATTY, TEH-HARUR, DIST-DHARMAPURI, TAMIL NADU-636903 have changed my mother's name from RUKKUMANI to RUKKUMANI PANDURANGAN for all future purposes vide affidavit dated 17/07/2024 before Notary Public, Delhi.

**Name Change**
I, JC-392486M Rank-NB SUB Name-P ELUMALAI R/O VILL-KELAPARAI, PO-KEERAIPATTY, TEH-HARUR, DIST-DHARMAPURI, TAMIL NADU-636903 have changed my Minor daughter's name from SUDEEPTHI PRIYANGA to SUDEEPTHI PRIYANGA E for all future purposes vide affidavit dated 17/07/2024 before Notary Public, Delhi.

**Name Change**
I, KHUSNUMA BANO wife of NO-15571051M Rank-HAV Name – RAJ MOHAMMAD ALI R/O PO-KANKER, DISTT- KANKER, KANKER, CHATTISGARH-494334 have changed my name from KHUSNUMA BANO to KHUSHNUMA BEGAM for all future purposes vide Affidavit Dated 17/07/2024 before Notary Public, Delhi.

**Name Change**
I, NO-17013773X Rank-CFN Name-DESAI VASUDEVBHAI GANESHBHAI R/O VILL-GULABANI MUVADI, PO-HARSOL, TEH-TALOD, DIST-SABARKANTHA, GUJARAT-383305 have changed my Minor son's name from JEYANS to DESAI JEYANSH VASUDEVBHAI for all future purposes vide affidavit dated 17/07/2024 before Notary Public, Delhi.

**Name Change**
I, RITA DEVI Wife of No. JC-342602N Rank-SUB Name-TRILOK SINGH Presently residing at VILL-KHOLI, PO-KAULI, DIST-PITHORAGARH, UTTARAKHAND-262544 have changed my name from RITA DEVI to RITA DHAMI for all future purposes vide Affidavit Dated 17/07/2024 before Notary Public, Delhi.

**PUBLIC NOTICE**
It is for general information that I Amrik Kaur w/o Manjeet singh R/o H.no. 67 satbari colony chattarpur Road behind union bank New Delhi-110074. Declare that name of mine has been wrongly written as Amreek kaur is my minor son Simer Preet singh aged 17 years in his 10th, 12th class educational documents. The actual name of mine is Amrik kaur which may be amended accordingly.

**Name Change**
I kamal Acharya S/O Chandra Acharya, R/O PT-62/25, Kalkaji, PO: Kalkaji, DIST: South Delhi, Delhi-110019 have changed the name of my minor daughter BHAVANA K C and she shall hereafter be known as BHAVANA ACHARYA.

**Name Change**
I, KALPANA GANPATI SURYA WANSHI Mother of JC-342180N Rank-SUB, Name-SURYAWANSHI ATUL GANPATI R/o VILL-SAMBARWADI, PO-KANCHANPUR, TEH-MIRAJ, DIST-SANGLI, MAHARASHTRA-416306 have changed my name from KALPANA GANPATI SURYA WANSHI to KALPANA GANPATI SURYAVANSHI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 10/02/1964 instead of my correct date of birth as 01/06/1967 vide Affidavit dated 17/07/2024 before Notary Public, Delhi.

**PUBLIC NOTICE**
My client Sh.Surinder Kumar Badhwar s/o Late Bhagat Singh Badhwar r/o A-48 A Rajouri Garden New Delhi-110027 has severed his all relations with his son Kamaldeep Badhwar and his wife Smt. Suman Badhwar and their sons Arshdeep Badhwar and Khushdeep Badhwar all are resident of PATRAN Distt. Patiala Punjab hereby disown and/ or debars them due to their dishonest and bad behavior, disloyal from all his moveable and immoveable properties. Any one dealing with my client's son, his wife and their children shall do so at his/her own risk, cost and responsibility and my client shall not be liable for any act of his son, his wife and their children in future.
**NIDHI GUPTA Advocate**
Ch. No. T-34 Tehsil Road District Courts Tis Hazari Delhi-110054

**Name Change**
I, R S PATEL father of JC-339094X rank- SUB Name- PUSHPENDRA SINGH PATEL R/o H.NO-3810/9, VILL-KHAJANCHI NAGAR, PO-ADHARTAL, TEH-JABALPUR, DIST-JABALPUR, MADHYA PRADESH-482004 have changed my name from R S PATEL to RAM SEWAK PATEL for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/03/1957 instead of my correct date of birth as 01/01/1956 vide affidavit dated 17/07/2024 before Notary Public Delhi.

**Name Change**
I, PARVEEN SHARMA S/o SATPAL SHARMA R/O V-587, Gali No.15, Vijay Park, Maujpur, Delhi-110053, declare that name of mine & my wife has been wrongly written as PRAVEEN KUMAR SHARMA & NUTAN SHARMA, in my minor daughter KANISHKA SHARMA aged about 17 years in her 10th class educational documents. And name of mine has been wrongly written as PRAVEEN SHARMA in her 12th class educational documents. The actual name of mine and my wife are PARVEEN SHARMA and NUTAN respectively.

**Name Change**
I, GANPATI MANIPATI SURYA WANSHI Father of JC-342180N Rank-SUB, Name-SURYAWANSHI ATUL GANPATI R/o VILL-SAMBARWADI, PO-KANCHANPUR, TEH-MIRAJ, DIST-SANGLI, MAHARASHTRA-416306 have changed my name from GANPATI MANIPATI SURYA WANSHI to GANAPATI MAHIPATI SURYAWANSHI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 22/01/1960 instead of my correct date of birth as 01/06/1959 vide Affidavit dated 17/07/2024 before Notary Public, Delhi.

**Name Change**
I, RITU DEVI wife of NO- 16011698K Rank-HAV Name- SUNIL SINGH BHADOURIA R/O VILL-KHADRI KA CHOTA PURA, PO-GHAT KI AHOROLI, TEH-ATER, DIST-BHIND, MADHYA PRADESH-477111 have changed my name from RITU DEVI to REETU DEVI for all future purposes vide affidavit dated 17/07/2024 before Notary Public, Delhi.

**Name Change**
I, BRIJ BALA BHADOURIA mother of NO- 16011698K Rank-HAV Name-SUNIL SINGH BHADOURIA R/O VILL-KHADRI KA CHOTA PURA, PO-GHAT KI AHOROLI, TEH-ATER, DIST-BHIND, MADHYA PRADESH-477111 have changed my name from BRIJ BALA BHADOURIA to BRAJBALA BHADAURIYA for all future purposes vide affidavit dated 17/07/2024 before Notary Public, Delhi.

**PUBLIC NOTICE**
It is to inform the public at large that my clients Mr. Souraj Bidhuri S/o. Nepal Singh and Mrs. Shimala Devi W/o. Mr. Souraj Bidhuri R/o. House No. 205, Bhangad Mohalla, Tughlakabad Village, New Delhi 110044 has severed all their relation and debarred their both sons namely Mr. Sumit Bidhuri and his wife Mrs. Meenakshi alongwith their children Pakhi Bidhuri, Kavish Bidhuri and Mr. Sachin and his wife Mrs. Deepika alongwith their child Garvit from all their moveable or immoveable properties w.e.f. 17.07.2024. They shall not be responsible in any manner whatsoever for the acts of their said sons, daughters in law and their children in future. Any person dealing with them will do so on his own risk and responsibility.
**(Aarti Kumari) Advocate**
Chamber No. 655, Lawyer's Block
Saket Court Complex
New Delhi-110017
Mobile: 9999889091

## कृषि मंत्री कंवर पाल गुर्जर ने जगाधरी में किया 84 लाख के विकास कार्यों का शुभारंभ

**एजेंसी**

**यमुना नगर।** जगाधरी विधानसभा में प्रदेश सरकार द्वारा लगातार विकास कार्य करवाए जा रहे है। इसी कड़ी में आज कृषि मंत्री कंवर पाल गुर्जर ने 84 लाख के विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इन विकास कार्यों में जगाधरी के गुलाब नगर, बावा कालोनी और गढ़ी बंजारा में गलियों के निर्माण, भूमिगत पाइप लाइन और शमशान घाट के नवीनीकरण ये सब शामिल है। इस मौके पर कृषि मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। इस मौके पर कृषि मंत्री कंवर पाल गुर्जर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकार से दस गुणा अधिक विकास कार्य भाजपा सरकार में हुए है। वहीं उन्होंने कहा की कांग्रेस के शासन काल में ग्रामीण विकास में केवल 600 करोड़ खर्च किए गए जबकि भाजपा राज में 7676 करोड़ खर्च किए गए जो की उससे कई गुना ज्यादा है। कभी संविधान को लेकर तो कभी ईवीएम को लेकर कांग्रेस ने लोगों को बहकाने का काम किया। जबकि संविधान को खत्म करने का काम कांग्रेस ने किया।कांग्रेस ने विकास पर ध्यान न देकर तरह-तरह की भ्रांतियां फैलाने का काम किया। धीरे-धीरे जनता को उनकी बातें समझ में आ रही है। उन्होंने कहा की काठ की हांडी बार बार नही चढ़ती। कृषि मंत्री कंवर पाल गुर्जर ने विकास के मुद्दे पर कांग्रेस को जमकर घेरा और उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में विकास कार्यों की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी लेकिन मौजूदा सरकार ने हर काम को प्राथमिकता से करते हुए प्रदेश में बिना किसी भेदभाव के समान रूप से विकास किया।

## चयनित अभ्यर्थियों की अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया 20 से 28 अगस्त तक होगी

**सिरसा।** सिरसा, फतेहाबाद, हिसार व जींद जिलों से चयनित अभ्यर्थियों की अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया हिसार मिल्ट्री स्टेशन परिसर में 20 अगस्त से 28 अगस्त तक चलेगी। सभी उम्मीदवारों को उनके पंजीकृत ई-मेल आईडी पर प्रवेश पत्र भेज दिए गए हैं। इसके अलावा अभ्यार्थी सेना की आधिकारिक वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडोटज्वाईनइंडियाआर्मीडोटएनआईसीडोटइन पर लॉग इन करके प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। सेना भर्ती कार्यालय हिसार के भर्ती निदेशक ने बताया कि पहले दिन सिरसा जिला से अग्निवीर जनरल डयूटी, दूसरे दिन सिरसा व हिसार जिला से अग्निवीर जनरल डयूटी, तीसरे दिन हिसार व फतेहाबाद से अग्निवीर जनरल डयूटी, चौथे दिन फतेहाबाद व जींद जिला से अग्निवीर जनरल डयूटी, पांचवें दिन जींद जिला से अग्निवीर जनरल डयूटी व सिरसा, हिसार, फतेहाबाद, जींद जिलों के सभी तहसील से अग्निवीर असिस्टेंट, अग्निवीर स्टोर कीपर, अग्निवीर टेक्रिकल व अग्निवीर ट्रेडसमैन श्रेणियों के उम्मीदवारों की भर्ती की जाएगी।

## नशे के 35 इंजेक्शन सहित आरोपी गिरफ्तार

**फरीदाबाद।** अपराध शाखा एनआईटी की टीम ने नशे के इंजेक्शन बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी जुनैद (23) मूल रुप से उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के गांव ढकिया हाल फरीदाबाद की टीटू कॉलोनी नहर पार का रहने वाला है। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से सेक्टर-48 एरिया से काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर आरोपी से 35 नशे के इंजेक्शन बरामद हुए है। आरोपी के खिलाफ थाना एसजीएम नगर में नशा तस्करी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरपी नशे के 35 इंजेक्शन 1700 रुपये में खरीद कर लाया था जिनको बेचकर मुनाफा कमाना चहाता था। आरोपी नशा के इंजेक्शन को मौके के अनुसार 400-500 रुपए में नुक्कड पर खडे होकर बेचता था। आरोपी पूर्व में अस्पताल में नौकरी करता था। आरोपी को मामले में पूछताछ के लिए अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

## कांग्रेस सरकार में लैप्स हुई करोड़ों की ग्रांट विधायक के प्रयास से फिर मिली

**जींद।** जल्द ही शहर को कई करोड़ों की तीन विकास परियोजनाओं की सौगात मिलने जा रही है। तीन परियोजनाओं में से एक परियोजना की राशि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जारी हुई थी। जिसे विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के संज्ञान में लाए थे। इन तीनों परियोजनाओं को शासन से स्वीकृति मिल गई है। परियोजनाओं को लेकर विधायक डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने शहरी स्थानीय निकाय विभाग के महानिदेशक यशपाल यादव से मुलाकात कर तीनों कार्यों के लिए स्वीकृति देने का अनुरोध किया था। शहरी स्थानीय निकाय विभाग के महानिदेशक यशपाल यादव ने विधायक को आश्वस्त किया कि तीनों परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करवाया जाएगा। विधायक ने बताया कि कंडेला ब्रिज से दिल्ली-भटिंडा रेलवे लाइन ब्रिज (आरडी 189000-199000) तक दोनों तरफ पांच करोड़ 94 लाख रुपये की लागत से लाइटें लगवाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि इसी तरह जुलानी रोड से नरवाना रोड वाया चंद्रलोक कालोनी, शिवपुरी कालोनी, सुंदर नगर बस्ती में एक करोड़ 11 लाख रुपये की लागत से गलियों का निर्माण करवाया जाएगा।

# ओबीसी का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देगी कांग्रेस : अमित शाह

### कांग्रेस को बताना होगा कि 10 साल उसने क्या किया : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर जमकर निशाना साधा है। शाह ने कांग्रेस के हरियाणा मांगे हिसाब अभियान को चेतावनी दी और बोले बनिया का बेटा हूं, एक-एक पाई का हिसाब लेकर आया हूं। हिसाब आप नहीं, बल्कि भाजपा कार्यकर्ता लें। अमित शाह ने कहा कि इसके लिए मुख्मंत्री नायब सैनी नहीं, बल्कि युवा भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष ही बहस करने के लिए काफी है।

उन्होंने कहा कि हुड्डा साहब मैं चेतावनी देना चाहता हूं, कांग्रेस अपने कार्यकाल के 10 साल और भाजपा के 10 साल के विकास के आंकड़े लेकर आए। 2014 से पहले केंद्र व राज्य में कांग्रेस की सरकार थी। उस समय हरियाणा को 41 करोड़ रुपये विकास के लिए मिले थे, जबकि भाजपा ने 10 साल में छह

गुना बजट दिया है। हुड्डा साहब, क्या आप भ्रष्टाचार, जातिवाद, पिछड़ा वर्ग से अन्याय व परिवारवाद को बढ़ावा देने का हिसाब दे सकते हैं।

शाह बोले, कांग्रेस नहीं, बल्कि भाजपा गांव-गांव जाकर हुड्डा सरकार के 10 साल के कार्यकाल का हिसाब मांगेगी। कांग्रेस को बताना होगा कि 10 साल उसने क्या किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा ओबीसी की विरोधी रही है। 1957, 1980 में ओबीसी को आरक्षण का विरोध किया। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मंडल कमीशन की सिफारिश ठंडे बस्ते में डाल दी। फिर राजीव गांधी ने भाषण देकर आरक्षण रुकवा दिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रधानमंत्री मोदी के दिल में सबसे ऊपर है। क्योंकि उन्होंने हरियाणा में काम किया है। ओबीसी समाज से उनका लगाव है। इसलिए प्रदेश से ओबीसी समाज के दो सांसद केंद्र में मंत्री बनाए। कांग्रेस ने जातिवाद व भ्रष्टाचार को बढ़ाने के अलावा कुछ नहीं किया।

**शाह ने कांग्रेस के साथ इनेलो पर भी साधा निशाना**

केंद्रीय गृहमंत्री अमितशाह ने कांग्रेस के साथ-साथ इनेलो सरकार पर भी निशाना साधा। बोले, एक सरकार आती तो भ्रष्टाचार लेकर आई, दूसरी आई तो गुंडागर्दी बढ़ी। एक सरकार ने एक जिले का विकास किया तो दूसरी ने दूसरे जिले का। जबकि भाजपा ने पूरे हरियाणा का विकास किया है।

**सरकार ने दिया ओबीसी बी को दिया 5 प्रतिशत आरक्षण**

अमित शाह ने बताया कि प्रदेश सरकार ने ओबीसी वर्ग के लिए तीन बड़े फैसले लिए हैं। पहला क्रीमिलेयर की सीमा 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख कर दी। उसमें वेतन व कृषि आय को भी नहीं जोड़ा। दूसरा ओबीसी बी वर्ग को पंचायत व नगर निगम, नगर पालिका व नगर परिषद में 5 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है। जबकि ओबीसी ए वर्ग को पहले की तरह 8 प्रतिशत आरक्षण मिलता रहेगा। मंच से नायब सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया।

## समाधान शिविर में नहरी पानी चोरी की शिकायत करने पहुंचे करसिंधु के किसान

**जींद।** बरसोला माइनर पर नहरी पानी की चोरी होने की शिकायत को लेकर करसिंधु गांव के ग्रामीण समाधान शिविर में पहुंचे। यहां डीसी जींद को किसानों ने कहा कि डीसी साहब नहरी पानी पीछे से चोरी होने के चलते करसिंधु नहीं पहुंच रहा है। ऐसे में खेतों में इस समय बारिश नहीं होने से धान को पानी की सख्त जरूरत है। पानी के अभाव धान की प्योद खराब होने लगी है। करसिंधु के बाद घोघडिया, रोजखेड़ा, कसूहन तक पानी जाना चाहिए वहां भी नहीं जा रहा है। डीसी जींद ने नहरी विभाग के एसडीओ को तीन दिन के अंदर किसानों की रजबाहा से नहरी पानी चोरी होने की शिकायत पर सख्त कार्यवाही के आदेश दिए। करसिंधु के प्रवीण, नफा, काला चांदी, बलजीत, मीनू, सोनू ने बताया कि बरसोला माइनर से करसिंधु से पीछे नहरी पानी चोरी पाइप लगाकर किया जा रहा है। पानी नही आने से खेतों में धान की प्योद खराब हो रही है। पहले भी नहरी पानी की चोरी को लेकर दो गांव में आपस में तनाव हो गया था।

## कांग्रेस का हरियाणा में वजूद खत्म, भाजपा तीसरी बार बनाएगी सरकार : रणजीत चौटाला

**एजेंसी**

**सिरसा।** हरियाणा के बिजली मंत्री चौधरी रणजीत सिंह चौटाला ने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात की। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए चौटाला ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि हरियाणा में कांग्रेस का सत्ता में वापसी करना मुश्किल है।

सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा की ओर से हरियाणा में कांग्रेस की यात्रा निकाले जाने को लेकर चौधरी ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा से कोई फर्क नहीं पड़ा तो दीपेंद्र हुड्डा की यात्रा से क्या फर्क पड़ेगा। हरियाणा में कांग्रेस अपना वजूद खत्म कर चुकी है। जिस भी प्रदेश में कांग्रेस 10 साल लगातार सत्ता से बाहर रही है उस प्रदेश में कांग्रेस वापस नहीं लौट पाई है। रणजीत सिंह चौटाला ने रनिया विधानसभा में चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा कि यदि

भाजपा टिकट देती है तो मैं रनिया से चुनाव लड़ूंगा और जीतूंगा। मंत्री रणजीत सिंह चौटाला ने सैनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि पिछले साढ़े 9 साल में भाजपा ने प्रदेश और देश में बेहतरीन काम किया। विधानसभा चुनाव में मैनेजमेंट और कैंडिडेट का अहम रोल होता है। वहीं भाजपा के पास मजबूत संगठन है लेकिन कांग्रेस अभी तक पिछले 10 सालों में अपना संगठन ही नहीं बना पाई।

उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में कांग्रेस की गुटबाजी सार्वजनिक होने के चलते कांग्रेस खत्म हो चुकी है। ऐसे सभी बड़े नेता अब कांग्रेस को छोड़कर जा रहे हैं। कांग्रेस अब एक ऐसी पार्टी है जिसमें केवल चापलूस करने वाले लोग बचे हैं। कांग्रेस पार्टी का प्रदेश में जनाधार नहीं बचा है। आगामी विधानसभा चुनाव में हरियाणा में भाजपा बहुमत से सरकार बनाएगी। हरियाणा सरकार ने आम जन के हित में कार्य किए हैं। ऐसे में भाजपा का तीसरी बार सत्ता में आना तय है।

## खेती की जमीन घट रही, किसान पर कर्ज बढ़ रहा : कुमारी सैलजा

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा से लोकसभा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि देश में किसानों के पास कृषि योग्य जमीन लगातार घट रही है, जबकि कर्जे की रकम लगातार बढ़ रही है। बढ़ते कर्ज के कारण हर घंटे देश में औसतन एक से अधिक किसान आत्महत्या के लिए मजबूर हो रहे हैं और फिर भी केंद्र की भाजपा सरकार इनकी सुध लेने के लिए कोई कदम उठाने को तैयार नहीं हैं। अन्नदाता किसान की अनदेखी की कीमत भाजपा को विधानसभा चुनाव में चुकानी होगी।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि यह खुलासा राज्यसभा व लोकसभा में समय-समय पर पेश रिपोर्ट और एनएसओ व एनसीआरबी के आंकड़ों से होता है। इससे पता चलता है कि देश की करीब 52 फीसदी आबादी रोजगार के लिए कृषि पर निर्भर है और जीडीपी में कृषि की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत है। लेकिन, दूसरे सेक्टर्स के मुकाबले देश में खेती से जुड़े लोगों की स्थिति लगातार खराब ही हो रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश का प्रत्येक किसान परिवार आज 74121 रुपये के कर्ज तले दबा है, जबकि एक किसान परिवार की औसत मासिक आय सिर्फ 10218 रुपये ही है। किसानों की घरेलू स्वामित्व जोत का औसत आकार भी घटता जा रहा है। देश में 9.31 करोड़ किसान परिवारों में से 6.56 करोड़, यानी 70 प्रतिशत से अधिक के पास 1 हेक्टेयर से भी कम जमीन है। देश में सिर्फ 0.4 प्रतिशत किसान परिवारों के पास ही 10 हेक्टेयर से अधिक भूमि है। कुमारी सैलजा ने कहा कि किसानों की बदतर हालत को इसी बात से समझा जा सकता है कि प्रत्येक किसान परिवार के पास औसतन 0.876 हेक्टेयर जमीन है। लगातार कर्ज में डूबने के कारण साल 2012 से 2022 के बीच 114695 किसान खुदकुशी कर चुके हैं। यानी, हर दिन में 31 जान जा रही हैं। किसान बैंकों, सरकार, सहकारी समितियों व सूदखोरों के कर्जदार हैं और इस कर्ज को समय पर चुका भी नहीं पा रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हरियाणा के किसान कर्ज के मामले में देश में चौथे नंबर पर आते हैं। यानी, खराब स्थिति के मामले में टॉप 4 में हैं। यहां 19.06 लाख किसान परिवार हैं, जिनमें से 9.06 लाख परिवार कर्ज में डूबे हुए हैं, जो कुल कृषक परिवारों का 47.5 प्रतिशत हैं।

## कार्यकर्ता भाजपा की ताकत, ठानेगा भी और जीतेगा भी : डा. सतीश पूनिया

**एजेंसी**

**महेंद्रगढ़।** महेंद्रगढ़ के पाली में पिछड़ा वर्ग सम्मान सम्मेलन के बाद प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्ष और जिला प्रभारियों की बैठक में हरियाणा भाजपा के प्रभारी सतीश पूनिया और प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कार्यकर्ताओं के कार्य एवं समर्पण की खूब प्रशंसा की। डा. पूनिया ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता ही भाजपा की असली ताकत है, वह भाजपा की जीत का अग्रसर रहा है और इस बार भी कार्यकर्ता ने ठान लिया है कि तीसरी बार भी राज्य में भाजपा की सरकार बनवाकर ही चैन से बैठेगा।

प्रदेश प्रभारी ने कहा कि भाजपा जैसा अनुशासन किसी अन्य दल में नहीं है और न ही भाजपा जैसा अनुशासित कार्यकर्ता किसी पार्टी के पास है, इसलिए इसी अनुशासन के

दम पर भाजपा हरियाणा में फिर एक बार सरकार बनाएगी। उन्होंने बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों में जोश भरते हुए कहा कि अगले तीन माह दिन रात मेहनत करनी है और हरियाणा में पूर्ण बहुमत की सरकार ही हमारा लक्ष्य है। डा. पूनिया ने दावा किया कि हम इसमें शत-प्रतिशत कामयाब होंगे, क्योंकि प्रदेश की जनता का विश्वास हमारे साथ है।

प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली और संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने भी पदाधिकारियों से आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की। बड़ौली ने कहा कि हमें निश्चित किए हुए संगठनात्मक कार्य जल्दी से जल्दी पूरे करने हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस कितना भी झूठ फैलाए, जनता उसके बहकावे में नहीं आएगी। भाजपा सरकार ने दस सालों में शानदार विकास के कार्य किए हैं। हमें इन्हीं कार्यों को लेकर जनता के बीच जाना है। संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों से जिलों में होने वाले जनसंपर्क के कार्यों के बारे में भी जानकारी ली।

## एचसीएस परीक्षा पास कर बीडीपीओ बनी रितु गौतम के सम्मान में हुआ कार्यक्रम

**एजेंसी**

**जींद।** एचसीएस परीक्षा पास करके बीडीपीओ बनी उचाना कलां गांव की बेटी रितु गौतम पुत्री दयानंद गौतम का चाना कलां दाडऩ खाप चबूतरे पर स्वागत किया। रितु गौतम इस उपलब्धि पर ग्रामीणों द्वारा संयुक्त रूप से अभिनंदन समारोह का आयोजन किया। पालवां बस स्टॉप से खुली जीप में जुलूस के रूप में रेलवे रोड से होते हुए पुरानी अनाज मंडी पहुंचे। यहां पर बलवान कापड़ो ने स्वागत किया तो पुरानी अनाज मंडी में ही पवन शर्मा द्वारा स्वागत किया। लितानी रोड से फाटक के रास्ते उचाना कलां बाबा दूधाधारी मंदिर पहुंच कर पूजा-अर्चना के बाद दाडऩ खाप के उचाना कलां चबूतरे पर रितु गौतम को सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि ये दाडऩ खाप के लिए गर्व की बात है कि उनकी खाप की बेटी एचसीएच परीक्षा पास करके बीडीपीओ बनी है। होनहार बेटी पर सबको गर्व है। बेटी किसी मामले में आज बेटों से कम नहीं है। बेटों के कदम से कदम मिलाकर बेटी चल रही है। माता-पिता को चाहिए वो बेटियों को बेटे की तरह ही आगे बढऩे के लिए प्रोत्साहित करें। रितु गौतम की इस उपलब्धि पर सभी को गर्व है। रितु गौतम ने कहा कि जो मान-सम्मान गांव की तरफ से किया है उसके लिए वो सभी की आभारी है। जीवन में आगे बढऩे के लिए जुनून हो तो कोई मंजिल दूर नहीं होती। लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढऩा चाहिए। इस तरह के अभिनंदन कार्यक्रम से दूसरे युवाओं को भी हौंसला मिलता है।

## जलघर के पास मिला युवक का शव, पुलिस ने शुरू की जांच

**रोहतक।** गांव खेड़ी साध स्थित जलघर के पास एक युवक शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। शव की शिनाख्त के लिए पुलिस ने आसपास लोगों से पूछताछ की, लेकिन इस बारे में पुलिस को कोई जानकारी नहीं मिली। थाना प्रभारी का कहना है कि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस मामले की गहनता से छानबीन कर रही है। पुलिस के अनुसार मंगलवार दोपहर ग्रामीणों को गांव खेड़ी साध के जलघर के समीप एक युवक का शव पड़ा हुआ देखा। शव पड़ा होने का पता चलने पर काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए और पुलिस को इस बारे में सूचना दी। मामले का पता चलते ही आईएमटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि मृतक की शिनाख्त के बाद ही मामले का पता चल पाएगा, साथ ही शव पीजीआई के शवगृह में रखवा दिया है।

## अमित शाह के नाम से ही बढ़ने लगती है विपक्ष की धड़कनें : बड़ौली

**एजेंसी**

**महेंद्रगढ़।** हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का 18 दिन में हरियाणा में दूसरा दौरा उनके मिशन मोड को शो करता है। बड़ौली ने कहा कि शाह ने जो मिशन शुरू किया है उससे विपक्ष की धड़कने बढ़ने लगी है। बड़ौली ने अमित शाह को आज के युग का चाणक्य बताते हुए कहा कि शाह ने देश की अखंडता और संप्रभुता को बल देने का काम किया है। बड़ौली महेंद्रगढ़ के पाली में ओबीसी सम्मेलन में बोल रहे थे। बडौली ने मंच पर अमित शाह के पास बैठे मुख्यमंत्री नायब सैनी की भी तरीफ की। बड़ौली ने महेंद्रगढ़ की पावन धरती पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और सम्मेलन में आए सभी लोगों का स्वागत किया।

बड़ौली ने मुख्यमंत्री नायब सैनी की कार्यशैली की सम्मेलन में जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सीएम सैनी ने बहुत ही कम समय में ऐसी-ऐसी योजनाएं लागू की हैं जिनका लाभ पूरे प्रदेश के हर वर्ग को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार बनेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों का रोल निभा रहे हैं। जब कोई भी कार्य कठिन लगे तो अमित शाह जी उसे बड़ी आसानी से सॉल्व करने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि कुशल संगठन वाली कार्यशैली का परिपूर्ण

ही ओबीसी समाज से आते हैं जिससे यह साबित होता है कि ओबीसी समाज के साथ भारतीय जनता पार्टी का नाता कितना गहरा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जम्मू कश्मीर से धारा 370 और 35ए को हटाकर देश को मजबूत करने में आज चाणक्य उदाहरण हमें अमित शाह के मार्गदर्शन में मिलता है। श्री बड़ौली ने कहा कि डबल इंजन सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्यों और हमारे निष्ठावान कार्यकर्ताओं की मेहनत तथा जनता जनार्दन के आशीर्वाद से हरियाणा में तीसरी बार नायब सरकार बननी तय है।

## ऑनलाइन एजुकेशन के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने का सुनहरा मौका : प्रो. नरसी राम बिश्नोई

**एजेंसी**

**हिसार।** गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर डिस्टेंस लर्निंग एंड ऑनलाइन एजुकेशन के माध्यम से ओडीएल एवं ऑनलाइन कोर्सिज के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन कोर्सिज के लिए विद्यार्थी 31 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इनमें से सात पोस्ट ग्रेजुएट, तीन अंडरग्रेजुएट, 12 डिप्लोमा तथा 17 सर्टिफिकेट कोर्सिज शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया का शुभारंभ किया।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि ये कोर्स नियमित कोर्सिज की तरह मान्य हैं। नियमित कोर्स करने वाले विद्यार्थी भी अपने कोर्स के साथ इन कोर्सिज में दाखिला ले सकते हैं। विश्वविद्यालय के नियमित कोर्सिज में दाखिल विद्यार्थी यदि इन कोर्सिज में दाखिला लेते हैं तो उनको फीस में भी 25 प्रतिशत छूट का प्रावधान किया गया है। ऑनलाइन दाखिला पोर्टल के उद्घाटन के समय कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर, तकनीकी सलाहकार प्रो. संदीप राणा, निदेशक प्रो. खुजान सिंह, डा. सुनयना, डा. विजेन्द्र, ईजी. विनोद गोयल, डा. जितेन्द्र, डा. शकुंतला, डा. रितु, डा.

पूनम, डा. संध्या, अशोक कुमार, राकेश कुमार, नीरज वर्मा आदि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि सेंटर फॉर डिस्टेंस लर्निंग एंड ऑनलाइन एजुकेशन के माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा शिक्षा ग्रहण करने का एक सुनहरा मौका है। सेंटर फॉर डिस्टेंस लर्निंग एंड ऑनलाइन एजुकेशन के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों के कौशल विकास का विश्वविद्यालय द्वारा विशेष ख्याल रखा गया है। विश्वविद्यालय ने 17 सर्टिफिकेट कोर्सिज के लिए हरियाणा नॉलेज कारपोरेशन लिमिटेड के साथ एमओयू किया है। ये सर्टिफिकेट कोर्स सरकारी नौकरियों के लिए भी मान्य होंगे। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय ने वाइले इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ भी एमओयू किया है, जिसके तहत ऑनलाइन व ओडीएल कोर्स करने वाले विद्यार्थियों को ऑनलाइन वीडियो लेक्चर तथा ई-बुक्स उपलब्ध करवाई जाएंगी। दाखिलों से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट ddegjust.ac.in व ddegjustonline.ac.in पर संपर्क कर सकते हैं।

## चंडीगढ़ से जयपुर जा रही रेलगाड़ी में महिला का बैग छीना

**जींद।** चंडीगढ़ से जयपुर जा रही रेलगाड़ी में नरवाना रेलवे स्टेशन के निकट एक व्यक्ति महिला यात्री का पर्स छीन कर फरार हो गया। पर्स में आठ हजार रुपये की नगदी व जरूरी कागजात थे। रेलवे पुलिस ने महिला यात्री की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ छीना झपटी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पंचकूला निवासी सान्या ने सोमवार को रेलवे पुलिस को दी शिकायत मे बताया की वह उपनी मां तथा बुआ के साथ चंडीगढ़ से जयपुर के लिए रेलगाडी मे सवार हुई थी। नरवाना रेलवे स्टेशन पर पहुचते ही एक व्यक्ति ने झपट्टा मार कर उसका पर्स छीन लिया और चलती गाड़ी से उतर कर फरार हो गया। पर्स में आठ हजार रुपये की नगदी तथा जरूरी दस्तावेज थे। रेलवे पुलिस ने सान्या की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ छीना झपटी का मामला दर्ज कर लिया है।

## सूर्य नगर आरयूबी, आरओबी, साउथ बाइपास पुल की डेड लाइन के लिए अधिकारियों से मिले लोग

**एजेंसी**

**हिसार।** सूर्यनगर अंडरपास व ओवरब्रिज तथा साउथ बाइपास पर बन रहे आरओबी में हो रही भारी देरी के चलते शहरवासियों की परेशानी को लेकर हिसार संघर्ष समिति के तत्वावधान में शहरवासियों का एक प्रतिनिधिमंडल पीडब्ल्यूडी बी एंड आर के अधिकारियों से मिला। दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में सेक्टर 1-4, सेक्टर 3, सेक्टर 5 व सूरजमल एंक्लेव आदि क्षेत्रों व मदद संस्था के प्रतिनिधि शामिल रहे। अधिकारियों से मिलने गए प्रतिनिधिमण्डल ने विभाग के एसडीओ व जेई से लगभग डेढ़ घंटे तक बैठक की, जिसमें अधिकारियों ने काम के दौरान आ रही दिक्कतों के बारे में विस्तार से चर्चा की। जब समिति ने अधिकारियों से इस काम को पूरा करने की डेडलाइन के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि ठेकेदार ने विभाग को 30 अगस्त तक काम पूरा करने की बात कही है। समिति सदस्यों ने कहा कि जनता के इंतजार की अब इंतेहा हो गई है हर तरह के अल्टीमेटम देने के बावजूद विभाग के कानों पर कोई जूं नहीं रेंग रही है। यहां आए दिन लोगों को हादसे का शिकार होना पड़ता है तथा अब तो यह हादसों के पुल के नाम से कुख्यात हो चुका है। हिसार संघर्ष समिति के अध्यक्ष जितेन्द्र श्योराण ने कहा कि इस बारे में कोई आवाज उठाता है सत्तारूढ़ दलों द्वारा इसे राजनीति करार दिया जाता है। यदि सत्तारूढ़ भाजपा चाहती है कि इस पर राजनीति न हो तो वह तयशुदा समय यानि 30 अगस्त तक इस पुल का निर्माण करवाए। समिति अध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि हम विभाग को दो अक्तूबर तक का समय देते हैं, यदि इस समय सीमा में पुल का निर्माण पूरा नहीं हुआ तो गांधीवादी तरीके से विभाग के कार्यालय के गेट पर ताला लगाकर यहां धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया जाएगा। यदि दो अक्तूबर तक पुल व अंडरपास का निर्माण पूरा नहीं हुआ तो विभाग की पूर्ण तालाबंदी की जाएगी। उन्होंने कहा कि मदद संस्था व अन्य क्षेत्रवासियों द्वारा शनिवार को धरना चलाया जा रहा है वह यथावत जारी रहेगा। इस अवसर पर मनिन्द्र सेठी, शमशेर पूनिया, रामनिवास पूनिया, मदद संस्था के संजीव भोजराज, मास्टर रामदास जी, जसमेन्द्र दूहन, सतबीर खान, राजेश सिंगला इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

## बायजूस के खिलाफ बीसीसीआई की याचिका पर शुरू होगी दिवालिया कार्यवाही

एजेंसी

**नई दिल्ली।** संकट से जूझ रही एडटेक कंपनी बायजूस की मुश्किलें और बढ़ती जा रही हैं। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की बेंगलुरु बेंच ने बायजूस के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू करने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की याचिका स्वीकार कर ली है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एनसीएलटी की बेंगलुरु बेंच में बायजूस के खिलाफ अब इनसॉल्वेंसी का मामला चलेगा। दरअसल यह मामला भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी के लिए बायजूस और बीसीसीआई के बीच स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रेक्ट से जुड़ा है। बीसीसीआई ने 158 करोड़ रुपये की बकाया राशि को वसूलने के लिए बायजूस की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ पिछले साल सितंबर में दायर की थी। एनसीएलटी ने बीसीसीआई की याचिका पर एडुटेक कंपनी बायजूस का काम-काज अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल पंकज श्रीवास्तव को सौंप दिया है। पंकज तब तक इस कंपनी को चलाएंगे, जब तक कि लेंडर्स कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स के रूप में एक कमेटी नहीं बना लेते हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 15 नवंबर को होगी। हालांकि बायजूस इस मामले को सुलझाने के लिए फिलहाल बीसीसीआई से चर्चा कर रहा है।

## घरेलू कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स बढ़कर 7 हजार रुपये प्रति टन, नई दरें लागू

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने घरेलू कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) में फिर इजाफा किया है। सरकार ने विंडफॉल टैक्स को 6 हजार रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 7 हजार रुपये प्रति टन कर दिया है। नई दरें लागू हो गई हैं। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर मौजूदा विंडफॉल टैक्स 6 हजार रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 7 हजार रुपये प्रति टन कर दिया गया है। हालांकि, पेट्रोल, डीजल और विमानन ईंधन (ईटीएफ) के निर्यात पर लगने वाला अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) को शून्य पर स्थिर रखा गया है। इससे पहले सरकार ने जुलाई महीने की शुरुआत में भी घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को बढ़ाया था। सरकार ने उस समय कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को बढ़ाकर 6 हजार रुपये प्रति टन कर दिया गया था। 15 जून को विंडफॉल टैक्स 3,250 रुपये प्रति टन थी। इस महीने विंडफॉल टैक्स में लगातार दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है। उल्लेखनीय है कि घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर भारत ने पहली बार जुलाई 2022 में विंडफॉल टैक्स लगाया था। सरकार अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमत के आधार पर इसकी समीक्षा हर पखवाड़े करती है।

## अमेरिकी राजदूत गारसेट्टी ने गुजरात में अडानी समूह के परिसरों का दौरा किया , प्रेरक बताया

**नई दिल्ली।** भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गारसेट्टी ने गुजरात के खावड़ा में अडानी ग्रीन्स के नवीकरणीय ऊर्जा परिसर का भ्रमण करने के बाद उसे प्रेरक अनुभव बताया है। अमेरिकी राजदूत श्री ने परिसर में भ्रमण

के दौरान की अपनी कुछ तस्वीरों के साथ सोसल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि उन्हें इस परिसर का प्रभण करमें एक प्रेरक अनुभव हुआ। उन्होंने कहा, ' वहां मुझे अडानी ग्रीन्स की ऐसी नवप्रवर्तनकारी परियोजनाओं के बारे में जानकारी मिली जो कार्बन उत्सर्जन के स्तर में वृद्धि को शुद्ध रूप से शून्य करने के भारत के लक्ष्यों की दिशा में प्रगति में योगदान कर रही हैं।

## बजट में कृषि,रोजगार, ग्रामीण आवास पर राजस्व खर्च बढ़ेगा,राजकोषीय घाटा 5 फीसदी तक रहेगा: केयरएज रेटिंग्स

**मुंबई।** केयरएज रेटिंग्स का अनुमान है कि सरकार वर्ष 2024-25 के बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कल्याणकारी योजनाओं और कृषि के लिए अधिक आवंटन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में उपभोग-मांग बढ़ाने पर ध्यान देगी और इसके चलते राजस्व खर्च में पहले के अनुमान से अच्छी खासी बृद्धि हो सकती है लेकिन इसका राजकोषीय घाटे पर कोई असर नहीं होगा।रेटिंग एजेंसी के अनुसार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आगामी 23 जुलाई को पेश किए जाने वाले पूर्ण बजट में पूंजीगत व्यय पर बल जारी रहेगा लेकिन कल्याणकारी योजनाओं पर ध्यान देने के लिए राजस्व खर्च में वृद्धि भी हो सकती है। केयरएज के अनुसार रिजर्व बैंक से प्राप्त अनुमान से लगभग दो गुना (2.1 लाख करोड़ रुपये) लाभांश और कर राजस्व में वृद्धि को देखते हुए राजधोषीय घाटा घाटा अनुमानित पांच प्रतिशत तक रह सकता है जो फरवरी में प्रस्तुत अंतरिम बजट के अनुमान से भी है।

# मप्र में सांची दूध दो रुपये प्रति लीटर तक महंगा, नई कीमतें लागू

एजेंसी

**भोपाल।** सब्जियों के आसमान छूते दामों के बीच मध्य प्रदेश के सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित सांची ने भी दूध की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। एक लीटर दूध पर दो रुपये तक बढ़ाए गए हैं, जबकि आधा लीटर दूध पर एक रुपये बढ़े हैं। इंदौर में मंगलवार से ही नई कीमतों लागू हो गई हैं, जबकि भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, बुंदेलखंड और उज्जैन दुग्ध संघों में बढ़े हुए दाम बुधवार से लागू

भोपाल सहकारी दुग्ध संघ द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सांची दूध के दाम में प्रति लीटर दो रुपये की बढ़ोतरी की है। नए दाम 17 जुलाई से लागू होंगे। सांची का फूल क्रीम दूध अब 63 रुपये प्रति लीटर की जगह 65 रुपये, चाह दूध 50 रुपये प्रति लीटर की जगह 52 रुपये और चाय स्पेशल दूध 51 रुपये की जगह 53 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। वहीं, आधा लीटर दूध के दाम में एक रुपये की बढ़ोतरी की है। जिसमें अब डायमंड दूध 500 एमएल 33 की जगह 34 रुपये, फूल क्रीम दूध (गोल्ड) 32 की जगह 33 रुपये, स्टेण्डर्ड दूध (शक्ति) 29 की जगह 30 रुपये, टोण्ड दूध (ताजा) 26

की जगह 27 रुपये और डबल टोण्ड (स्मार्ट) 24 की जगह 25 रुपये में मिलेगा। इससे पहले अमूल ने भी जून महीने में दूध के दाम बढ़ाए थे। तब से माना जा रहा था कि जल्द ही सांची दूध के दाम भी बढ़ सकते हैं। आखिरी बार सांची दूध के दाम 24 दिसंबर 2022 को बढ़ाए गए थे। हालांकि, साल 2022 में सवा चार महीने में ही चार बार दाम बढ़े थे, तब से दूध के दाम स्थिर थे। अब करीब डेढ़ साल बाद फिर सांची दूध के दामों में बढ़ोतरी हुई है। दूध के दाम बढ़ने के बाद माना जा रहा है कि अब सांची के अन्य उत्पादों के दामों में भी इजाफा हो सकता है। सांची दूध के अलावा दही, घी, पनीर, पेड़ा, मिल्क केक, श्रीखंड समेत अन्य डेरी प्रोडक्ट भी बनाता है।

# आईएमएफ ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर अनुमान को बढ़ाकर 7 फीसदी किया

एजेंसी

**नई दिल्ली।** अर्थव्यवस्था के मोंचे पर अच्छी खबर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर पूर्वानुमान को 0.20 फीसदी बढ़ाकर सात फीसदी कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने जारी अपडेट वैश्विक आर्थिक आउटलुक में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ अनुमान को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 6.8 फीसदी से बढ़ाकर सात फीसदी कर दिया है। हालांकि, आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 फीसदी से बढ़ने का अनुमान जताया है।

आईएमएफ ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में निजी खपत बढ़ने की वजह से भारत के आर्थिक विकास की रफ्तार में गति देखने को मिल सकती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने इसके मद्देनजर उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए विकास दर के पूर्वानुमान को संशोधित किया है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में

भारत का जीडीपी 8.2 फीसदी रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। इसके अलावा अन्य वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7-7.2 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

## आयकर विभाग ने करदाताओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने का सुझाया उपाय

**नई दिल्ली।** आयकर विभाग समय-समय पर करदाताओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के तरीकों के बारे में चेतावनी जारी करने के साथ उचित परामर्श भी देता है। आयकर विभाग ने करदाताओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी से खुद को बचाने की सलाह दी है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में करदाताओं को ऑनलाइन होने वाली धोखाधड़ी से बचने के तरीकों के बारे में स्टेप-बाई-स्टेप जानकारी दी है। विभाग ने टैक्सपेयर्स के लिए जारी अपनी सलाह में ऑनलाइन होने वाली धोखाधड़ी से बचने के कई उपाय सुझाए हैं। आयकर विभाग ने करदाताओं से कहा है कि कृपया ध्यान दें!

-आयकर विभाग ने चेतावनी देते हुए कहा है कि कृपया रिफंड (धन वापसी) का वादा करने वाले अजनबियों से प्राप्त अनचाहे संदेशों का कभी भी जवाब न दें।

-करदाताओं को आगाह किया है कि आयकर विभाग होने का दावा करने वाले असत्यापित स्रोतों पर कभी भरोसा न करें।

-आयकर विभाग ने करदाताओं को अपनी व?यक्तिगत जानकारियों-ओटीपी, बैंक अकाउंट, पैन और आधार नंबर कभी भी शेयर करने नहीं करने की सलाह दी है।

-विभाग ने करदाताओं को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से संबंधित बिना सत्यापित किसी भी लिंक पर क्लिक नहीं करने की सलाह दी है।

# केंद्रीय बजट 2024 से पहले सीतारमण की मौजूदगी में हलवा सेरेमनी का आयोजन

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय बजट 2024-25 के लिए बजट तैयार करने की प्रक्रिया का अंतिम चरण यहां वित्त मंत्रालय (नॉर्थ ब्लॉक) में केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण की उपस्थिति में पारंपरिक हलवा सेरेमनी शुरू हुआ। सीतारमण 23 जुलाई को केंद्रीय बजट 2024-25 संसद में पेश करेंगी।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि हलवा सेरेमनी का आयोजन केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण की उपस्थिति में नॉर्थ ब्लॉक में किया गया। सीतारमण ने इस अवसर पर उपस्थित बजट प्रेस के सदस्यों और वित्त मंत्रालय के कर्मचारियों को हलवा वितरित किया।

**बजट से पहले क्यों होता है हलवा सेरेमनी-**

केंद्रीय बजट पेश करने से ठीक बजट को अंतिम रूप देने से पहले हर वर्ष एक परंपरा के तहत हलवा समारोह (हलवा सेरेमनी) का आयोजन किया जाता है।

पहले एक हलवा सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। यह हलवा समारोह इस बात का परिचायक होता है कि बजट को अंतिम रूप दिया जा चुका है और इसके छपने का काम शुरू हो चुका है। इस समारोह में वित्त मंत्री की ओर से बजट तैयार करने वाले वित मंत्रालय के अधिकारी और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है।

मंत्रालय के मुताबिक 23 जुलाई, 2024 को संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बजट पेश करने के उपरांत भाषण पूरा होने पर केंद्रीय बजट 2024-25 का बजट दस्तावेज एंड्रॉइड और एप्पल ओएस दोनों प्लेटफार्मों पर उपलब्ध होगा।

इसके साथ ही यह यूनियन बजट मोबाइल एप पर अंग्रेजी और हिंदी में भी उपलब्ध होंगे। हलवा सेरमनी में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ-साथ वित्त सचिव, आयकर विभाग और सीबीआईसी के अध्यक्षों के अलावा वित मंत्रालय तथा नॉर्थ ब्लॉक बजट प्रेस के अधिकारी भी शामिल हुए।

## सेबी ने नियमों में गड़बड़ी पर पेटीएम को भेजा 'प्रशासनिक चेतावनी पत्र'

**नई दिल्ली।** संकट के दौर से गुजर रही ऑनलाइन पेमेंट मंच पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक ''प्रशासनिक चेतावनी पत्र'' भेजा है। ये मामला वित्त वर्ष 2021-22 में ऑडिट समिति या शेयरधारकों की मंजूरी के बिना पेटीएम पेमेंट्स बैंक्स (पीपीबीएल) के साथ संबंधित लेन-देन से जुड़ा हुआ है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने लगातार सेबी के नियमों के अनुपालन में काम किया है। फिनटेक कंपनी पेटीएम ने कहा कि वह अनुपालन मानकों को बनाए रखने और पारदर्शिता को लेकर प्रतिबद्ध है। कंपनी ने कहा कि वह सेबी को अपना जवाब देगी। पेटीएम ने बॉम्बे स?टॉक एक?सचेंज (बीएसई) को दी जानकारी में सेबी के पत्र की विषय-वस्तु साझा की है। उल्लेखनीय है कि पूंजी बाजार नियामक सेबी ने 15

जुलाई को लिखे पत्र में बताया है कि उसने वन97 कम्युनिकेशंस और उसकी सहयोगी पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) से संबंधित वित्तीय तथा अन्य सूचनाओं के खुलासे के संदर्भ में जांच की है। इसी के आधार पर कंपनी को यह चेतावनी पत्र जारी की गयी है।

# शेयर बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी जारी, मुनाफावसूली के कारण सर्वोच्च स्तर से फिसले सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में रिकॉर्ड बनने का सिलसिला आज भी जारी रहा। आज शेयर बाजार ने ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाने के साथ ही ओपनिंग और क्लोजिंग का भी नया रिकॉर्ड बना डाला। हालांकि कमजोर ग्लोबल संकेतों और बाजार में बजट पूर्व की सतर्क खरीदारी की वजह से शेयर बाजार सीमित दायरे में ही कारोबार करता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.06 प्रतिशत और निफ्टी 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान एफएमसीजी, आईटी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह मेटल और टेलीकॉम इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, यूटिलिटी और कैपिटल गुड्स शेयरों में आज मुनाफा वसूली होती नजर आई। ब्रॉडर मार्केट में भी आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आया, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके विपरीत स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 14 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 455.20 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 455.06 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 14 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,008 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,020 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,892 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 96 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,337 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,175 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,162 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 66.63 अंक की तेजी के साथ 80,731.49 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद पूरे दिन बाजार में लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान होती रही, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही।

# स्पिनी ने कार की खरीद-बिक्री के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए जयपुर में लॉन्च किया स्पिनी पार्क

एजेंसी

**जयपुर।** राजस्थान के उपभोक्ताओं के लिए कार की खरीद बिक्री के अनुभव को बेहतर बनाने के प्रयास में भारत में सैकण्ड हैण्ड कारों के लिए अग्रणी फुल-स्टैक प्लेटफॉर्म स्पिनी ने मंगलवार का अपने छठे स्पिनी पार्क का उद्घाटन किया। अजमेर रोड़, भांकरोटा, जयपुर में स्थित यह आधुनिक हब राजस्थान में कारों की खरीद-बिक्री के नई दिशा देगा।

स्पिनी के सीईओ एवं संस्थापक नीरज सिंह ने बताया कि स्पिनी पार्क में 500 से अधिक स्पिनी अश्योर्ड, बजट और मैक्स लक्ज़री कारें उपलब्ध हैं। ऐसे में यहां आने वाले आगंतुकों को खुले एवं आरामदायक माहौल में अपने सपनों की कार देखने, चुनने और टेस्ट ड्राइव लेने का मौका मिलेगा। राजस्थान में गुणवत्तापूर्ण सैकण्ड हैण्ड कारों की बढ़ती मांग को देखते हुए उपभोक्ताओं को कार की खरीद का उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए कंपनी ने यह विस्तार किया है। स्पिनी पार्क न सिर्फ कारों की खरीद-बिक्री के अनुभव को बेहतर बनाएगा बल्कि इनोवेशन एवं स्थायित्व के लिए स्पिनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप क्षेत्र में नौकरियां उत्पन्न कर समुदाय के विकास को भी बढ़ावा देगा। हर

स्पिनी पार्क को स्थानीय संस्कृति और स्थानीय लोगों की पंसद को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया जाता है। जयपुर में भी हम उपभोक्ताओं की विभिन्न ज़रूरतों और महत्वाकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कारों की रेंज लेकर आए हैं। जयपुर स्पिनी पार्क का माहौल यहां आने वाले आगंतुकों को शहर के बेजोड़ आतिथ्य का अनुभव प्रदान करेगा।

स्पिनी जयपुर के सिटी हैड जशन बजाज ने कहा, ''हर परिवार के जीवन में कार का विशेष स्थान होता है। उदयपुर, अलवर, अजमेर, सीकर, जोधपुर और कोटा से हमारे उपभोक्ताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। राजस्थान का यह नया सेंटर एक साल की वारंटी के साथ 500 से अधिक उच्च गुणवत्ता की कारें उपलब्ध कराएगा, उद्योग जगत में पहली बार लाई गई पहल के तहत इस वारंटी को 2 साल तक बढ़ाया भी जा सकता है। इसके अलावा पूर्ण स्वामित्व वाला इंटीग्रेटेड क्वालिटी सेंटर सुनिश्चित करता है कि हर कार 200 पॉइन्ट्स की जांच से होकर गुज़रे और साथ ही उपभोक्ताओं को 5 दिनों की मनी-बैक गारंटी भी दी जाती है।

उल्लेखानीय है कि स्पिनी देश भर में 57 से अधिक कार हब्स का संचालन करता है, जहां 20 हजार से अधिक कारों को पार्क करने की सुविधा है। इसके अलावा डीलर पार्टनर्स के लिए भी पांच हब्स हैं। स्पिनी ने पिछले साल बैंगलुरू में भारत के प्रमुख और सबसे बड़े एक्सपेरिएंशियल हब का लॉन्च भी किया था। साथ ही 2023 में पुणे, कोची और अहमदाबाद में स्पिनी पार्क खोले गए। स्पिनी प्लेटफॉर्म पर मौजूद हर स्पिनी अश्योर्ड कार 200-पॉइन्ट के इन्स्पेक्शन चैकलिस्ट, 5 दिन की नो-क्श्चन मनी बैक गारंटी और 1 साल की आफ्टरसेल्स वारंटी के साथ आती है, जो ब्राण्ड के पारदर्शिता, सुविधा, भरोसे एवं गुणवत्ता के वादों पर खरी उतरती हैं। पिछले दो सालों में स्पिनी के उपभोक्ताओं की संख्या 2 लाख के आंकड़े को पार कर चुकी है।

# क्रिप्टो करेंसी मार्केट में तेजी का रुख, बिटकॉइन 63 हजार डॉलर के पार पहुंचा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** क्रिप्टो करेंसी मार्केट में आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से 7 मजबूती के साथ ग्रीन जोन में कारोबार कर रही हैं, जबकि 2 मामूली गिरावट के साथ रेड जोन में कारोबार कर रही थीं। इसके अलावा एक क्रिप्टो करेंसी के भाव में पिछले 24 घंटे के दौरान कोई बदलाव नहीं हुआ है। आज की तेजी के कारण दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन एक बार फिर करीब 1,300 डॉलर उछल कर 63 हजार डॉलर के स्तर पर पहुंच कर कारोबार कर रही है।

भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से आज शाम 6 बजे तक बिटकॉइन 2.14 प्रतिशत की उछाल के साथ 63,758.01 डॉलर यानी 53.29 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह एथेरियम की कीमत भी आज 2.37 प्रतिशत की तेजी के साथ उछल कर 3,415.35 डॉलर के स्तर पर आ गई थी। बिटकॉइन और एथेरियम के अलावा बीएनबी 1.69 प्रतिशत, सोलाना 3.95 प्रतिशत, यूएसडी कॉइन 0.03 प्रतिशत, एक्सआरपी 2.06 प्रतिशत और डॉगकॉइन 4.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टॉनकॉइन 0.05 प्रतिशत और कार्डानो 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। टेथर के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है।

कॉइन मार्केट कैप के मुताबिक पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में 2.01 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। फिलहाल क्रिप्टो करेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप बढ़ कर 2.33 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 194.75 लाख करोड़ रुपये हो गया है। ग्लोबल मार्केट कैप में बढ़ोतरी होने के

साथ ही पिछले 24 घंटे के दौरान क्रिप्टो करेंसीज के लेन-देन में भी तेजी आई है। इस अवधि में कुल 9,332 करोड़ डॉलर यानी 7.80 लाख करोड़ रुपये की क्रिप्टो करेंसी की लेन-देन हुई, जो 1 दिन पहले की तुलना में 27.02 प्रतिशत अधिक है। अगर दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की बात करें कीमत में तेजी आने के बावजूद पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी मार्केट में इस आभासी मुद्रा की स्थिति 0.05 प्रतिशत कमजोर हुई है, जिसके कारण इसकी मार्केट हिस्सेदारी घट कर 53.80 प्रतिशत रह गई है।

## स्वयं समावेशी भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहा: जिंदल

**नई दिल्ली।** पहुंच और समावेश को बढ़ावा दे रहे गैर लाभकारी संगठन स्वयं की संस्थापक अध्यक्ष स्मिनू जिंदल ने कहा, हम कम

गतिशीलता वाले व्यक्तियों के लिए दरवाजे खोल रहे हैं और उनके लिए समावेशी भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त कर रहे हैं। स्वयं ऑडियो, विजुअल और सिमुलेशन टूल का उपयोग करके संवेदीकरण सत्रों के माध्यम से पहुंच की तत्काल आवश्यकता के बारे में जागरूकता फैला रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार, भारत में बुजुर्गों की आबादी 2030 तक दोगुनी हो जाएगी और 2050 तक हर पांचवां व्यक्ति बुजुर्ग होने की उम्मीद है।

# सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी गिरावट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन गिरावट नजर आ रही है, जिसके कारण सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुएं कल की तुलना में और सस्ती हो गई हैं। आज की कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73,780 रुपये से लेकर 73,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सर्राफा बाजारों में 67,840 रुपये से लेकर 67,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज भी 74 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर कारोबार कर रहा है। सोने की तरह ही आज चांदी के भाव में भी गिरावट दर्ज की गई है। इसकी वजह से आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 95,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 73,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 74,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 73,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 73,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

# Dengue Home Remedies: डेंगू के बुखार में रामबाण हैं इन 4 पत्तों का पानी, तेजी से बढ़ने लगते हैं प्लेटलेट्स

**इन दिनों देशभर में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे औषधीय पत्तों के बारे में बताएंगे जो डेंगू के संक्रमण में रामबाण की तरह काम करते हैं। प्लेटलेट्स काउंट को तेजी से बढ़ाने के लिए आप यहां बताए इन घरेलू नुस्खों को आजमा सकते हैं। बता दें कि यह इम्युनिटी को बढ़ाने में भी काफी असरदार साबित होते हैं।**

डेंगू के बुखार में प्लेटलेट्स काउंट तेजी से गिरना शुरू हो जाते हैं। ऐसे में, इम्युनिटी भी कमजोर हो जाती है और शरीर को भारी थकान और कमजोरी से जूझना पड़ता है। जाहिर है कि थोड़ी-सी भी लापरवाही इस बुखार को घातक बना सकती है। ऐसे में, आज इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो डेंगू के संक्रमण में बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं। पपीता, नीम, मेथी और तुलसी के पत्तों में पाए जाने वाले औषधीय गुण, डेंगू से राहत दिलाने में काफी मददगार हैं।

**पपीते के पत्ते**

डेंगू से राहत पाने के लिए पपीते के पत्तों का इस्तेमाल काफी कारगर होता है। इनके इस्तेमाल से डेंगू के संक्रमण को कम किया जा सकता है। ऐसे में, आप सबसे पहले इन्हें ताजा पानी से धो लें और फिर कम से कम 1 घंटा पानी में भीगने के लिए रख दें। इसके बाद इन्हें दरदरा पीस लें और फिर इसके भिगोए पानी में मिलाकर इन्हें छान लें। बता दें, कि डेंगू के बुखार में सुबह-शाम इसका एक गिलास रस पीने से प्लेटलेट्स काउंट तेजी से बढ़ता है।

**तुलसी के पत्ते**

डेंगू से बचाव और उपचार के लिए तुलसी के पत्तों का भी इस्तेमाल किया जाता है। इनमें एंटीमाइक्रोबॉयल गुणों का खजाना होता है, जिससे डेंगू का इलाज किया जा सकता है। इसके लिए आपको इसके कुछ पत्तों को 2 गिलास पानी में तब तक उबालना होगा, जब तक यह घटकर आधा न हो जाए। इसके बाद इसमें 2 चुटकी काली मिर्च का पाउडर मिलाएं और फिर इसे गुनगुना ही घूंट-घूंट करके पिएं। इससे इम्युनिटी में भी तेजी से इजाफा होता है।

**नीम के पत्ते**

एंटी-पायरेटिक, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुणों से भरपूर नीम के पत्ते भी प्लेटलेट्स काउंट को तेजी से बढ़ाने में मददगार होते हैं। इसके सेवन भी आप पानी में उबालने के बाद छानकर सकते हैं। आयुर्वेदिक औषधि के रूप में यह न सिर्फ बुखार से राहत दिलाते हैं, बल्कि इम्युनिटी को भी बूस्ट करते हैं।

**मेथी के पत्ते**

डेंगू के इलाज के लिए मेथी के पत्तों का भी इस्तेमाल खूब किया जाता है। इनमें शामिल एंटीपायरेटिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण, डेंगू के बुखार को दूर करते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाते हैं। ऐसे में, आप मेथी के कुछ पत्ते लेकर इन्हें 2 गिलास पानी में उबाल लें और जब यह एक गिलास ही रह जाए, तो थोड़ा ठंडा करके, छानकर इसके पानी का सेवन कर लें।

# किसान, रेल और कृषि उड़ान का हो रहा बंटाधार, अब कोई पूछने वाला नहीं

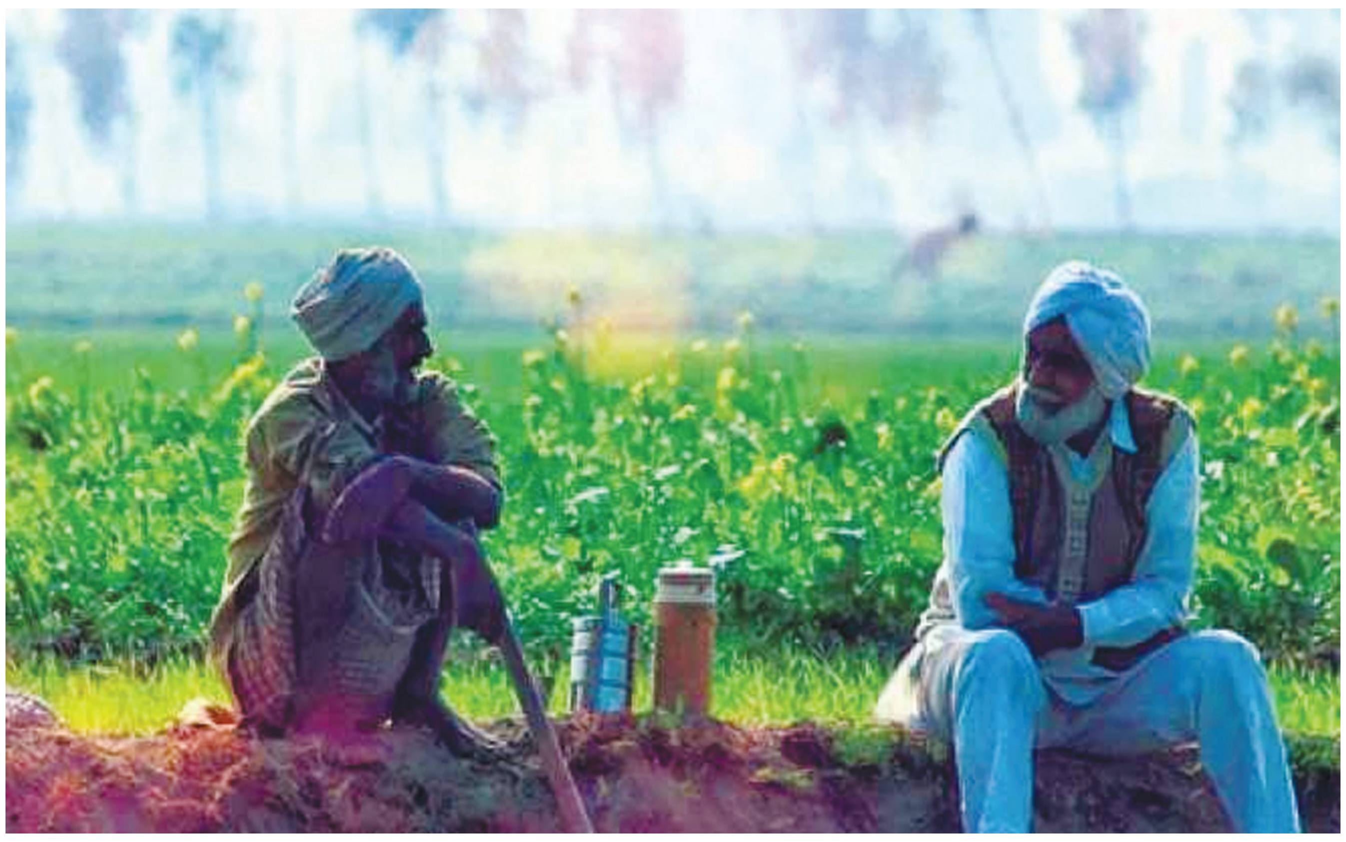

परियोजना के स्पष्ट रूप से खत्म होने के पीछे के कारणों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। विशेषज्ञ लॉन्च से पहले जमीनी स्तर पर काम न करने की ओर इशारा करते हैं। भारत की कृषि परिवहन प्रणाली सड़कों पर बहुत अधिक निर्भर है, जिसमें खेतों से बाजारों तक उपज ले जाने के लिए विभिन्न वाहनों का उपयोग किया जाता है। इस स्थापित नेटवर्क ने कई फायदे दिये।किसान रेल योजना, जिसकी घोषणा 2019-20 के बजट में की गई थी और अगस्त 2020 में बहुत सारे वादों के साथ बड़ी धूम-धाम से पहली ट्रेन शुरू की गई थी, अब पीछे छूटती नज़र आ रही है। फलों और सब्जियों जैसे जल्दी खराब होने वाले कृषि उत्पादों के परिवहन के लिए एक क्रांतिकारी तरीके के रूप में परिकल्पित यह परियोजना सुर्खियों से गायब होने और अपने बंटाधार से पहले दो साल तक सफल रही थी।29 मार्च, 2023 को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद को किसान रेल सेवाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी थी। 7 अगस्त, 2020 को अपनी शुरुआत के बाद से, भारतीय रेलवे ने 1 मार्च, 2023 तक 167 मार्गों पर लगभग 2,364 किसान रेल सेवाएं संचालित की थीं। इस पहल का समर्थन करने के लिए सरकार ने इस अवधि के दौरान 4 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्रदान की। किसान रेल के माध्यम से फलों और सब्जियों के परिवहन को प्रोत्साहित करने के लिए, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2020-21 और 2021-22 के दौरान 50प्रतिशत माल ढुलाई सब्सिडी की पेशकश की थी। रेलवे ने इन वर्षों में क्रमश~ 27.79 करोड़ रुपये और 121.86 करोड़ रुपये वितरित किये, जिसमें खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय ने बाद के वर्ष में 50 करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति की। हालांकि, खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय ने 1 अप्रैल, 2022 से सब्सिडी बंद कर दी। सब्सिडी समाप्त होने के बावजूद, रेलवे ने आंशिक सहायता प्रदान करना जारी रखा। 1 अप्रैल, 2022 और 1 मार्च, 2023 के बीच रेलवे द्वारा लगभग 4 करोड़ रुपये की 45प्रतिशत सब्सिडी वितरित की गई।

अब परियोजना के स्पष्ट रूप से खत्म होने के पीछे के कारणों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। विशेषज्ञ लॉन्च से पहले जमीनी स्तर पर काम न करने की ओर इशारा करते हैं। भारत की कृषि परिवहन प्रणाली सड़कों पर बहुत अधिक निर्भर है, जिसमें खेतों से बाजारों तक उपज ले जाने के लिए विभिन्न वाहनों का उपयोग किया जाता है। इस स्थापित नेटवर्क ने कई फायदे दिये, जिसमें खराब होने वाले सामानों को कम से कम नुकसान पहुंचाने के लिए सावधानीपूर्वक संभालना शामिल है।किसान रेल का उद्देश्य कृषि उत्पादों के लिए एक राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क स्थापित करना था, जिससे पूरे देश में कुशल और लागत-प्रभावी परिवहन संभव हो सके। उदाहरण के लिए, इससे महाराष्ट्र से फल बिहार या बंगाल जैसे दूर के बाजारों तक कम खर्च पर पहुंच सकते थे।हालांकि, आलोचकों का तर्क है कि इस योजना में उचित हितधारक जुड़ाव की कमी थी। परियोजना की सफलता के लिए महत्वपूर्ण किसानों से पर्याप्त परामर्श नहीं किया गया। आदर्श रूप से, सरकार को पहल की दीर्घकालिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए किसान संघों और सहकारी समितियों के साथ सहयोग करना चाहिए था।इसके अलावा, लॉन्च से पहले बाजार विकास की कमी के बारे में भीचिंताएं व्यक्त की गई हैं। कृषि व्यापारियों और सहकारी समितियों के साथ पहले से संपर्क करके माल की न्यूनतम मात्रा की गारंटी प्राप्त की जा सकती थी, जिससे यह सुनिश्चित होता कि ट्रेनें लगातार चलती रहें।संचालन के लिए सब्सिडी पर निर्भरता विवाद का एक और बिंदु है। एक सफल किसान-रेल आदर्श रूप से व्यावसायिक व्यवहार्यता प्राप्त कर सकती थी। यह सभी हितधारकों के साथ सहयोग के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता था, जिस तरह से निजी कंपनियां काम करती हैं।परियोजना की संरचना भी हैरान करने वाली है। आलोचकों का तर्क है कि यह सब्सिडी के प्राथमिक फोकस के साथ नौकरशाही व्यवस्था जैसा दिखता है। इसके अतिरिक्त, वित्तीय निवेश न्यूनतम लगता है। रिपोर्टों से पता चलता है कि सरकार ने पिछले दो वर्षों में केवल लगभग 50 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।किसान रेल की विफलता भारत में कृषि परिवहन को आधुनिक बनाने के प्रयासों के लिए एक महत्वपूर्ण झटका है। सड़क परिवहन पर अत्यधिक निर्भरता की सीमाएं हैं, जो संभावित रूप से खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करती हैं। एक विविध परिवहन नेटवर्क महत्वपूर्ण है।

आगे बढ़ते हुए, किसान रेल की कमियों की गहन जांच आवश्यक है। विशेषज्ञों की एक समिति प्रयोग का विश्लेषण कर सकती है और अधिक कुशल कार्यान्वयन रणनीति की सिफारिश कर सकती है।

सरकारी कार्यक्रम की विफलताएं भविष्य की पहलों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। जनता का भरोसा कम होता जा रहा है, जिससे लोग नये विचारों को अपनाने में हिचकिचा रहे हैं।

किसी भी कार्यक्रम की सफलता पूरी तैयारी पर निर्भर करती है। जैसा कि किसान रेल मामले से पता चलता है। सुचारू लॉन्च और दीर्घकालिक स्थिरता के लिए उचित जमीनी कार्य आवश्यक है।

इसी तरह, कृषि उड़ान अगस्त 2020 में हवाई परिवहन के माध्यम से कृषि उत्पादों के परिवहन में सुधार के लिए शुरू की गई एक सरकारी पहल है। इस योजना की योजना किसानों को उनकी उपज के लिए निर्बाध, किफायती और समय पर हवाई परिवहन प्रदान करके लाभान्वित करने के लिए बनाई गई थी, खासकर पूर्वोत्तर, पहाड़ी और आदिवासी क्षेत्रों से। ऐसा करके, इस योजना का उद्देश्य किसानों को उनके उत्पादों के लिए मिलने वाले मूल्य को बढ़ाना था।

अक्टूबर 2021 में, पहाड़ी क्षेत्रों, पूर्वोत्तर राज्यों और आदिवासी क्षेत्रों से खराब होने वाले खाद्य उत्पादों पर विशेष ध्यान देने के साथ कृषि उड़ान 2.0 की शुरुआत की गई। इस चरण में कृषि और हवाई परिवहन को एकीकृत करने, कृषि मूल्य श्रृंखला में स्थिरता सुनिश्चित करने और प्रोत्साहनों के माध्यम से कृषि उपज के हवाई परिवहन को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया। इस योजना से किसानों के लिए बाजार तक पहुंच का विस्तार करने, कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने, कीमतों में सुधार करने और कृषि निर्यात को बढ़ावा देने की उम्मीद थी। कुल मिलाकर, कृषि उड़ान का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में बदलाव लाना और हवाई परिवहन का लाभ उठाकर देश भर में किसानों को सशक्त बनाना था।

हालांकि, इस योजना के प्रदर्शन के बारे में सार्वजनिक डोमेन में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। समाचार रिपोर्ट और सरकारी संचार दोनों की ही देश में खराब होने वाले कृषि उत्पादों के परिवहन को बढ़ाने के लिए लक्षित इन दो प्रमुख पहलों पर अनुपस्थिति इनकी दुर्दशा के बारे में स्वयं बहुत कुछ कह रही है।

## संपादकीय

# भाजपा को बेचैन करता महाराष्ट्र का घटनाक्रम

लोकसभा चुनाव में अपने बूते 370 और अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर बने डेमोक्रेटिक नेशनल एलायंस के बल पर 400 सीटें जीतने का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी के 240 सीटों पर सिमटने के बाद उसकी सरकार तो बन गई और प्रधानमंत्री का पद फिर से नरेन्द्र मोदी पा गये हैं, लेकिन सच ये है कि तेलुगु देसम पार्टी तथा जनता दल यूनाइटेड के बल पर ही सरकार टिकी हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों के ये अनुमान अब सच होते नज़र आ रहे हैं कि भाजपा में इस कमजोरी के खिलाफ असंतोष फूट सकता है। यह भी माना जा रहा था कि महाराष्ट्र में जल्दी नाराज़गी दिखाई दे सकती है। इसके प्रारम्भिक चिन्ह दिखलाई देने लगे हैं। खास बात यह है कि महाराष्ट्र में तीन महीनों में चुनाव होने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र की बात करें तो लोकसभा के चुनाव परिणाम साफ बतलाते हैं कि लोगों को वहां चल रही उद्धव ठाकरे की अविभाजित शिवसेना, शरद पवार की अविभाजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी तथा कांग्रेस की गठबन्धन की सरकार को भाजपा द्वारा गिराना पसंद नहीं आया। याद हो कि भाजपा ने शिवसेना तथा एनसीपी को तोड़कर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में सरकार बनाई थी। सरकार के इशारे पर केन्द्रीय निर्वाचन आयोग ने उनके चुनाव चिन्ह भी छीनकर टूटे हुए धड़ों को आवंटित कर दिये थे। इन सबका खामियाजा लोकसभा चुनाव में देखने को मिला। वहां कांग्रेस सबसे ज्यादा सीटें पाकर पहले क्रमांक का दल बन गया, तो वहीं भाजपा को जबरदस्त नुकसान हुआ। शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट को भी अच्छी सफलता मिली। माना जाता है कि राहुल गांधी की दो यात्राओं, खासकर दूसरी ने (जिसे %न्याय यात्रा% नाम दिया गया था) लोगों पर अच्छा असर डाला था। इसकी समाप्ति मुम्बई में ही हुई थी। समापन अवसर पर तीनों सहयोगी दलों की शिवाजी पार्क में हुई विशाल संयुक्त रैली ने संकेत दे दिये थे कि हवा का रुख किधर है। चूंकि तीनों दल एकजुट रहे तो उसका परिणाम वही रहा जो कि अनुमानित था। लोकसभा के चुनाव परिणाम बतलाते हैं कि जनता एकनाथ शिंदे की नहीं उद्धव की शिवसेना को असली मानती है। वैसे ही उनका भरोसा अजित पवार की एनसीपी में नहीं बल्कि उनके चाचा शरद पवार की एनसीपी में है।

उसी महाराष्ट्र में अब चुनाव नज़दीक हैं और कुछ ऐसे घटनाक्रम हो रहे हैं जिसे लेकर भाजपा के साथ ही एनडीए के घटक दलों का परेशान होना स्वाभाविक है। सोमवार को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती उद्धव ठाकरे के निवास मातोश्री पहुंचे, जहां उन्होंने कहा कि वे फिर से उद्धव ठाकरे को ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर देखना चाहते हैं। शंकराचार्य ने साफ कहा कि उद्धव ठाकरे के साथ छल हुआ है। इस दौरान दिल्ली में बन रहे केदारनाथ धाम के प्रतीकात्मक मंदिर निर्माण पर भी उन्होंने नाराजगी जताई और केदारनाथ धाम ट्रस्ट और उत्तराखंड सरकार से सवाल किया है कि आखिर केदारनाथ धाम के नाम से राजधानी दिल्ली में मंदिर बनाने की जरूरत क्यों पड़ी? शंकराचार्य ने केदारनाथ धाम से चोरी कर लिए गए सोने की पड़ताल की मांग भी की है। हाल ही में आम चुनावों में हिंदुत्व पर राजनीति करने का नुकसान भाजपा ने भुगता है, ऐसे में शंकराचार्य के इन बयानों से भाजपा के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

वहीं अब विधानसभा चुनावों से पहले सत्तारुढ़ महायुति के कमजोर होने और विपक्षी महागठबंधन के मजबूत होने की भी खबरें हैं। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर सकाल मीडिया के सर्वे के मुताबिक 48.7 प्रतिशत जनता ने महाविकास अघाडी के पक्ष में अपना मत रखा है, जबकि 33.1 प्रतिशत लोग महायुति यानी भाजपा-शिंदे गठबंधन के पक्ष में दिखे हैं और 4.9 प्रतिशत लोगों ने किसी के भी प्रति अपना मत नहीं रखा।जनता का यह झुकाव बता रहा है कि इस बार महागठबंधन के पक्ष में माहौल बन रहा है और इसका नुकसान कहीं न कहीं भाजपा को होता दिख रहा है। वहीं सोमवार को शरद पवार के साथ अजित पवार गुट के छगन भुजबल ने मुलाकात की। उन्होंने इसका उद्देश्य राज्य में अन्य पिछड़ा वर्गों एवं मराठाओं के बीच आरक्षण को लेकर हो रहे संघर्ष पर चर्चा करना बतलाया। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही भुजबल ने आरोप लगाया था कि मराठा आंदोलन के पीछे शरद पवार का हाथ है।

# युवाओं की नजर से चुनाव में जलवायु परिवर्तन

टीबीएफ- द बनियन फाउंडेशन की एजुकेशन डायरेक्टर स्वाति क्वात्रा स्कूलों और कॉलेजों में एकीकृत शिक्षा की जरूरत और जलवायु परिवर्तन के असर के बारे में पढ़ाने पर जोर देती हैं। वे कहती हैं, %जलवायु परिवर्तन के कारणों और नकारात्मक प्रभावों को गिनाना ही काफी नहीं है। युवाओं को केवल निराशा, भय और चिंता महसूस होगी तो वे बेचैन होंगे। इसीलिए जलवायु शिक्षा को समाधान वाले दृष्टिकोण के साथ और अधिक व्यावहारिक बनाना होगा।

जलवायु परिवर्तन और जलवायु शिक्षा को लेकर पिछले चुनाव में पहली बार वोट देने वाले युवाओं के सर्वे में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। इसके मुताबिक दिल्ली में पहली बार वोट देने वाले युवाओं ने जलवायु परिवर्तन को अपने राजनीतिक एजेंडे में सबसे ऊपर रखा है। सर्वे में शामिल 40 प्रतिशत युवाओं का मानना है कि सरकार जलवायु परिवर्तन के मुद्दों से निपटने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही है। वहीं, 83 प्रतिशत ने उनके स्कूल में दी जा रही पर्यावरण शिक्षा को औसत और बेहद खराब माना है।ये आंकड़े परसेप्शन ऑफ फर्स्ट-टाइम वोटर्स ऑन क्लाइमेट एजुकेशन इन इंडिय सर्वे में सामने आए हैं। सर्वे असर सोशल इम्पेक्ट एडवाइजस, क्लाइमेट एजुकेटर्स नेटवर्क और सीएमएसआर कंसल्टेंट्स की ओर से चार राज्यों - दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और महाराष्ट्र के सात शहरों-दिल्ली, मुंबई, पुणे, चेन्नई, कोयम्बटूर, कोलकाता और आसनसोल में किया गया है। सर्वे में शामिल हुए युवाओं की उम्र 18-22 साल के बीच है।

टीबीएफ- द बनियन फाउंडेशन की एजुकेशन डायरेक्टर स्वाति क्वात्रा स्कूलों और कॉलेजों में एकीकृत शिक्षा की जरूरत और जलवायु परिवर्तन के असर के बारे में पढ़ाने पर जोर देती हैं। वे कहती हैं, जलवायु परिवर्तन के कारणों और नकारात्मक प्रभावों को गिनाना ही काफी नहीं है। युवाओं को केवल निराशा, भय और चिंता महसूस होगी तो वे बेचैन होंगे। इसीलिए जलवायु शिक्षा को समाधान वाले दृष्टिकोण के साथ और अधिक व्यावहारिक बनाना होगा। साथ ही यह दृष्टिकोण संकट से निपटने, लचीली रणनीतियों और टिकाऊ उपभोग पर केन्द्रित होना चाहिए।%इस सर्वे से जलवायु शिक्षा के स्तर का भी पता चलता है। 59 प्रतिशत युवाओं को उनके स्कूलों-कॉलेजों में दी जा रही शिक्षा से जलवायु परिवर्तन के कारण और परिणामों के बारे में पर्याप्त और सही जानकारी नहीं मिलती। हालांकि इनमें से अधिकतर युवाओं ने मीडिया या सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से इस बारे में पढ़ा है। वहीं, दिल्ली में तमाम पर्यावरणीय चिंताओं के कारण 92 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि उन्हें जलवायु शिक्षा को मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में शामिल करना बेहद

महत्वपूर्ण लगता है। इसके अलावा दिल्ली में जलवायु संकट की वजह से 61 प्रतिशत युवाओं ने निराशा, डर, गुस्सा और चिंता जताई, जबकि 39 फीसदी युवा जलवायु परिवर्तन के दौर में भविष्य के प्रति आशावादी थे।

क्लाइमेट एजुकेटर्स नेटवर्क की संस्थापक सदस्य, सुनयना गांगुली कहती हैं, सर्वे के नतीजों से स्पष्ट है कि स्कूल-कॉलेजों के पाठ्यक्रम में जलवायु शिक्षा आसान भाषा और तरीके से उपलब्ध नहीं है। निकट भविष्य में आने वाले जलवायु संकट की तैयारी भी नहीं है। इसीलिए हमें युवाओं में आशा और भरोसा पैदा करना चाहिए। साथ ही गुणवत्तापूर्ण जलवायु पाठ्यक्रम, कौशल को बढ़ावा देने के लिए स्थान-आधारित और नई शिक्षा प्रणाली का उपयोग करना चाहिए। जलवायु के प्रति जागरूक समाज बनाने के लिए युवाओं में हुनर और ज्ञान का विकास करना पड़ेगा।सर्वे के प्रमुख निष्कर्ष ~ सर्वे में शामिल हुए युवाओं में से 58 फीसदी ने कहा कि स्कूल-कॉलेज में उन्हें मिली जलवायु शिक्षा %औसत% है, जबकि 25फीसदी ने इसे खराब माना। सर्वे में शामिल 40 प्रतिशत युवाओं का मानना है कि सरकार जलवायु परिवर्तन के मुद्दों से निपटने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही है।

59फीसदी युवाओं का मानना है कि उन्हें जलवायु परिवर्तन के कारणों और परिणामों के बारे में पर्याप्त सूचना नहीं है। यह जलवायु परिवर्तन की उनकी समझ की रैंकिंग में भी दिखता है, जिनमें से अधिकांश (67फीसदी) ने कहा कि वे इस बारे में कुछ हद तक ही जानते हैं। युवाओं ने जलवायु संकट से निपटने के लिए तीन बड़े तरीके गिनाए। जिसमें 19त्न ने परिवहन में टिकाऊ ढांचे को बढ़ाने, 18 प्रतिशत ने रिन्यूएबल ऊर्जा स्त्रोतों को प्राथमिकता देने और 17प्रतिशत ने जलवायु शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रमों पर जोर देने की बात कही।

युवाओं से राजनीतिक मुद्दों को लेकर भी सवाल किए गए। इसमें 19 प्रतिशत ने इलाज के संकट और 16 प्रतिशत ने आर्थिक संकट के बारे में बात करने वाले उम्मीदवारों या पार्टियों को प्राथमिकता दी। वहीं, 16प्रतिशत ने जलवायु परिवर्तन को वोट देते वक्त महत्वपूर्ण विषय माना। सर्वे में शामिल 63प्रतिशत युवाओं ने कहा कि उन्होंने जलवायु शिक्षा के पहलुओं को अपने दैनिक जीवन में अपना लिया है। हालांकि समूह चर्चा के दौरान अधिकतर युवाओं का जलवायु परिवर्तन से आशय पर्यावरण के मुद्दे थे। उदाहरण के लिए, जब युवाओं से जलवायु परिवर्तन से निपटने के तरीके पूछे गए तो ज्यादातर ने पेड़ लगाने को इसका समाधान बताया।इसी प्रकार 76प्रतिशत युवाओं ने कहा कि उन्होंने अपने स्कूल में जलवायु परिवर्तन के बारे में कुछ भी नया नहीं सीखा है। यह बयान जलवायु शिक्षा को लेकर वर्तमान पाठ्यक्रम में मौजूद शिक्षा के अंतर को दिखाता है। सर्वे के सवालों का जवाब देते हुए 92 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि उन्हें जलवायु शिक्षा को मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में शामिल करना बेहद महत्वपूर्ण लगता है। सर्वे में शामिल हुए युवाओं ने स्वास्थ्य के संकट को सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और आर्थिक संकट को दूसरे स्थान पर रखा।

सुझाव और सिफारिशें ~ क्लाइमेट चेंज के विषयों को व्यापक रूप से समझने के लिए स्कूलों और कॉलेजों के पाठ्यक्रम की समीक्षा और उन्हें अपडेट करने की जरूरत है। साथ ही इसे सुधारने की रणनीतियों और अंतरराष्ट्रीय केस स्टडीज जैसे नए पहलुओं को शामिल करना चाहिए।समग्र समझ को बढ़ावा देते हुए, सामाजिक चुनौतियों के साथ इसके अंतर्संबंध को सामने लाने के लिए सभी विषयों में जलवायु शिक्षा को शामिल करना चाहिए।

बच्चों में शुरूआत से ही पर्यावरण संबंधी साक्षरता पैदा करने के लिए प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में आयु के हिसाब से जलवायु शिक्षा मॉड्यूल लाने की जरूरत है।

जैसे-जैसे छात्र आगे बढ़ेंगे, उसी हिसाब से जलवायु परिवर्तन संबंधी विषयों में भी बढ़ोतरी की जानी चाहिए। इससे सही उम्र में सही जलवायु शिक्षा सुनिश्चित होगी।

जलवायु परिवर्तन से संबंधित व्यावहारिक गतिविधियों, क्षेत्रीय कार्य और सामुदायिक परियोजनाओं की समझ और प्रतिबद्धता को गहरा करने के लिए सुविधाजनक बनाना।छात्रों को पर्यावरणीय चुनौतियों से जोड़ने के लिए प्रयोगों, यात्राओं और केस-स्टडीज जैसे संवादी तरीकों के माध्यम से जोड़ना।पर्यावरणीय स्थिरता के लिए छात्र-नेतृत्व वाले मंच स्थापित करें, कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में भागीदारी को प्रोत्साहित करें।स्कूलों में अनिवार्य जलवायु शिक्षा और सभी स्तरों पर प्रभावी नीति के कार्यान्वयन की वकालत जरूरी है।

राजनीतिक एजेंडे में जलवायु परिवर्तन को प्राथमिकता दें और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने वाली नीतियों की वकालत करें।

कार्यशालाओं, इंटर्नशिप और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जलवायु पहल में युवाओं की भागीदारी के लिए मंच प्रदान करना।

जलवायु शिक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता की निगरानी और सुधार के लिए नियमित मूल्यांकन और प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित करें।

# बचपन

## मिल गई सीख

बाल कहानी

आकाश को घर से बाहर जब भी कोई जानवर दिखता, वह उसे तंग करने लगता। कभी वह उन पर पत्थर फेंकता, तो कभी उनकी पूंछ खींचकर भाग जाता। एक दिन उसकी नजर सड़क पर आराम कर रहे भूरे रंग वाले कुत्ते पर गई। उसने जैसे ही उसकी पूंछ पर अपना पैर रखा, तो कुत्ते को आती हुए एक गाड़ी ने टक्कर मारकर लहूलुहान कर दिया। शोरगुल सुनकर आस-पास के सभी लोग जमा हो गए। आकाश के पड़ोस के अंकल शर्माजी को कुत्ते के चिल्लाने की आवाज सुनकर दया आ गई। उन्होंने कुत्ते को उठाया और घर की ओर चल दिए। उसकी चोट पर दवा लगाई। उसे दूध भी पिलाया। तीन-चार दिन बाद ही कुत्ता स्वस्थ हो गया।

एक दिन आकाश घूमने के लिए कहीं जाने लगा। उसने मम्मी से कहा कि वह दोपहर तक लौट आएगा। संयोग से आकाश के पीछे-पीछे वह कुत्ता भी चला गया। दोपहर तो क्या शाम भी बीत गई। आकाश नहीं लौटा। घर वाले चिंतित हो गए। उसके पापा कुछ लोगों को अपने साथ लेकर उसे ढूंढने निकल पड़े। चारों ओर उन लोगों ने नजर दौड़ाई, लेकिन आकाश का पता नहीं चला। वे लोग निराश होकर लौट रहे थे कि तभी उन्हें कुत्ते के भौंकने की आवाज सुनाई दी। वे लोग उसी ओर गए, जिधर से आवाज आ रही थी। वहां पहुंचने पर आकाश के पिता ने कहा, अरे, यह तो शर्मा जी का कुत्ता है। उन लोगों ने देखा कि कुत्ता बार-बार एक पत्थर पर अपने पंजे मार रहा है, मानो उसे हटाने की कोशिश कर रहा हो। वह लगातार भौंक भी रहा था। पत्थर बहुत बड़ा था और वह गुफा के द्वार के सामने पड़ा था। सबने मिलकर पत्थर को हटाया तो देखा कि आकाश अंदर बेचैन-सा बैठा है। लोगों ने जब उससे पूछा कि तुम इसमें बंद कैसे हो गए, तो आकाश ने बताया कि उसने एक खरगोश को इस गुफा में बैठे हुए देखा। उसे पकड़ने के लिए ज्योंही अंदर घुसा, यह पत्थर लुढ़कता हुआ गुफा के मुंह पर आ टिका। सभी लोगों ने एक साथ कहा- आज तुम्हारी जान इसी कुत्ते ने बचा ली। यह सुनते ही आकाश उसे खूब प्यार करने लगा। उसने उसी समय भविष्य में किसी भी जानवर को तंग न करने का संकल्प ले लिया।

## अब अंतरिक्ष में भी बन सकेगा खाना

दोस्तो आपने यह तो देखा ही होगा की मनुष्य आकाश गंगा तक पहुंच गया है। सफेद रंग की पोशक में व्यक्ति एक रॉकेट में बैठकर हवा में उड़कर स्पेस में जाता है। लेकिन क्या तुमने कभी यह देखा है कि वहां पर खाने की क्या व्यवस्था है।आओ हम तुम्हें बताते हैं स्पेस खगोलयाली क्या खाते हैं। आमतौर पर अंतरिक्ष में जाने वाले खगोलयालियों को केवल अंतरिक्ष आहार खाकर ही गुजारा करना होता है। यह अंतरिक्ष आहार पकाया हुआ न होकर पैकेज्ड होता है। अंतरिक्ष आहार के बारे में अब तक हम यही जानते थे। लेकिन नासा की हालिया रिसर्च के मुताबिक, खगोलयालियों यदि मंगल ग्रह पर जाने के बाद अपनी कॉलोनी बनाते हैं, तो वे कुछ खास तरह का खाना भी बना सकेंगे। रिसर्च के मुताबिक, मंगल पर वे सियन बोर्च्ट, मोरक्कन टेगिन, सुशी और सी-फूड चाउडर जैसे आहार पका सकते हैं। एक मशहूर वेबसाइट के मुताबिक, यह रिसर्च पूरा होने की कगार पर है। नासा के साथ यूनिवर्सिटी ऑफ हवाई और कॉर्नेल यूनिवर्सिटी ने भी रिसर्च में अपना योगदान दिया है।

## मुश्किल आने पर शरीर फुलाती है

# पफर फिश

गोलमटोल सी दिखने वाली पफर फिश आसानी से पहचानी जा सकती है। खतरा महसूस होने पर ये अपने पेट को कुछ ही सेकेंड में फुलाकर बड़ा कर लेती हैं। हिंद, प्रशांत और अटलांटिक महासागरों के कुनकुने पानी में पफर फिश की 120 से ज्यादा प्रजातियां पायी जाती हैं। जानकारों के अनुसार, इनकी सिर्फ 30 प्रतिशत प्रजातियां ताजे पानी में रहती हैं। पफर की कुछ प्रजातियां ऐसी भी हैं जो प्रजनन के दौरान खारे या ताजे पानी में आकर रहने लगती हैं। हालांकि पहले पफर फिश की आबादी स्थिर थी लेकिन आज महासागरों में प्रदूषण का स्तर बढ़ चुका है, साथ ही इनके प्राकृतिक आवास घटते जा रहे हैं जिससे इनके जीवन पर खतरा मंडरा रहा है। सामान्य रूप से इनकी उम्र दस साल होती है।

इन मछलियां की लंबाई एक इंच से लेकर दो फुट तक होती है। एक इंच लंबी पफर फिश को 'पिग्मी' कहते हैं और ज्यादा बड़ी को 'जायंट पफर' कहते हैं। सभी पफर फिश में सामान्य बात यह है कि इनमें अपने भीतर ढेर सारा पानी रखने की क्षमता होती है।

कभी-कभी ये पानी की जगह ज्यादा माला में हवा भी खींच लेती हैं। इससे इनके शरीर का आकार बढ़ जाता है और ये देखने में फुटबॉल जैसा प्रतीत होती हैं। जब यह दुश्मनों को देखती हैं तो उन्हें डराने के लिए अपना आकार बड़ा कर लेती हैं।

वैज्ञानिक मानते हैं कि पफर फिश आत्मरक्षा के लिए अपने शरीर को फुलाकर बड़ा कर लेती हैं। वे अच्छी तैराक नहीं होतीं। अचानक खतरा सामने हो तो ये भाग नहीं पातीं और शिकारियों को सिर्फ डराने के लिए ऐसा करती हैं।

पफर की लगभग सभी प्रजातियों के शरीर में जहर होता है। इसे टेट्रॉडोटोक्सिन कहते हैं। इनका जहर सायनाइड के मुकाबले 1200 गुना तक घातक हो सकता है। एक पफर फिश के भीतर इतना जहर होता है कि वह 30 वयस्क लोगों को मार सकता है। जहर इनके हर अंग में नहीं पाया जाता। ।

जापान में कुछ संस्कृतियां ऐसी हैं जहां पफर फिश से फुगू नामक व्यंजन बनाया जाता है। जापानी लोग फुगू को स्वादिष्ट बनाने के तरीके जानते हैं। केवल प्रशिक्षित शेफ ही पफर फिश को साफ करते हैं क्योंकि उन्हें ही पता होता है कि इन्हें किस तरह स्वादिष्ट बनाया जा सकता है। कहते हैं कि पफर फिश को काटने में थोड़ी सी गलती हो जाए तो खाने वाले की मौत भी हो सकती है! शार्क मछलियां ही एकमाल समुद्री जीव हैं जिन पर पफर फिश के जहर का कोई असर नहीं होता। इसलिए शार्क पफर फिश को बिना किसी डर के खा लेती हैं।कुछ पफर ऐसी होती हैं जो देखने में काफी चमकीले रंग की होती हैं। इनका चमकीलापन इनके शरीर के भीतर मौजूद रंग निर्माण और जहर पैदा करने की माला पर निर्भर है। ज्यादा चमकीली पफर के भीतर ज्यादा माला में जहर होता है।

पफर फिश की त्वचा मजबूत और रूखी होती है। इनकी कुछ प्रजातियों में रीढ़ की हड्डी होती है। पेट इनके शरीर का सबसे लचीला हिस्सा होता है। जब पफर फिश मुंह से पानी खींचती है, तो इनके पेट का आकार सामान्य आकार से कई गुना फैल जाता है।

इनमें चार नुकीले दांत होते हैं। ये दांतों का इस्तेमाल शंबुक यानी मसल, बड़ी सीपी यानी क्लैम और सीपदार मछली यानी शेलफिश पर हमले के लिए करती हैं। पफर फिश शैवाल और कई तरह के कृमि यानी वॉर्म्स के अलावा कड़े खोल वाले जल जीवों को भी खाती हैं। ये बहुत साफ देख लेती हैं।

बाल कविता

## घर का मतलब

धरती सुबह–सुबह छप्पर से,
लगी जोर से लड़ने।
उसकी ऊंचाई से चिढ़कर,
उस पर लगी अकड़ने।
बोली बिना हमारे तेरा,
बनना नहीं सरल है।
मेरे ऊपर बनते घर हैं,
तू उसका प्रतिफल है।
अगर नहीं मैं होती भाई,
तू कैसे बन पाता।
दीवारें न होतीं, तुझको,
सिर पर कौन बिठाता।
छत बोला यह सच है बहना,
तुम पर घर बनते है।
किंतु बिना छप्पर छत के क्या,
उसको घर कहते हैं?
घर का मतलब, फर्श दीवारें,
छप्पर का होना है।
करो अकड़ना बंद तुम्हारा,
ज्ञान बहुत बौना है।
बिना सहारे एक–दूसरे,
के हम रहें अधूरे।
छत, धरती, दीवारों, दर से,
ही घर बनते पूरे।

## बेटे की सीख

बेटे ने उस दिन बापू से,
कहा, पिताजी वोट डालिए।
आज मिला चुनने का मौका,
इस मौके को, को नहीं टालिए।
यह अवसर भी गया हाथ से,
पांच साल फिर न आएगा।
थोड़ी–सी गफलत के कारण,
गलत आदमी चुन जाएगा।
ऐसे में तो अंधकार के,
हाथों सूरज हार जाएगा।
झूठों के चाबुक सें सच्चा,
निश्चित ही सच मार खाएगा।
यह कहना है व्यर्थ पिताजी,
कि चुनाव से क्या करना है?
'सच्चाई के वोट वोट से,
अच्छों की रक्षा करना है।'
उठो पिताजी करो शीघ्रता,
अच्छे मतदाता बन जाओ।
किसी योग्य अच्छे व्यक्ति को,
चलो वोट डालकर आओ।

## सबसे बड़ा पश्चाताप

श्वेतांक जब भी क्लास में किसी के पास बढ़िया पेन देखता, वह उसे चुराने की जुगत में लग जाता। वह यह बर्दाश्त नहीं कर पाता कि कोई उससे अच्छा पेन खरीद पाए। एक दिन लंच ऑवर में जब सभी बच्चे कक्षा से बाहर थे, उसने कविता के बैग की ओर अपना हाथ बढ़ाया। उसने चारों तरफ देखा और पेन चुरा लिया। वह उसे चुराकर काफी खुश था, क्योंकि अब किसी के पास उससे अच्छा पेन नहीं था।

थोड़ी देर बार लंच पीरियड खत्म हो गया और पढ़ाई शुरू हो गई। टीचर ने नोट्स लिखाना शुरू किया। सबने देखा कि कविता धीरे-धीरे रो रही थी। सभी बच्चों ने उसे चुप कराने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। फिर टीचर ने उससे पूछा- कविता, तुम क्यों रो रही हो? वह बोली- मैडम, मेरा बहुत प्यारा पेन था, जो मेरी मां ने मुझे मेरे जन्मदिन पर उपहार में दिया था, वह खो गया है। मेरी मां सिलाई करके पैसे जोड़ती हैं और उन्हीं पैसों से उन्होंने पेन खरीदकर दिया था। आज मैं उन्हें कैसे बताऊंगी कि उनका दिया हुआ पेन मैं संभालकर नहीं रख पाई। मैडम ने कहा- मैं अभी तुम्हारे क्लास के सहपाठियों के बैग्स चेक करवाती हूं। यह सुनकर श्वेतांक घबरा गया। उसने पेन किसी दूसरी जगह छिपा दिया, जिससे वह किसी को नहीं मिल पाया। शाम को घर आकर श्वेतांक ने मां से पूछा- अगर मेरी वजह से कोई परेशान हो जाए और फिर रोने भी लगे, तो इसका मतलब कि मैं गंदा हूं ना? उसकी मां ने कहा- नहीं बेटा, तुम गंदे नहीं, अच्छे लड़के हो। यदि तुमने किसी को रुलाया है, तो तुम उससे माफी मांग लेना, क्योंकि माफी सबसे बड़ा पश्चाताप है। अब श्वेतांक को मां की बात समझ में आ गई। अगले दिन उसने कविता को उसका पेन दे दिया और माफी मांगते हुए वायदा किया कि आज के बाद ऐसी गलत हरकत कभी नहीं करूंगा। किसी को अपने जीवन में नहीं रुलाऊंगा। कविता ने उसे माफ कर दिया और दोनों सच्चे मित्र बन गए।

# एक्सिस म्युचुअल फंड ने 'एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड' लॉन्च किया

भारत की अग्रणी परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों में से एक, एक्सिस म्युचुअल फंड ने अपना नया फंड-'एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड' लॉन्च किया। यह फंड ओपन-एंडेड रिटायरमेंट समाधान-आधारित स्कीम है, जिसकी लॉक-इन अवधि 5 वर्ष या रिटायरमेंट की उम्र (जो भी पहले हो) तक है। इस नए फंड ऑफर (एनएफओ) को 29 नवंबर, 2019 से 13 दिसंबर, 2019 तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। रिटायरमेंट की प्लानिंग देश के कामकाजी आयुवर्ग वालों के लिए धीरे-धीरे एक प्रमुख समस्या बनती जा रही है, चूंकि उनके पास रिटायरमेंट के बाद लंबी जिंदगी जीने की चुनौती होती है। औपचारिक सामाजिक सुरक्षा और बदलती परंपरागत सहायक पारिवारिक संरचनाओं के मद्देनजर, यह चुनौती गंभीर बन जाती है। एक्सिस एएमसी द्वारा बाजार पर कराये गए एक अध्ययन के निष्कर्षों से इस स्थिति की पुष्टि हुई है। इस अध्ययन के दौरान विभिन्न पृष्ठभूमियों और अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों से संपर्क किया गया, जिनमें से सभी ने रिटायरमेंट को लेकर अपनी तैयारी से जुड़ी चिंताएं जाहिर की। लोग चाहते हैं कि रिटायरमेंट के बाद भी वो आत्मनिर्भर बने रहें और साथ ही, वो नहीं चाहते कि रिटायरमेंट के चलते उनकी जीवनशैली में कोई बदलाव आए। इन चुनौतियों को लेकर बढ़ती जागरूकता के साथ, लोगों को उनकी सहायता हेतु सही वित्तीय समाधान की जरूरत अधिकाधिक महसूस हो रही है। एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड को निवेशकों को उक्त सहायता हेतु विशिष्ट तरीके से डिजाइन किया गया है। इस फंड की कई विशेषताएं हैं, जैसे-लचीले जोखिम प्रोफाइल्स वाले अलग-अलग निवेश प्लान्स, विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में मजबूत फंड प्रबंधन क्षमताएं, कर पर छूट, रिटायरमेंट के बाद की आय के लिए फंड के उपयोग की छूट और साथ ही, निवेशकों के लिए जीवन सुरक्षा उपलब्ध है, ताकि उन्हें अनुशासित बने रहने हेतु प्रोत्साहित किया जा सके। एक्सिस रिटायरमेंट से विंग्सप्लान की लॉक-इन अवधि पांच साल या रिटायरमेंट की उम्र (जो भी पहले हो) तक है। निवेशकों की विभिन्न जोखिम प्रोफाइल्स को ध्यान में रखते हुए, इस फंड में तीन निवेश विकल्प हैं- एग्रेसिव प्लान जिसमें 65-80 प्रतिशत निधि इक्विटी में निवेश की जाएगी, डाइनैमिक प्लान जिसमें 65-100 प्रतिशत निधि को परिवर्तनात्मक तरीके से इक्विटी में निवेश किया जाएगा और कंजर्वेटिव प्लान 40-80 प्रतिशत डेब्ट में निवेश किया जाएगा। रिटायरमेंट फंड जैसे दीर्घकालिक समाधान उपलब्ध कराते समय, विभिन्न जोखिम प्रोफाइल्स के लिए अलग विकल्प होना आवश्यक है। इसका कारण यह है कि जोखिम प्रोफाइल उनकी उम्र और परिस्थिति के आधार पर बदलती रहती है।

### मुख्य बातें

- कामकाजी आयुवर्ग-जो रिटायरमेंट के बाद आत्मनिर्भर बने रहना चाहता है- के लिए रिटायरमेंट की प्लानिंग चुनौती बनती जा रही है।
- एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड को इस प्रकार से डिजाइन किया गया है, ताकि निवेशक दीर्घकालिक रिटायरमेंट प्लानिंग कर सकें।
- इस ओपन एंडेड फंड में निवेशकों की आयु व बदलती परिस्थितियों के आधार पर बदलती जोखिम प्रोफाइल्स के अनुरूप तीन अलग-अलग प्लांस हैं।
- आई-प्लससिप इंश्योरेंस दीर्घकालिकसिप निवेशकों की लंबितसिप प्रतिबद्धताओं के अनुरूप अनूठा निःशुल्क जीवन सुरक्षा प्रदान करता है।
- एनएफओ की तिथि: 29 नवंबर से 13 दिसंबर, 2019 तक।

### आई- प्लससिप इंश्योरेंस

इस फंड की अनूठी एवं नई विशेषता यह है कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निवेशक का दीर्घ कालिक योजनाबद्ध निवेश अज्ञात जोखिम के शिकार न हों। आई-प्लससिप इंश्योरेंस निवेशकों को निःशुल्क जीवन सुरक्षा प्रदानकरता है, जोकि उनके दीर्घकालिकसिप की शेष वचनबद्धता के बराबर है। इसकी इस खूबी के चलते, निवेशकों के मन को सुकून मिलेगा, क्योंकि वो अपने परिवार एवं आश्रितों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक निवेश प्लान्स बनाते हैं। एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा यह इंश्योरेंस प्रदान किया जाएगा।

# 35 के बाद मां बनने पर शिशु को हो सकता है इस बड़ी बीमारी का खतरा

ज्यादा उम्र की महिलाओं से जन्मे लड़कों में दिल संबंधी बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है। एक हालिया शोध में यह दावा किया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज द्वारा किए गए शोध में पाया गया कि उम्रदराज माताओं के गर्भनाल में होने वाले बदलाव के कारण उनसे जन्मे लड़कों के स्वास्थ्य को आगे चलकर नुकसान पहुंच सकता है।

### बेटा होगा तो बढ़ेंगी मुश्किलें

**35 के बाद मां बनने से मुश्किल:** यह शोध चूहों पर किया गया और पाया गया कि 35 की उम्र के ऊपर मां बनने वाली महिलाओं के बेटों के साथ ऐसी समस्या हो सकती है। हालांकि, शोध में पाया गया कि देर से मां बनने वाली महिलाओं के बेटों को तो इसके नकारात्मक परिणाम भुगतने पें लेकिन बेटियों में ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला, बल्कि उनमें कुछ फायदा ही देखा गया। शोधकर्ताओं ने कहा कि माताओं की उम्र ज्यादा होने से गर्भनाल द्वारा बच्चे तक पोषण और ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता कम हो जाती है। पहली गर्भावस्था की उम्र बती जा रही है- शोधकर्ता डॉक्टर अमांडा पेरी ने कहा, महिलाओं में पहली गर्भावस्था की औसत आयु दिनों-दिन बती जा रही है, इसलिए यह समझना जरूरी है कि ज्यादा उम्र में मां बनने वाली महिलाओं के बच्चों में वयस्क होने पर किस तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

शोधकर्ताओं ने कहा कि मां को गर्भ में पल रहे बच्चे से जोने वाली गर्भनाल बेहद गतिशील होती है। महिलाओं की उम्र बने से होने वाले जेनेटिक बदलावों के कारण गर्भनाल के कार्य करने की क्षमता भी प्रभावित होती है। बढ़ती उम्र में पोषण का बंटवारा करना मुश्किल होता है।

शोधकर्ता डॉक्टर टीना नापसो ने कहा कि, ज्यादा उम्र में गर्भधारण करना मां के लिए काफी महंगा साबित होता है क्योंकि उसके शरीर के लिए बच्चों के साथ पोषण का बंटवारा करना थो मुश्किल हो जाता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि शोध के दौरान देखा गया कि उम्रदराज मां और मादा भ्रूण के मामले में गर्भनाल फायदे देता हुए पाया गया। इस दौरान गर्भनाल में सकारात्मक बदलाव देखे गए जो भ्रूण के विकास को ज्यादा फायदा पहुंचाते हैं।

वहीं शोध में पता चला कि नर भ्रूण के मामले में उम्रदराज माताओं का गर्भनाल कमजोर हो जाता है और ठीक से अपना काम नहीं कर पाता।

## मसाला दलिया

### सामग्री

■ 1 कप भुना हुआ दलिया ■ 1 हरी मिर्च ■ 1 प्याज ■ 1 कप लौकी ■ 1 चम्मच सरसों के बीज ■ हल्दी पाउडर ■ 1 बड़ा चम्मच घी ■ 1 कप कटी हुई गाजर ■ 1/2 कप शिमला मिर्च ■ 1 छोटा चम्मच हल्दी ■ 1/2 कप कटे हुए टमाटर ■ ½ कप हरी मटर ■ ½ कप स्वीट कॉर्न ■ ½ टीस्पून काली मिर्च पाउडर ■ 1 नींबू का रस ■ नमक स्वाद अनुसार ■ अनार के बीज और धनिया पती गार्निशिंग के लिए

### विधि

सबसे पहले एक पैन में घी गर्म करें। अब इसमें राई और प्याज डाल दें। प्याज को गोल्डन ब्राउन होने के बाद भूने। इसके बाद इसमें हरी मिर्च, लौकी, कॉर्न्स, गाजर, शिमला मिर्च और मटर डालकर भूनें। अब पैन में टमाटर डालें। इसके बाद पैन में नमक, काली मिर्च और हल्दी पाउडर डालकर पैन को 3-4 मिनट के लिए ढक दें। थोड़ी देर बाद सब्जियों को अच्छी तरह से मिला लें। अब पैन में डालिया और पानी डालकर पैन को दोबारा ढक दें। दलिया को समय-समय पर चेक करते रहे। एक बार दलिया पकने के बाद गैस को बंद करके दलिया में नींबू का रस मिलाकर उसे गर्मा-गर्म प्लेट में अनार के दानों और धनिया पती से गार्निश करके सर्व करें।

## मसाला बनाना करी

### सामग्री

■ 2 कच्चे केले ■ नमक ■ 1/4 टीस्पून हल्दी ■ 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर ■ 1 टेबलस्पून अदरक का पेस्ट, तेल ■ बारीक कटा प्याज और टमाटर ■ चुटकी भर मेथी दाना और सौंफ ■ करी पत्ते ■ 2 टेबलस्पून लहसून का पेस्ट ■ 2 टेबलस्पून धनिया व जीरा पाउडर ■ 2 टेबलस्पून इमली का पल्प

### विधि

छिले हुए केलों को मोटे और गोल टुकड़ों में काट लें। उन पर नमक, हल्दी पाउडर, 1/2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर और आधा अदरक का पेस्ट अच्छी तरह मिला लें। एख नॉनस्टिक पैन में तेल गर्म कर केले के स्लाइसेज भूनें। एक कड़ाही में मेथी दाना, सौंफ, करी पत्ते और प्याज भूनें। बचा हुआ अदरक का पेस्ट, लहुसन का पेस्ट और टमाटर उसमें मिला लें। केलों पर थोड़ा पानी छिड़कें और ढककर पकने दें। अब हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। उसमें आधा कप पानी और नमक मिलाने के बाद केले के टुकड़े और इमली का पल्प मिलाएं। आंच धीमी कर थोड़ा और पानी डालकर कड़ाही ढक दें। 1-2 मिनट तक पकाने के बाद गरमागरम सर्व करें।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

**तुला** (रा री रू रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

**मकर** (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

## काकुरो पहेली 5014

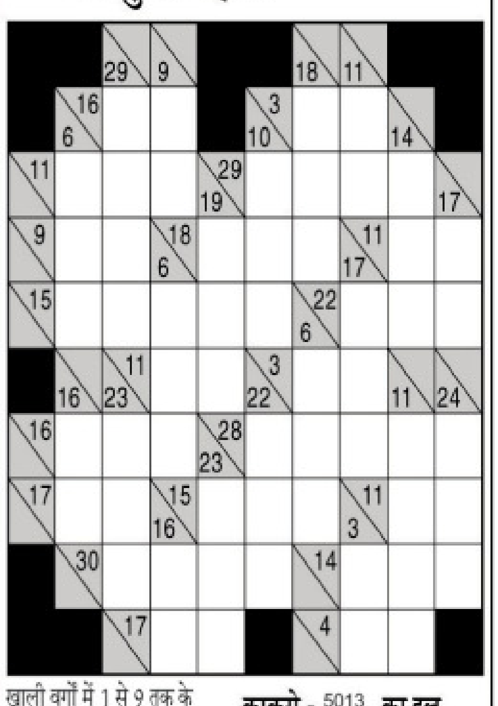

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 5013 का हल

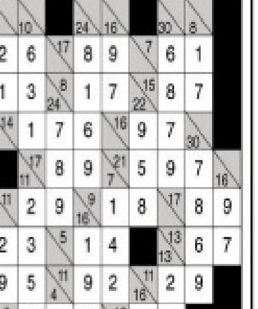

## लॉफिंग जोन

सीदा-साधा चमन लड़कियों से बहुत दूर भागता था। वह नए साल की पार्टी मनाने के लिए घर से निकला ही था कि सामने चौराहे पर एक सुंदर, सजी-धजी युवती पर उसकी निगाह पड़ी।

युवती ने भी उसे देखा और अपने हाथ के गुब्बारे उसकी ओर बढ़ाकर शरारत भरे अदाज में कहा- 'डार्लिंग...! अब चले... पार्टी मनाने।'

चमन लड़खड़ाकर बोला- नहीं! मैंने आज से लड़कियों से दूरी बनाने का संकल्प लिया है।

□ □ □

रमन- 'यार, कल रात घर पहुँचने पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाता रहा, लेकिन किसी ने दरवाजा ही नहीं खोला। आखिर मुझे रात बाहर ही गुजारनी पड़ी।'

चमन- 'फिर सुबह उठकर उन्हें डाँटा की नहीं?'

रमन- 'नहीं यार! कैसे डाँटता...। आँखें खुलने पर देखा तो पता चला कि मैं घर का नहीं बीयर बार का दरवाजा खटखटा रहा था।

□ □ □

## फिल्म वर्ग पहेली- 5014

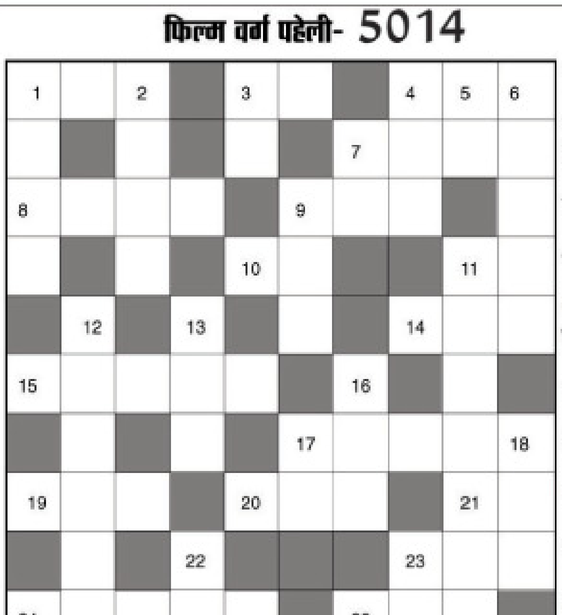

**बायें से दायें:-**

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरुद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5013

## सूडोकु -5014

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 8 | | | | 2 | 6 | | 3 |
| | | | 4 | | | | | |
| 1 | 3 | 5 | | 8 | | | | |
| | 2 | | | 1 | | | 7 | 8 |
| | | | | | | | | |
| 6 | 7 | | | 9 | | | 2 | |
| | | | | 6 | | 5 | 9 | 2 |
| | | | | | 3 | | | |
| 2 | | 8 | 5 | | | | 6 | 1 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5013 हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 3 | 2 | 9 | 5 | 6 | 1 | 7 | 8 |
| 6 | 8 | 5 | 7 | 1 | 4 | 9 | 2 | 3 |
| 9 | 1 | 7 | 3 | 8 | 2 | 4 | 5 | 6 |
| 3 | 4 | 8 | 6 | 2 | 7 | 5 | 1 | 9 |
| 5 | 6 | 1 | 8 | 4 | 9 | 2 | 3 | 7 |
| 2 | 7 | 9 | 5 | 3 | 1 | 6 | 8 | 4 |
| 1 | 9 | 3 | 4 | 7 | 5 | 8 | 6 | 2 |
| 8 | 2 | 4 | 1 | 6 | 3 | 7 | 9 | 5 |
| 7 | 5 | 6 | 2 | 9 | 8 | 3 | 4 | 1 |

## शब्द पहेली -5014

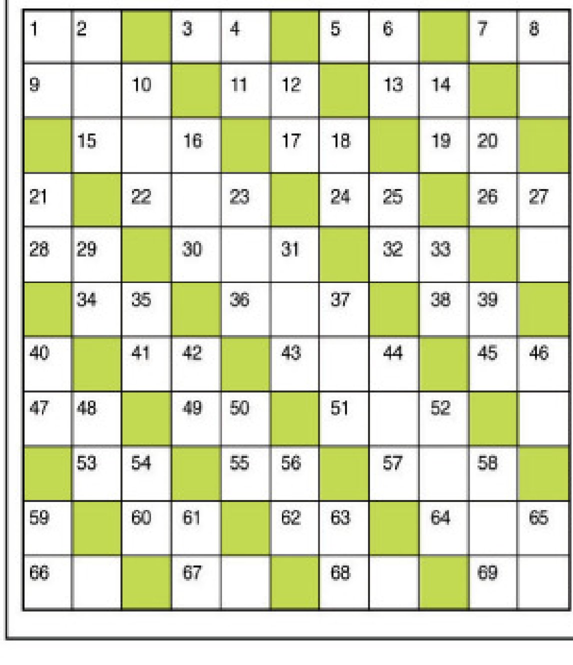

**बाएँ से दाएँ**

1.होठ,अधर-2
3.बडी सवारी गाड़ी-2
5.ढोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बडी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

**ऊपर से नीचे**

1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टोंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली - 5013 हल

# झारखंड सरकार विदेशी घुसपैठियों को दे रही संरक्षण : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

**रांची ।** केंद्रीय कृषि मंत्री और झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर जोरदार जुबानी हमला बोला। रांची के हटिया विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रखा है। इस वजह से राज्य की डेमोग्राफी बुरी तरह प्रभावित हुई है। अगर इस विधानसभा चुनाव के बाद यह सरकार फिर आ गई तो यह तय है कि इस राज्य के मूल निवासी आने वाले दिनों में अल्पसंख्यक होकर रह जाएंगे। चौहान ने कहा कि इस राज्य की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को बचाने के लिए विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत जरूरी है। लोकसभा चुनाव में हमने राज्य की 14 में से 9 सीटें जीतीं और 81 में 50 विधानसभा सीटों पर बढ़त

हासिल की। विधानसभा चुनाव में भी हम 'महाविजय' प्राप्त करेंगे।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव का परिणाम साधारण परिणाम नहीं है, तभी तो तीसरी बार मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने हैं। पीएम मोदी जी की गारंटी पर जनता ने मुहर लगाई है। सामने वाले 99 पर खुश हैं। आप इसी पर खुश रहिए, शासन हम चलाते रहेंगे। कृषि मंत्री ने कहा कि पांच साल पहले जब राज्य में रघुवर दास के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार थी, तो उस वक्त राज्य के किसानों को खेती के लिए प्रति एकड़ पांच हजार रुपए की आर्थिक मदद दी जाती थी। मौजूदा सरकार ने इसे खत्म कर दिया। इसी तरह उन्होंने महिलाओं के नाम पर पचास लाख तक की प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री मात्र एक रुपए में करने की व्यवस्था लागू की थी। इस सरकार ने महिलाओं से उनकी यह सहुलियत भी छीन ली। मोदी जी की सरकार ने राज्य में जल नल योजना के लिए करोड़ों की राशि दी, लेकिन इस सरकार ने उसका दुरुपयोग किया। इस राज्य में जल नल योजना की हालत सबसे बुरी है।

चौहान ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने राज्य में आपराधिक घटनाओं का आंकड़ा पेश करते हुए कहा कि हत्या, लूट, बलात्कार और दंगे की घटनाएं बेतहाशा बढ़ी हैं।

## दिल्ली के केदारनाथ मंदिर का बदलेगा नाम, विरोध के बाद मंदिर समिति का फैसला

एजेंसी

**दिल्ली ।** दिल्ली में केदारनाथ मंदिर के निर्माण को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर अब केदारनाथ धाम दिल्ली ट्रस्ट बैकफुट पर आ गया है। ट्रस्ट ने मंदिर का नाम बदलने का निर्णय लिया है। ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र रौतेला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि हम दिल्ली में केदारनाथ मंदिर बना रहे हैं। केदारनाथ धाम की स्थापना नहीं की जा रही है। इसलिए हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि ट्रस्ट का नाम बदला जाए। साथ ही धाम शब्द को भी हटाया जाए, जिस पर लोगों को आपत्ति है। सुरेंद्र रौतेला ने स्पष्ट किया कि मंदिर निर्माण में उत्तराखंड सरकार और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से कोई मदद नहीं ली गई है। उन्होंने कहा, भारत में 12 ज्योतिर्लिंग के नाम पर कई जगहों पर मंदिर बने हैं। इसी के मद्देनजर दो साल पहले दिल्ली के बुराड़ी में केदारनाथ मंदिर निर्माण के लिए ट्रस्ट बनाया था। कुछ लोग हैं कि जो केदारनाथ मंदिर के दर्शन नहीं कर पाते हैं, इसी के चलते यहां एक मंदिर बनाया जा रहा है। उन्होंने ट्रस्ट के नाम में धाम शब्द जुड़ा होने पर सफाई दी। उन्होंने कहा कि दो साल पहले हमारे द्वारा रजिस्ट्रार ऑफिस में ट्रस्ट को पंजीकृत कराया गया था, लेकिन उस दौरान किसी ने उस पर आपत्ति नहीं जताई। मगर अब लोगों की आपत्ति को देखते हुए हम इसे बदलने के लिए तैयार हैं।

## किसानों से बोले सांसद औजला- कांग्रेस पूरी तरह से किसानों के साथ खड़ी है

**अमृतसर।** किसानों के एक दल ने बुधवार को सांसद गुरजीत सिंह औजला से मुलाकात की और उनसे अपने मुद्दे संसद में उठाने का आग्रह किया। गुरजीत सिंह औजला को संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्यों ने एक मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र लेते हुए सांसद औजला ने उन्हें आश्वासन दिया कि कांग्रेस पूरी तरह से किसानों के साथ खड़ी है और भविष्य में भी रहेगी। संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्यों ने बुधवार सुबह सांसद औजला से मुलाकात कर एक मांग पत्र सौंपा और कांग्रेस सांसदों से किसानों और खेत मजदूरों के साथ खड़े होने और उनकी लंबे समय से लंबित मांगों पर तत्काल और सार्थक कार्रवाई करने को कहा। किसानों की लंबित मांगों को लेकर एक मांग पत्र भी सौंपा गया। इसके अलावा एक निजी विधेयक लाने का भी अनुरोध किया गया जिसके तहत लगातार घटते पानी की स्थिति को संभालने के लिए योजनाएं लाई जाएं। सांसद गुरजीत सिंह औजला ने किसानों से मांग पत्र लेते हुए उन्हें आश्वासन दिया कि कांग्रेस पूरी तत्परता से किसानों का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी किसानों ने उन्हें अपनी मांगें सौंपी हैं और किसानों की जायज मांगों को संसद में दर्ज कराया गया है। ये मांगें संसद के सोशल मीडिया हैंडल पर भी दर्ज हैं।

## शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जारी किया प्री-डीएलएड 2024 का परीक्षा परिणाम

**कोटा।** वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय द्वारा 30 जून को अपरान्ह साढ़े 12 बजे से साढ़े बजे तक राजस्थान के सभी जिलों में प्री डीएलएड परीक्षा-2024 आयोजित कराई गयी थी। परीक्षा के लिए आवेदन 11 मई से 4 जून के बीच आमंत्रित किए गए थे, जिसमें कुल 6 लाख 45 हजार 454 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था।

राज्य के अभ्यर्थियों के हित को ध्यान में रखते हुये मात्र 16 दिन में ही वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने अथक परिश्रम कर परीक्षा परिणाम तैयार किया गया। जिसे आज प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जारी किया। दिलावर ने 6 लाख परीक्षार्थियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को मोबाइल पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। परीक्षा में जोधपुर के छगनलाल प्रजापति ने पहला स्थान प्राप्त किया। उन्हें 600 में से 558 अंक मिले। दूसरे स्थान पर अलवर के निश्चल शर्मा रहे, जिन्हें 600 में 555 अंक मिले। तीसरे स्थान पर अजमेर के चेलाराम रहे उन्हें 600 में 552 अंक मिले।

## लोकसभा चुनाव में जनता को भ्रमित किया गया:सीपी जोशी

**दौसा।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता को भ्रमित किया गया। ऐसे में भाजपा को चुनाव में पराजय का मुंह देखना पड़ा। लेकिन अब जनता का भ्रम उतर चुका है। उन्होंने कहा कि चुनाव में एक नैरेटिव सेट किया गया, लेकिन जनता अब किसी भी झांसे में आने वाली नहीं है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष से जब पूछा गया कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव में लगातार पार्टी की हार के बारे में आपका क्या कहना है? तो उन्होंने कहा कि लगातार हार कैसे हुई 2014 और 2019 में पार्टी ने जीत हासिल की है। ऐसे में लगातार हार नहीं कह सकते। आने वाले विधानसभा उपचुनाव के बारे में उन्होंने कहा कि प्रदेश में पांचों सीटों पर भाजपा की जीत होगी।

## रेलवे ट्रैक पर घायल हुए बाघ शावक, उपचार के लिए चली एक डिब्बे की विशेष ट्रेन

एजेंसी

**सीहोर।** मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में एक रेलवे ट्रैक पर घायल हुए बाघिन के दो शावकों के उचित उपचार के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशों पर एक डिब्बे की विशेष ट्रेन चलाई गई। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कल देर रात एक्स पर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया, मध्यप्रदेश सरकार की तत्परता व संवेदनशीलता से रेलवे ट्रेक पर घायल हुए बाघिन के दो शावकों को समय पर उपचार मिलना प्रशंसनीय है। सीहोर के बुधनी में मिडघाट रेलवे ट्रेक पर हुई दुर्घटना में मध्यप्रदेश सरकार और रेल मंत्रालय ने समन्वय के साथ बेहद कम समय में एक डिब्बे की स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था कर, दोनों शावकों को बेहतरीन उपचार के लिए भोपाल लाकर

अस्पताल में भर्ती कराया है। ईश्वर से दोनों शावकों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।सोमवार सुबह सीहोर जिले में बुधनी के पास मिडघाट रेल्वे ट्रेक पर बाघिन के तीन शावक दुर्घटना में घायल हो गए थे। एक शावक की तो मृत्यु हो गई थी, लेकिन शेष दो घायल थे। घायल शावकों को भोपाल के वन्य प्राणी चिकित्सालय लाने के लिए एक डिब्बे की विशेष ट्रेन की व्यवस्था की गई।

## सुशासन बाबू ने कभी अपराधियों से समझौता नहीं किया : शाहनवाज हुसैन

एजेंसी

**पटना ।** बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता की हत्या पर राजद प्रदेश सरकार पर लगातार हमला बोल रही है। इस बीच एनडीए के विभिन्न घटक दलों ने विपक्षी खेमे को उसका इतिहास याद दिलाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने राजद के दौर को जंगलराज बताया। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि जो लोग जंगलराज कायम करने वाले रहे हैं, उन्हें ख्वाब में भी जंगलराज ही याद आता है। नीतीश कुमार सुशासन बाबू हैं,उन्होंने कभी अपराधियों से समझौता नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि जीतन सहनी की हत्या बहुत ही दुखद है। देश के गृह मंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश ने मुकेश सहनी से बात की है। उन्हें भरोसा दिलाया है कि जो भी अपराधी घटना को अंजाम देने में शामिल है, वो बचेंगे नहीं। पुलिस अपराधी के करीब पहुंच चुकी है। हम लोग जांच रिपोर्ट आने का इंतजार कर रहे हैं। बिहार के भीतर अपराध से कोई समझौता न हुआ है, नहीं होगा। विपक्ष के आरोपों पर जदयू नेता जयंत राज कुशवाहा ने भी

प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, इतना बड़ा राज्य है, घटना हो जाती है। इस पर कार्रवाई भी हो रही है। हम आश्वासन देते हैं कि नीतीश कुमार के राज में कोई अपराधी बचने वाला नहीं है। अपराधी कोई भी हो, उसे छोड़ने का काम नहीं किया जाएगा। किसी भी हालात में उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष का काम है आरोप लगाना, वे लगा रहे हैं। कम से कम विपक्ष को ये तो समझ में आ रहा है कि अगर किसी के परिवार में घटना घटती है तो यह कितना दुखद है। नीतीश कुमार के इस्तीफे को लेकर उन्होंने कहा कि अगर तेजस्वी के डिप्टी सीएम होते कोई घटना घटती थी तो क्या वे इस्तीफा दे देते थे। सारे अधिकारी और नेता अपने दायरे में काम कर रहे हैं। इनका काम है कुछ भी बोलते रहना। भाजपा नेता संजय जायसवाल ने कहा कि हर अपराधी पकड़ा जाएगा। अपराध रुकना चाहिए। बिहार के वर्तमान सरकार की खासियत है आज तक कोई अपराधी बचा नहीं है। उन्होंने विपक्ष के आरोपों पर कहा कि उनके शासनकाल में घर पर अपहरण के फोन कॉल आते थे। हत्या हो जाती थी। उस समय नीतीश कुमार ने सभी अपराधियों का एनकाउंटर करवाया और उन्हें जेल में बंद कराया। डर से कुछ अपराधी तो राज्य छोड़कर भी भाग गए।

## सीबीआई के पास केजरीवाल के खिलाफ सबूत नहीं, हाई कोर्ट में बोले अभिषेक मनु सिंघवी

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** दिल्ली हाईकोर्ट में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट में उनकी ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और विक्रम चौधरी पेश हुए और सीबीआई की ओर से लोक अभियोजक डीपी सिंह।

केजरीवाल की ओर से दलील रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, सीबीआई के पास अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई सबूत नहीं हैं। साजिशन उन्हें फंसाने की कोशिश की जा रही है। जब लगा कि ईडी वाले मामले में उन्हें सलाखों के पीछे नहीं रखा जा सकता तो सीबीआई से उन्हें गिरफ्तार करवाया गया। यह पीएमएलए का मामला नहीं है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का आदेश बताता है कि अरविंद केजरीवाल को रिहा किया जाना चाहिए। अब उन्हें सलाखों के पीछे रखने का कोई औचित्य नहीं है। यह सारा प्रपंच सिर्फ सिर्फ उन्हें सलाखों के पीछे रखने के मकसद से किया गया है। इसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा, इसी मामले में सीबीआई ने दो एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद 14 अप्रैल 2023

को केजरीवाल को समन जारी किया गया। 16 अप्रैल को उनसे इस मामले में कई घंटे पूछताछ हुई, लेकिन कोई तथ्य सामने नहीं आया। ध्यान देने वाली बात है कि 21 मार्च 2023 से पहले सीबीआई ने उन्हें कभी नहीं बुलाया। इसके बाद ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई ने केजरीवाल के खिलाफ एक साल तक कुछ नहीं किया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने ईडी वाले मामले में उन्हें अंतरिम जमानत दी। इसके बाद उन्हें दो जून को वापस तिहाड़ भेज दिया गया।

अभिषेक मनु सिंघवी ने आगे कहा, अभी तक सीबीआई यह नहीं बता पाई है कि आखिर केजरीवाल को गिरफ्तार क्यों किया गया है? यह पूरी तरह से कानून का उल्लंघन है। केजरीवाल देश के सम्मानित राजनेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं, लिहाजा उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। बता दें कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के संबंध में 25 जून को याचिका दाखिल की गई थी। सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी को केजरीवाल ने चुनौती दी है। इसमें आर्टिकल 21 से लेकर 22 की अनदेखी का आरोप लगाया गया है। जांच एजेंसी बार-बार यही राग अलाप रही है कि केजरीवाल पूछताछ में सवालों का उचित जवाब नहीं दे रहे हैं।

# सुस्त निवेश से 10 वर्ष में घाटी आर्थिक विकास की रफ्तार : कांग्रेस

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि मोदी सरकार भले ही बराबर तेज आर्थिक विकास की बात करती है लेकिन सच यही है कि पिछले 10 वर्ष के दौरान विदेशी निवेश में कमी आई है और इसके कारण आर्थिक विकास की रफ्तार कमजोर पड़ी है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने आज यहां कहा,÷2014 के बाद से भारत के तेज़ी से वृद्धि न करने का मुख्य कारण सुस्त निवेश दर, अस्थिर नीतियां, मित्र पूंजीवाद का बोलबाला के साथ ही ईडी, आईटी, सीबीआई का रेड राज - इन तीन वजहों से 2014 से कम निवेश हो रहा है।÷

उन्होंने कहा, कम निवेश मध्यम और दीर्घकालिक जीडीपी की वृद्धि

दर को नीचे खींचता है, जिसके परिणामस्वरूप मजदूरी और उपभोग वृद्धि में गिरावट आती है। भारत में निजी घरेलू निवेश 2014 से सुस्त है। डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान यह जीडीपी के 25-30 प्रतिशत के रेंज में था। स्वयंभू परमात्मा के अवतार के कार्यकाल में, यह जीडीपी के 20-25 प्रतिशत के रेंज में है लेकिन 2014 से सकल एफडीआई भी कमोबेश स्थिर रहा है। हालांकि, यह कहानी का केवल एक हिस्सा भर है। कम से कम 2016 से, दुनिया भर की बहु-राष्ट्रीय कंपनियाँ चीन से हटकर अन्य विकासशील देशों में निवेश करना चाह रही हैं।

प्रवक्ता ने कहा, इस स्थिति में भारत एक बड़े और बढ़ते लेबर पूल के साथ सही समय पर बिल्कुल सही जगह पर था - लेकिन एफडीआई हासिल करने और मैन्युफैक्चरिंग एवं निर्यात-उन्मुख अर्थव्यवस्था बनने का यह अवसर बर्बाद कर दिया गया। बंगलादेश और वियतनाम जैसे देश लाभ लेने में कामयाब हो गए। कॉरपोरेट टैक्स में कटौती और पीएलआई जैसी रियायतें मौलिक रूप से मुक्त समाज, राजनीति और अर्थव्यवस्था की भरपाई नहीं कर सकती हैं-जो कि नोटबंदी जैसे मास्टरस्ट्रोक, मित्र पूंजीवाद और रेड राज से त्रस्त है। भारत को नीतियों में छोटे-मोटे फेरबदल की नहीं, बल्कि राजनीतिक अर्थव्यवस्था के लिए एक नए, उदारता से भरे दृष्टिकोण की ज़रूरत है।

## अमृतसर में दो तस्कर गिरफ़्तार, भारी मात्रा में हेरोइन, हथियार बरामद

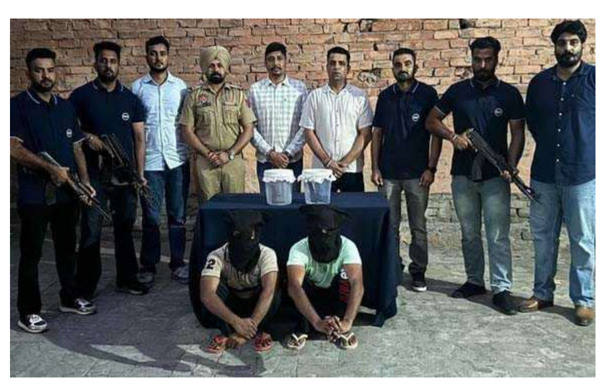

एजेंसी

**अमृतसर।** पंजाब के अमृतसर में पुलिस ने ड्रग तस्करी को बड़ा झटका देते हुए बुधवार को दो तस्करों को गिरफ़्तार कर उनके पास से सात किलो हेरोइन, पांच पिस्तौल, पांच जिंदा कारतूस और पांच मैगजीन बरामद की। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ़्तार किए गए लोगों से पूछताछ में इनका पाकिस्तान लिंक का पता चला। पुलिस ने इस मामले में आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की है।

## रिजिजू ने बालटाल का दौरा किया, अमरनाथ यात्रियों के लिए व्यवस्थाओं का लिया जायजा

एजेंसी

**श्रीनगर।** केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले में बालटाल आधार शिविर का दौरा किया और अमरनाथ यात्रा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

श्री रिजिजू आज सुबह बालटाल आधार शिविर पहुंचे और यात्रा के सबसे छोटे मार्ग से तीर्थयात्रा कर रहे श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाओं सहित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने उन्हें सुचारू रूप से जारी अमरनाथ यात्रा और मार्ग पर तीर्थयात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट वीडियो में बालटाल की ऊंचाइयों पर छाता पकड़े हुए स्थिति का जायजा लेते नजर आ रहे हैं।

बावन दिवसीय वार्षिक अमरनाथ यात्रा गत 29 जून को दक्षिण कश्मीर के नुनवान पहलगाम

और मध्य कश्मीर के बालटाल के दोहरे मार्गों से शुरू हुई थी। दक्षिणी कश्मीर में हिमालय पर स्थित अमरनाथ की पवित्र गुफा में अब तक तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बफार्नी बाबा के दर्शन कर चुके हैं और यह यात्रा 19 अगस्त को समाप्त हो जाएगी।

## इंदौर में डकैती को लेकर पटवारी ने सरकार को घेरा

एजेंसी

**इंदौर।** मध्यप्रदेश के इंदौर में एक बैंक में डकैती को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया है कि सरकार इंदौर में बेलगाम हो रहे अपराधों को रोकने में नाकाम है।

श्री पटवारी ने एक्स पर पोस्ट किया, मध्यप्रदेश की औद्योगिक राजधानी इंदौर की पंजाब नेशनल बैंक में दिनदहाड़े लूट की वारदात हो गई! मुंह पर नकाब, रेनकोट पहनकर आए बदमाश ने बैंक के अंदर घुसकर हवाई फायर किया! कैश काउंटर पर बैठी महिला कर्मचारी से बैग में रुपए भरवाए और मौके से फरार हो गया! शहर के सबसे व्यस्त इलाके में हुई इस वारदात ने आम जनता को दहशत से भर दिया है! लोग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं! उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में बढ़ते हुए अपराध बेलगाम तो पहले से ही थे, अब इसमें सनसनीखेज लूट और डकैती की वारदात भी शामिल होती जा रही है। सरे बाजार यदि बैंक लूट लिया जाता है, तो कल्पना कीजिए कि छोटी-छोटी लूट और चोरियों को लेकर अपराधियों में कितना दुस्साहस भरा होगा। इंदौर में बेलगाम हो चुके अपराध को रोकने में नाकाम रही भारतीय जनता पार्टी सरकार अपनी कार्यशैली को लेकर लगातार जनता की मुश्किलें बढ़ाती जा रही हैं। इंदौर में एक मास्क पहना नकाबपोश लुटेरा पंजाब नेशनल बैंक की एक शाखा में कुछ ही मिनट में लाखों की डकैती करके भाग गया। आरोपी ने बैंक में घुसकर गोलियां चलाई और कर्मचारियों को घुटनों के बल बैठाकर रकम लूट कर फरार हो गया।

## जयपुर संभाग में हुआ नौ लाख 92 हजार से ज्यादा वृक्षारोपण

एजेंसी

**जयपुर।** मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत शिक्षा विभाग द्वारा जयपुर संभाग में एक ही दिन में नौ लाख 92 हजार 241 वृक्षारोपण किये गए है। संभागीय आयुक्त डॉ. आरुषि मलिक ने बताया कि अभियान के तहत जयपुर जिले में 50 हजार 104, जयपुर ग्रामीण जिले में एक लाख 45 हजार, दौसा जिले में तीन लाख 45 हजार 243, अलवर जिले में तीन लाख 26 हजार 978, कोटपूतली-बहरोड़ जिले में 81 हजार 923, खैरथल-तिजारा जिले में 23 हजार 953 एवं दूदू जिले में 19 हजार 40 वृक्षारोपण किये गए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में वृक्षों की कमी एवं बढ़ते तापमान को देखते हुए मानसून के मौसम में राज्य सरकार द्वारा सघन वृक्षारोपण किया जा रहा है। वृक्षारोपण अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए राजकीय विद्यालयों में अधिकाधिक वृक्षारोपण करने के लिए जिला शिक्षा

अधिकारियों को निर्देशित किया गया था। अभियान के तहत वन विभाग को आवश्यकतानुसार पौधे उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गए थे।

डा़ मलिक ने बताया कि वृक्षारोपण के बाद संबंधित अधिकारियों को ही पौधे की सुरक्षा एवं पर्याप्त जलापूर्ति की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

## छत्तीसगढ़ डिप्टी सीएम का कांग्रेस पर हमला, कहा पांच साल से हो रही थी तुष्टिकरण की राजनीति

एजेंसी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बुधवार को दिल्ली दौरे पर हैं। इस बीच प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने मीडिया से बातचीत में कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक में शामिल होंगे। इस दौरान वो अन्य विभागों के मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। हम भी सीएम के साथ मंत्रियों से मिलने दिल्ली जा रहे हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली दौरे के दौरान वो मंत्रिमंडल विस्तार पर पार्टी नेतृत्व से चर्चा कर सकते हैं। इस दौरान उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कांग्रेस पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की विष्णु देव साय सरकार गौ तस्करी के खिलाफ सख्त है। प्रदेश में गौ तस्करों के खिलाफ हम सख्त कार्रवाई करेंगे। कांग्रेस सरकार के संरक्षण में प्रदेश में गौ तस्करी हो रही थी। इनके अपने लोग गौ तस्करी में लिप्त थे। साव ने कहा, पांच सालों में उन्होने सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति की है। कांग्रेस मौत और दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं पर राजनीति करती है। वो इन सब पर राजनीति कर प्रदेश की शांत फिजा को अशांत करना चाहते हैं। अब कांग्रेस की मंशा को प्रदेश की जनता समझ चुकी है।

अरुण साव ने 19 जुलाई को होने वाली विधायक दल की बैठक पर भी बात की। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर चर्चा होगी। साथ ही आगे की कार्ययोजना भी बनाई जाएगी। सदन में राज्य सरकार विपक्ष के हर मुद्दों का जवाब देने के लिए तैयार है। सदन चर्चा के लिए है, वो अपने मुद्दे उठाएं, हम जवाब देने के लिए तैयार हैं। वहीं छत्तीसगढ़िया ओलंपिक बंद होने को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार अलग-अलग योजनाओं की समीक्षा कर रही है। जो योजना प्रदेश के हित में हैं उसके बारे में हम विचार कर रहे हैं।

## प्रदेश में बजरी के टेंडर जल्द किए जाएंगे ताकि लोगों को आसानी से उपलब्ध हो सके : जोगाराम

एजेंसी

**जोधपुर।** संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल बुधवार को जोधपुर पहुंचे। सर्किट हाउस में जन सुनवाई की। यहां पत्रकारों से बात करते हुए जोगाराम पटेल ने कहा कि राज्य सरकार का इस बार का बजट सब वर्गो को साथ में लेकर चलने वाला है। बजट को लेकर विपक्ष तक ने इसकी तारीफ की है। बजट सभी वर्गों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने बजट के क्रियान्वयन को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दे दिए हैं। जल्द ही बजट घोषणाएं धरातल पर नजर आने लग जाएंगी। पटेल ने कहा कि किसानों को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। अब यदि किसी किसान के खेत में से विद्युत विभाग की लाइन निकलती है तो पोल के नीचे की जमीन और उसके 1 मीटर की परिधि की जमीन का मुआवजा भी दिया जाएगा, वह भी डीएलसी रेट का दोगुना। जोगाराम पटेल ने प्रदेश के सबसे ज्वलंत, बजरी के मुद्दे पर कहा कि अब जल्द बजरी की टेंडर प्रक्रिया पूरी की जाएगी ताकि आम व्यक्ति को सस्ती बजरी मिल सके। साथी बेचने वाले आसानी से बेच सके और खरीदार भी आसानी से खरीद सकें। साथ ही लॉ एंड आर्डर जैसी समस्या भी सुधरेगी।पांच साल में चार लाख नौकरियां देने की सरकार के वादे पर विपक्ष द्वारा सवाल खड़े किए जाने पर जोगाराम पटेल ने कहा कि सरकार ने रोजगार को लेकर तमाम तैयारियां पूरी कर ली है। 50000 लोगों को रोजगार दे दिया है, साथ ही प्रत्येक विभाग से जानकारी जुटाई जा रही है कि वहां कब और कितने कर्मचारी रिटायर हो रहे हैं। सरकार अपने वादे को पूरा करने के लिए कटिबद्ध है। जोगाराम पटेल ने कहा कि निजी क्षेत्र में भी रोजगार सृजन के प्रयास किए जाएंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने संविदा कर्मियों को भी रोजगार दिए जाने पर कहा कि संविदा कर्मी हमारे परिवार का ही हिस्सा हैं, उनका भी पूरा ख्याल रखा जाएगा।

# राजकुमारी और चांद खिलौना

एक राजा था उसकी एक छोटी सी बेटी थी। वह उसे बहुत प्यार करता था। एक बार राजकुमारी बीमार पड़ गई। कई डॉक्टर बुलाए गए लेकिन कोई भी उसका इलाज नहीं कर पाया। क्योंकि उसकी बीमारी का पता नहीं चल पा रहा था। एक दिन राजा उदास होकर राजकुमारी से बोला समझ में नहीं आ रहा कि मैं क्या करूं? तुम्हारे इलाज के लिउ कुछ भी करने को तैयार हूं।

यह सुनकर राजकुमारी झट से बोली फिर मेरे लिए चांद मंगवा दिजीए। मैं उससे खेलूंगी तो मेरी तबियत ठीक हो जाएगी। राजा ने खुश होकर कहा ठीक है मैं तुम्हारे लिए चांद मंगवाने का प्रबंध करता हूं।

राजा के दरबार में बहुत से योग्य व्यक्ति थे। सबसे पहले उसने अपने प्रधानमंत्री को बुलवाया और उससे धीरे से कहा रानी बेटी को खेलने के लिए चांद चाहिए। आज नहीं तो कल रात तक जरूर आ जाना चाहिए।

चांद प्रधानमंत्री ने आश्चर्य से कहा। उसके माथे पर पसीना आ गया। थोड़ी देर बाद वह बोला महाराज मैं दुनिया के किसी भी कोने से कोई भी चीज मंगवा सकता हूं लेकिन चांद लाना मुश्किल है। राजा ने प्रधानमंत्री को तुरन्त दरबार से बाहर जाने का आदेश दे दिया। और प्रधान सेनापति को बुलवाया।

प्रधान सेनापति के आने पर राजा ने उनसे भी चांद लाने की बात कही सेनापति ने भी चांद लाने में अपनी असमर्थता व्यक्त की और तर्क दिया कि चांद को कोई भी नहीं ला सकता। वह यहां से डेढ़ लाख मील दूर है।

राजा ने उसे भी चले जाने को कहा और अपने खजांची को बुलाया उसने भी राजकुमारी के लिए चांद लाने में असमर्थता जताई। जाओ यहां से जाओं राजा चीखा और बोला दरबारी जोकर को बुलाओ। जोकर ने आते ही झुककर सलाम किया और पूछा सरकार आपने मुझे बुलाया? हां राजा रो पड़ा जब तक रानी बेटी को चांद नहीं मिलेगा तब तक उनकी तबियत ठीक नहीं होगी क्या तुम चांद ला सकते हो?

हां क्यो नहीं पर राजकुमारी कितना बड़ा चांद चाहती है कोई बात नहीं मैं खुद उनसे जा कर पूछ लेता हूं। जोकर बोला और सीधे राजकुमारी में कमरे में चला गया। राजकुमारी ने जोकर को देखकर पूछा कि चांद लाए। जोकर ने कहा अभी नहीं लेकिन जल्द ला दूंगा। पहले ये बताओं कितना बड़ा चांद चाहिए। राजकुमारी ने कहा कि मेरे अंगूठे के नाखून बराबर क्योंकि जब मैं आंख के सामने अंगूठे का नाखून कर देती हूं तो वह दिखाई नहीं देता। अच्छा यह और बता दो कि चांद किस चीज का बना है और कितनी ऊंचाई पर है? चांद सोने का बना है और पेड़ के बराबर ऊंचाई पर है राजकुमारी ने बोला।

ठीक है आज रात को मैं पेड़ पर चढ़कर चांद उतार लाऊंगा। जोकर ने कहा और राजा के पास चला गया और उसने राजा को बोला कि मैं कल राजकुमारी के लिए चांद का खिलौना ले आऊंगा। और उसने अपनी योजना राजा को बता दी। राजा योजना सुनकर बहुत खुश हुआ। अगले दिन दरबारी जोकर सुनार से एक सोने का चांद बनवा कर ले आया। उसने यह चांद राजकुमारी को दे दिया राजकुमारी बहुत खुश हुई। उसने चांद को जंजीर में डालकर गले में लटका लिया। उसकी तबियत ठीक हो गई। लेकिन राजा को चिन्ता खाय जा रही थी कि जब राजकुमारी जब खिड़की में से चांद को देखेगी तो क्या कहेगी। वह सोचेगी कि पिताजी ने उससे झूठा वादा किया था। रात को जब चांद निकला तो राजकुमारी उसे देखने लगी। राजा और जोकर उसके कमरे में खड़े थे। जोकर ने राजकुमारी से पूछा कि अच्छा राजकुमारी ये तो बताओ कि जब चांद तुम्हारे गले में लटका है तो आसमान में कैसे निकल आया?

राजकुमारी हंस कर बोली तुम मूर्ख हो जैसे मेरा जब दंत टूट जाता है तो दूसरा निकल आता है वैसे ही चांद भी दूसरा निकल आया है। यह सुनकर राजा ने राहत की सांस ली और खुशी खुशी राजकुमारी के साथ खिलौने से खेलने लगा।

# गुरु नानकदेव की सीख

एक डाकू गुरु नानकदेवजी के पास आया और चरणों में माथा टेकते हुए बोला- मैं डाकू हूँ, अपने जीवन से तंग हूँ। मैं सुधरना चाहता हूँ, मेरा मार्गदर्शन कीजिए, मुझे अंधकार से उजाले की ओर ले चलिए। नानकदेवजी ने कहा- तुम आज से चोरी करना और झूठ बोलना छोड़ दो, सब ठीक हो जाएगा। डाकू प्रणाम करके चला गया। कुछ दिनों बाद वह फिर आया और कहने लगा- मैंने झूठ बोलने और चोरी से मुक्त होने का भरसक प्रयत्न किया, किंतु मुझसे ऐसा न हो सका। मैं चाहकर बदल नहीं सका। आप मुझे उपाय अवश्य बताइए।

गुरुनानक सोचने लगे कि इस डाकू को सुधरने का क्या उपाय बताया जाए। उन्होंने अंत में कहा- जो तुम्हारे मन में जो आए करो, लेकिन दिन भर झूठ बोलने, चोरी करने और डाका डालने के बाद शाम को लोगों के सामने किए हुए कामों का बखान कर दो। डाकू को यह उपाय सरल जान पड़ा।

इस बार डाकू पलटकर नानकदेवजी के पास नहीं आया क्योंकि जब वह दिनभर चोरी आदि करता और शाम को जिसके घर से चोरी की है उसकी चौखट पर यह सोचकर पहुँचता कि नानकदेवजी ने जो कहा था कि तुम अपने दिन भर के कर्म का बखान करके आना लेकिन वह अपने बुरे कामों के बारे में बताते में बहुत संकोच करता और आत्मग्लानि से पानी-पानी हो जाता। वह बहुत हिम्मत करता कि मैं सारे काम बता दूँ लेकिन वह नहीं बता पाता।

हताश-निराश मुँह लटकाए वह डाकू एक दिन अचानक नानकदेवजी के सामने आया। अब तक न आने का कारण बताते हुए उसने कहा-मैंने तो उस उपाय को बहुत सरल समझा था, लेकिन वह तो बहुत कठिन निकला। लोगों के सामने अपनी बुराइयाँ कहने में लज्जा आती है, अतः मैंने बुरे काम करना ही छोड़ दिया। इस तरह नानकदेव जी ने उसे अपराधी से अच्छा इंसान बना दिया।

# शेख चिल्ली की चिट्ठी

बच्चो, तुमने मियाँ शेख चिल्ली का नाम सुना होगा। वही शेख चिल्ली जो अकल के पीछे लाठी लिए घूमते थे। उन्हीं का एक और कारनामा तुम्हें सुनाएँ।

मियाँ शेख चिल्ली के भाई दूर किसी शहर में बसते थे। किसी ने शेख चिल्ली को बीमार होने की खबर दी तो उनकी खैरियत जानने के लिए शेख ने उन्हें खत लिखा। उस जमाने में डाकघर तो थे नहीं, लोग चिट्ठियाँ गाँव के नाई के जरिये भिजवाया करते थे या कोई और नौकर चिट्ठी लेकर जाता था।

लेकिन उन दिनों नाई उन्हें बीमार मिला। फसल कटाई का मौसम होने से कोई नौकर या मजदूर भी खाली नहीं था अतः मियाँ जी ने तय किया कि वह खुद ही चिट्ठी पहुँचाने जाएँगे। अगले दिन वह सुबह-सुबह चिट्ठी लेकर घर से निकल पड़े। दोपहर तक वह अपने भाई के घर पहुँचे और उन्हें चिट्ठी पकड़ाकर लौटने लगे।

उनके भाई ने हैरानी से पूछा - अरे! चिल्ली भाई! यह खत कैसा है? और तुम वापिस क्यों जा रहे हो? क्या मुझसे कोई नाराजगी है?

भाई ने यह कहते हुए चिल्ली को गले से लगाना चाहा। पीछे हटते हुए चिल्ली बोले - भाई जान, ऐसा है कि मैंने आपको चिट्ठी लिखी थी। चिट्ठी ले जाने को नाई नहीं मिला तो उसकी बजाय मुझे ही चिट्ठी देने आना पड़ा।

भाई ने कहा - जब तुम आ ही गए हो तो दो-चार दिन ठहरो। शेख चिल्ली ने मुँह बनाते हुए कहा - आप भी अजीब इंसान हैं। समझते नहीं। यह समझिए कि मैं तो सिर्फ नाई का फर्ज निभा रहा हूँ। मुझे आना होता तो मैं चिट्ठी क्यों लिखता?

# कैसे बनी आइसक्रीम

बच्चो हम सब आइसक्रीम तो खाते है पर कभी ये जानने की कोशिश पहले कैसे बनाया जाता था ? भारत में मुगल शासनकाल के दौरान आइस जाता है कि अरब जगत के लोगों ने सबसे पहले आइसक्रीम के उत्पादन में शुरूकिया। वे फलों की बजाय चीनी मिलाकर इसको मीठा करते थे। फालूद और अफगानिस्तान से मानी जाती है। करीब 200 ईसा पूर्व के आस-पार मिश्रण को जमाकर खाने की परंपरा मिलती है। रोम का शासक नीरो (37- को मंगाता था और उनमें फलों के ऊपरी हिस्से को मिलाकर खाता था।

18वीं सदी में ब्रिटेन और अमेरिका की रेसिपी में आइसक्रीम बनाने की आधुनि ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी के अनुसार 1744 में पहली बार आइसक्रीम शब्द का उल्लेख मिलता है।दुनिया के पहले आइसक्रीम पार्लर की शुरुआत 1776 में अमेरिका में हुई थी।20वीं सदी में ब्रिटेन में आइसक्रीम बनाने के आसान तरीके विकसित होने से बढ़ोतरी हुई। उसी दौर में रेफ्रिजरेटर के अस्तित्व में आने के बाद इसको घरों में संरक्षित रखा जाना शुरूहुआ। साइकिल में लेकर इसे बेचने की शुरुआत लंदन में 1923 में हुई थी। जिसमें बेचने वाले डिब्बे पर लिखा होता था- स्टॉप मी ऐंड बाई वन। अमेरिका आइसक्रीम का दुनिया में सबसे बडा उपभोक्ता है। दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया का नाम आता है।

## पंजाब एफसी ने आगामी सीज़न से पहले पांच भारतीय खिलाड़ियों को किया रिटेन

एजेंसी

**मोहाली।** पंजाब एफसी ने आगामी 2024-25 सीज़न से पहले पांच भारतीय खिलाड़ियों को आज रिटेन करने की घोषणा की है। युवा मिडफील्डर आशीष प्रधान, रिकी शाबोंग, मंगलेंथांग किपगेन, अनुभवी डिफेंडर सुरेश मैतेई और गोलकीपर रवि कुमार ने कई साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करते हुए क्लब में अपना कार्यकाल बढ़ा दिया है। वे पिछले सीज़न में क्लब के लिए प्रमुख खिलाड़ी थे और क्लब ने इन खिलाड़ियों पर अपना भरोसा बरकरार रखा है।रवि और आशीष ने अपना अनुबंध मई 2026 तक बढ़ा दिया है, जबकि सुरेश और रिकी ने मई 2027 तक दो साल का अनुबंध किया है। क्लब ने किपगेन का अनुबंध मई 2028 तक बढ़ा दिया है। रवि ने पिछले आईएसएल सीज़न में 16 मैच खेले थे और तीन क्लीन शीट रखते हुए 47 बचाव किए। सेंटर बैक सुरेश मैतेई ने टीम के डिफेंसिव प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 14 बार टीम के लिए खेला है और एक बार सहायता भी की है । आशीष प्रधान, रिकी शाबोंग और मैंगलेंथांग किपगेन ने ग्राउंड के मध्य में मज़बूती और रचनात्मकता जोड़ते हुए क्रमशः 17, 10 और चार टीम के लिए प्रदर्शन किया है। करार विस्तार को लेकर पंजाब एफसी के तकनीकी निदेशक, निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, सभी पांच खिलाड़ी हमारी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण थे और वे आगामी सीज़न में हमारे लिए फिर से महत्वपूर्ण होंगे। वे युवा खिलाड़ी हैं जो मैदान और ड्रेसिंग रूम दोनों में ऊर्जा लाते हैं। मुझे यकीन है कि आने वाले सीज़न में हमारे सफल अभियान के लिए वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

## एसएसपी ने पावर लिफ्टिंग फेडरेशन चैंपियनशिप में विजेता महिला कांस्टेबल पुष्पा चाहर को किया सम्मानित

**मुरादाबाद।** राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग फेडरेशन चैंपियनशिप में मुरादाबाद की महिला कांस्टेबल पुष्पा चाहर द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। पावर लिफ्टिंग फेडरेशन चैंपियनशिप में महिला कांस्टेबल पुष्पा चाहर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर एसएसपी कार्यालय के सभागार में आज सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने कहा कि पुष्पा चाहर ने उप्र पुलिस के साथ पूरे पुलिस महकमे का और मुरादाबाद जनपद का नाम रोशन किया है। एसएसपी ने आगे कहा कि साथी पुलिस कर्मियों को पावर लिफ्टिंग प्लेयर पुष्पा से प्रेरणा लेनी चाहिए। पुष्पा चाहर अपनी ड्यूटी के साथ पूरे मन से खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रही हैं और श्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर रही है। इस दौरान साथी कर्मियों ने पुष्पा को प्रोत्साहित करते हुए बधाई दी।

## कोलकाता पहुंचे तलाल, स्वागत को हवाई अड्डे पर उमड़े समर्थक

**कोलकाता।** मशहूर फ्रांसीसी मिडफील्डर मदीह तलाल मंगलवार तड़के कोलकाता पहुंचे। उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में कोलकाता एयरपोर्ट पर लाल और पीली जर्सी पहने ईस्ट बंगाल के समर्थक बेसब्री से

इंतजार कर रहे थे। फ्रांसीसी मिडफील्डर मदीह पिछले साल आईएसएल में पंजाब एफसी के साथ थे। मिडफील्डर ने अपने पूर्व क्लब एई किफिसिया एफसी को क्लब के इतिहास में पहली बार ग्रीस सुपर लीग में पहुंचाने में मदद की थी। इसके बाद उन्होंने भारतीय क्लब से करार किया। ईस्ट बंगाल ने तलाल के साथ दो साल का अनुबंध किया है।

## सुमित नागल ने करियर की सर्वोच्च एटीपी रैंकिंग हासिल की, शीर्ष 70 में पहुंचे

**नई दिल्ली।** भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने जारी नवीनतम एटीपी रैंकिंग में 68वां स्थान हासिल किया है, जो उनके करियर की सर्वोच्च रैंकिंग है। इसी के साथ वह 1973 में इस प्रणाली की शुरूआत के बाद से चौथे सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए। ऐतिहासिक ग्रैंड स्लैम प्रदर्शनों के बाद नागल पांच पायदान ऊपर चढ़कर शशि मेनन से आगे निकल गए, जिनके नाम सर्वकालिक सूची में संयुक्त रूप से चौथी सर्वोच्च रैंकिंग 71 थी। 26 वर्षीय नागल से आगे सोमदेव देववर्मन (62), रमेश कृष्णन (23) और विजय अमृतराज (18) हैं। नागल ने फ्रेंच ओपन में पदार्पण किया, लेकिन शुरुआती दौर में हार गए। उन्होंने विंबलडन में पुरुष एकल मुख्य ड्रॉ में भी अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की, लेकिन पहले दौर में ही बाहर हो गए।

# जमशेदपुर एफसी ने आगामी इंडियन सुपर लीग के लिए निश्चल चंदन के साथ किया करार

एजेंसी

**नई दिल्ली।**जमशेदपुर एफसी ने नए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सीजन से पहले युवा डिफेंडर निश्चल चंदन के साथ करार किया है, साथ ही उनके प्रदर्शन के आधार पर अनुबंध को बढ़ाने का विकल्प भी दिया गया है। 25 वर्षीय 6 फुट के खिलाड़ी को प्रतीक चौधरी के साथ सेंट्रल डिफेंस में शामिल किया गया है।

चंडीगढ़ में जन्मे मिडफील्डर ने आईएसएल के हवाले से कहा, जमशेदपुर एफसी में शामिल होना एक सपने के सच होने जैसा है! मैं ऐसे समृद्ध इतिहास वाले क्लब का हिस्सा बनकर और आईएसएल में खेलने का अवसर पाकर बहुत खुश हूं। मुझ पर विश्वास करने के लिए मैं हेड कोच खालिद जमील और प्रबंधन का आभारी हूं। उन्होंने कहा, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने और उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मेरा लक्ष्य एक सफल डेब्यू सीजन बनाना है, जिससे टीम को लीग में सर्वश्रेष्ठ डिफेंस हासिल करने में मदद मिले और जमशेदपुर के प्रशंसकों को गर्व हो।

चंदन की फुटबॉल यात्रा 2015 में पंजाब के मिनर्वा अकादमी से शुरू हुई, जहां उन्होंने अपने कौशल को निखारा और बाद में मिनर्वा एफसी के साथ अंडर-18 आई-लीग नॉर्थ जोन चैंपियनशिप में चैंपियन बने।

उन्होंने 2020-21 में पंजाब एफसी के साथ आई-लीग सेकेंड डिवीजन में पदार्पण किया, इसके बाद 2021-23 तक सुदेवा एफसी के साथ काम किया, जहां उन्होंने न केवल कप्तान के रूप में आई-लीग में पदार्पण किया, बल्कि एक गोल भी किया। उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के कारण 2023-24 में चर्चिल ब्रदर्स में चले गए, जहां उन्होंने जमशेदपुर एफसी में शामिल होने से पहले सभी 19 मैच खेले। हेड कोच खालिद जमील ने कहा, निश्चल के पास आगे एक बेहतरीन अवसर है, लेकिन उसे धैर्य रखना चाहिए और अपने मौके का इंतजार करना चाहिए। उसे अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करना चाहिए और टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए लगातार मजबूत प्रदर्शन करना चाहिए।

## अपने घरेलू सत्र में इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान से खेलेगा न्यूजीलैंड

एजेंसी

**वेलिंगटन।** न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बुधवार को अपने घरेलू सत्र की घोषणा की। न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम 2024-25 के घरेलू सत्र में इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान की मेज़बानी करेगी। अब तय कार्यक्रम के अनुसार पुरुष टीम घरेलू सत्र के दौरान तीन टेस्ट, छह वनडे और आठ टी20 मैच खेलेगी।जैसा कि पहले बताया गया था, गर्मियों की शुरुआत 28 नवंबर को क्राइस्टचर्च में इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की पहली सीरीज से होगी। यह सीरीज, जिसमें वेलिंगटन और हैमिल्टन में भी मैच खेले जाएंगे, ब्लैक कैप्स के लिए सबसे लंबे प्रारूप में नौ मैचों के सिलसिले का अंत होगा, जो अफगानिस्तान (1), श्रीलंका (2) और भारत (3) के खिलाफ टेस्ट मैचों के बाद उस असाइनमेंट में प्रवेश करेंगे। इंग्लैंड श्रृंखला के बाद, न्यूजीलैंड तीन टी20आई और इतने ही 50 ओवर के मैचों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका का स्वागत करेगा, जिसके बाद वह एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए पाकिस्तान की यात्रा करेगा, जिसमें दक्षिण अफ्रीका भी शामिल है, यह चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी है जो 19 फरवरी से शुरू होने वाली है।न्यूजीलैंड उस मार्की आईसीसी इवेंट से लौटेगा और 3 अप्रैल तक चलने वाली पांच टी20आई और तीन वनडे मैचों की श्रृंखला में पाकिस्तान की मेजबानी करेगा। यह कार्य आईपीएल 2025 के अभी घोषित होने वाले कार्यक्रम के साथ ओवरलैप होने की संभावना है। इस बीच, महिला टीम घरेलू गर्मियों के दौरान ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका का स्वागत करेगी, जिसमें वे छह वनडे और छह टी20 मैच खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया दो भागों में श्रृंखला खेलेगाः दिसंबर में तीन वनडे और मार्च के अंत में टी20 मैच के लिए फिर से लौटेगा। श्रीलंका अपनी पूरी श्रृंखला एक बार में, मार्च में खेलेगा। गर्मियों के उनके आखिरी पांच टी20 मैच पुरुष टीम के साथ डबल-हेडर के रूप में खेले जाएंगे।

# पेरिस ओलंपिक टेबल टेनिस : श्रीजा अकुला, मनिका बत्रा सर्वोच्च वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** श्रीजा अकुला (16वीं) और मनिका बत्रा (18वीं) 27 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस 2024 ओलंपिक टेबल टेनिस टूर्नामेंट में सर्वोच्च वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी हैं। अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) ने वरीयता का खुलासा किया। एक विज्ञप्ति के अनुसार, पुरुष और महिला एकल प्रतियोगिताओं में कुल 67 खिलाड़ियों को वरीयता दी गई है, जबकि दोनों टीम स्पर्धाओं के लिए 16-16 टीमों को वरीयता दी गई है।

पिछले महीने, श्रीजा अकुला विश्व टेबल टेनिस रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ 24वीं रैंकिंग पर पहुंच गई और उन्होंने भारत की शीर्ष महिला एकल खिलाड़ी के रूप में मनिका बत्रा को हटा दिया। दो बार की राष्ट्रीय चैंपियन 25 वर्षीय श्रीजा जून में लागोस में डब्ल्यूटीटी कंटेंडर

एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी बनीं। अर्चना कामथ के साथ साझेदारी करते हुए उन्होंने युगल खिताब भी जीता। इस बीच, दुनिया की 28वें नंबर की खिलाड़ी मनिका बत्रा को पेरिस 2024 ओलंपिक में अपनी हमवतन से केवल दो स्थान नीचे वरीयता दी गई है। पूर्व राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन मनिका ने मई में सऊदी स्मैश महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी, जिससे वह डब्ल्यूटीटी ग्रैंड स्मैश इवेंट के अंतिम आठ में पहुंचने वाली पहली भारतीय एकल टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गईं। मनिका ओलंपिक में लगातार तीसरी बार भाग लेंगी। शरत कमल अपना पांचवां ओलंपिक प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। दो बार के राष्ट्रमंडल खेलों के पुरुष एकल चैंपियन को पेरिस 2024 ओलंपिक में 24वीं वरीयता दी गई है। टोक्यो 2020 में, 41 वर्षीय अनुभवी को तीसरे दौर में बाहर कर दिया गया था, जो ओलंपिक खेलों में उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। पुरुष एकल में दुनिया में 86वें स्थान पर काबिज राष्ट्रीय चैंपियन हरमीत देसाई को 49वीं वरीयता दी गई है। वह ओलंपिक में पदार्पण करेंगे। इस बीच, भारत आगामी ओलंपिक में टीम टेबल टेनिस स्पर्धाओं में पदार्पण करेगा, जहां चार एकल खिलाड़ियों के साथ मानव ठक्कर (पुरुष टीम) और अर्चना कामथ (महिला टीम) शामिल होंगे। पुरुष और महिला दोनों टीम स्पर्धाओं को 2008 में बीजिंग में ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किया गया था।

पेरिस 2024 में 14वीं वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम शीर्ष पांच एशियाई टीमों में शामिल है। मनिका बत्रा और उनकी टीम को महिला टीम स्पर्धा में 11वीं वरीयता दी गई है। सभी छह भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने अपनी विश्व रैंकिंग के माध्यम से पेरिस 2024 के लिए कट बनाया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मिश्रित युगल टूर्नामेंट में कोई भारतीय प्रतिनिधित्व नहीं है।

पेरिस 2024 ओलंपिक में टेबल टेनिस 27 जुलाई से 10 अगस्त के बीच आयोजित किया जाएगा। सभी पांच प्रतियोगिताएं - पुरुष एकल, महिला एकल, मिश्रित युगल, पुरुष टीम और महिला टीम - साउथ पेरिस एरिना में खेली जाएंगी।

## विश्व जूनियर स्क्वैश के सेमीफाइनल में पहुंचे शौर्य बावा, अनाहत बाहर

**ह्यूस्टन।** शौर्य बावा विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। इसी के साथ वह कुश कुमार (2014 में) के बाद इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। दिल्ली के 18 वर्षीय खिलाड़ी ने लड़कों के क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के लो वा-सेर्न को 2-11, 11-4, 10-12, 11-8, 12-10 से हराकर भारत के लिए पदक पक्का कर दिया। 80 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में, बावा पांचवें गेम में 6-9 और 7-10 से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 3 मैच बॉल बचाए और जीत हासिल की। अंतिम चार चरण में उनका सामना मिस्र के शीर्ष वरीयता प्राप्त मोहम्मद जकारिया से होगा। इस बीच, अनाहत सिंह लगातार तीसरे साल लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में हार गईं। 16 वर्षीय महिला राष्ट्रीय चैंपियन ने नादियन एल्हममी से पांच सेटों में करीबी मुकाबला गंवा दिया।

# एपीसी ने डॉ. दीपा मलिक को दक्षिण एशिया का उप-क्षेत्रीय प्रतिनिधि नियुक्त किया

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रतिष्ठित पैरालिंपियन और पैरालिंपिक खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला डॉ. दीपा मलिक को एशियाई पैरालिंपिक समिति (एपीसी) ने दक्षिण एशिया का उप-क्षेत्रीय प्रतिनिधि नियुक्त किया है। एपीसी की 34वीं कार्यकारी बोर्ड बैठक के दौरान पुष्टि की गई यह ऐतिहासिक नियुक्ति पैरा-स्पोर्ट्स में लैंगिक विविधता और एथलीट-केंद्रित नेतृत्व के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. मलिक की नियुक्ति से एपीसी कार्यकारी बोर्ड में महिला प्रतिनिधियों की संख्या पाँच हो गई है, जो संगठन के इतिहास में बोर्ड में महिलाओं का सबसे बड़ा प्रतिनिधित्व है। उनकी भूमिका में दक्षिण एशियाई देशों का प्रतिनिधित्व करना और पूरे क्षेत्र में पैरा-स्पोर्ट्स के विकास और प्रचार की वकालत करना शामिल होगा। एशियाई पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष राशीद ने बोर्ड के भीतर विविधता के महत्व पर जोर देते हुए कहा, हमारे कार्यकारी बोर्ड की बैठकों में अधिक महिलाओं का होना एक बहुत ही सकारात्मक कदम है, खासकर जब एक आवाज़ डॉ. दीपा मलिक के अनुभव, कौशल और ज्ञान वाले किसी व्यक्ति की हो। एपीसी डॉ. दीपा के व्यापक अनुभव को स्वीकार

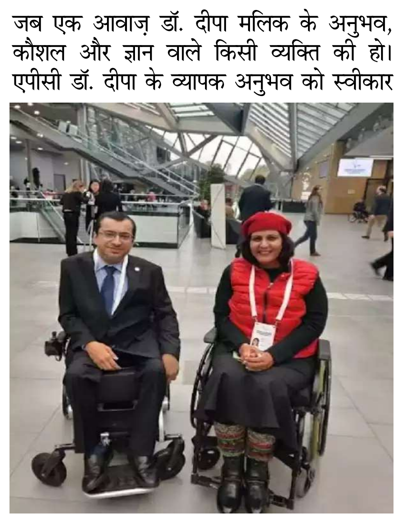

करता है और आश्वस्त है कि दक्षिण एशिया उप क्षेत्र के हमारे सदस्यों का एपीसी कार्यकारी बोर्ड में आपके द्वारा उत्कृष्ट प्रतिनिधित्व किया जाएगा।अपनी नियुक्ति से उत्साहित डॉ. मलिक ने अपना उत्साह और प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा, दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व करना और हमारे क्षेत्र की आवाज़ बनना मेरे लिए सम्मान और अवसर है। भारत लंबे समय से वसुधैव कुटुम्बकम का ध्वजवाहक रहा है और अब इस बड़े परिवार में योगदान देने के लिए एक कदम आगे बढ़ाने का सही समय है। उन्होंने कहा, मेरे लिए बड़े स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने और पैरास्पोर्ट्स के सामूहिक विकास और 'खेलों के माध्यम से समावेशन' में बड़े पैमाने पर योगदान देने का समय आ गया है क्योंकि पैरालंपिक आंदोलन केवल एक देश के लिए महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह विकलांग व्यक्तियों की बेहतरी के लिए खेल के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाना है। इसलिए दक्षिण एशिया के उप क्षेत्र की जिम्मेदारी में यह नेतृत्व की भूमिका - इस क्षेत्र में पैरा-स्पोर्ट्स के सर्वांगीण उत्थान और विकास के लिए आधार बनाने के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के साथ-साथ एकजुट प्रयास करने के लिए पड़ोसी देशों के साथ काम करने का सम्मान और विशेषाधिकार है।

## बास्टाड ओपन : लियो बोर्ग को हराकर दूसरे दौर में पहुंचे राफेल नडाल

एजेंसी

**बास्टाड।** राफेल नडाल ने महान टेनिस खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग के बेटे लियो बोर्ग को 6-3, 6-4 से हराकर बास्टाड ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। 27 मई को रोलांड गैरोस में शुरुआती दौर में हारने के बाद 38 वर्षीय नडाल का यह पहला एकल मैच था। नडाल और 21 वर्षीय बोर्ग, दोनों ही स्वीडिश क्ले-कोर्ट टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री थे।

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी के गीली सफेद रेखा पर फिसलने के शुरुआती डर के बावजूद, नडाल ने 3-1 से ब्रेक लिया, चार ऐस लगाकर 43 मिनट में पहला सेट अपने नाम कर लिया।जल्दी ब्रेक ने स्पैनियार्ड को दूसरे सेट में पैर जमाने का मौका दिया, जिससे कोर्ट पर 1 घंटे 25 मिनट के बाद अपने दूसरे मैच प्वाइंट पर उन्होंने मैच को अपने नाम किया और इस सीजन में अपनी आठवीं एटीपी टूर मैच जीत दर्ज की। नडाल अब दूसरे दौर में पांचवीं वरीयता प्राप्त कैमरून नोरी से खेलेंगे, जिन्होंने स्लोवाक जोजफ कोवालिक को 7-6 (7/4), 6-4 से हराया। नडाल ने

विंबलडन को छोड़कर ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित किया, जो रोलांड गैरोस में खेला जाएगा, जहां उन्होंने 14 फ्रेंच ओपन खिताब जीते हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त एंड्री रूबलेव बुधवार को अर्जेंटीना के 121वें स्थान पर रहने वाले थियागो तिरांटे के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

# रियल मैड्रिड में आधिकारिक तौर पर शामिल होने पर एम्बाप्पे ने कहा- मेरा सपना सच हो गया

**मैड्रिड।** फ्रांसीसी सुपरस्टार किलियन एम्बाप्पे को आधिकारिक तौर पर रियल मैड्रिड का खिलाड़ी घोषित किया गया, जिसके बाद उन्होंने 80,000 प्रशंसकों के सामने कहा कि उनका सपना सच हो गया है। स्ट्राइकर, जिन्होंने मंगलवार की सुबह अपना मेडिकल पूरा कर लिया था, ने पांच साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए और क्लब के अध्यक्ष फ्लोरेंटिनो पेरेज़ ने उन्हें नंबर 9 की टी-शर्ट सौंपी।

25 वर्षीय पूर्व पेरिस सेंट-जर्मेन खिलाड़ी एम्बाप्पे ने खचाखच भरे सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में लोगों की भीड़ के बीच स्पेनिश में कहा, ÷सालों से मैंने रियल मैड्रिड के लिए खेलने का सपना देखा है और आज मेरा सपना सच हो गया। मैं बहुत खुश हूँ। मैं इस क्लब के लिए अपनी

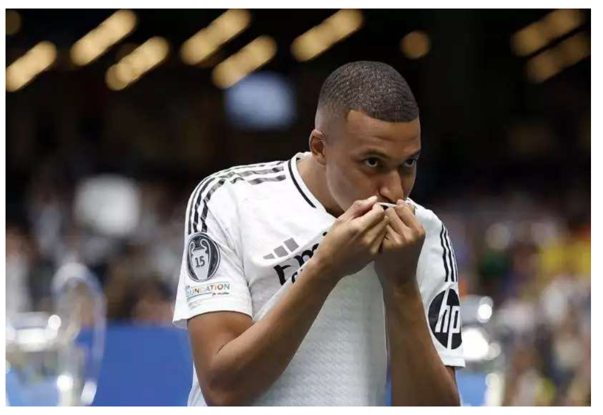

जान देने जा रहा हूँ। स्टेडियम में एक पूर्व फ्रांसीसी दिग्गज ज़िनेदिन ज़िदान की उपस्थिति में, एमबाप्पे भावुक हो गए क्योंकि भीड़ ने उनका नाम पुकारा, और उन्होंने मौजूदा स्पेनिश और यूरोपीय चैंपियन की जर्सी को चूमा।पेरेज़ ने कहा, एमबाप्पे एक असाधारण खिलाड़ी हैं जो हमें जीतते रहने में मदद करने के लिए आते हैं, एक खिलाड़ी जो आज अपने जीवन का सपना पूरा कर रहा है। आपके घर में आपका स्वागत है। हालांकि उनके नए साथियों ने सोमवार को प्रशिक्षण शुरू कर दिया, लेकिन इस फॉरवर्ड, जिन्होंने यूरो के असफल अभियान के दौरान फ्रांस की कप्तानी की थी, को स्पेनिश राजधानी में अपने सीज़न की शुरुआत करने से पहले कुछ और दिन की छुट्टी मिलेगी। एमबाप्पे को पदार्पण के लिए अगले सप्ताह तक इंतजार करना पड़ सकता है, जब रियल मैड्रिड का सामना रियल वलाडोलिड से होगा, जिसे हाल ही में दूसरे डिवीजन से पदोन्नत किया गया है।

# ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड, इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के लिए टीम घोषित की, कूपर कोनोली नया चेहरा

एजेंसी

**नैरोबी।** केन्या की महिला मैराथन धावक जूडिथ जेरुबेट, जिन्होंने 2024 वुहान मैराथन में कांस्य पदक जीता था, पर डोपिंग के लिए दो साल का प्रतिबंध लगाया गया है, एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने उक्त घोषणा की। वहीं, विश्व एथलेटिक्स डोपिंग निरोधक संस्था के अनुसार, 2024 लीमा मैराथन पुरुष रजत पदक विजेता डेनियल मुइंडी को डोपिंग के लिए तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है।

35 वर्षीय जेरुबेट को प्रतिबंधित पदार्थ ट्रायमिसिनोलोन एसीटोनाइड की मौजूदगी के कारण प्रतिबंधित किया गया है, जो आमतौर पर त्वचा की देखभाल में इस्तेमाल किया जाने वाला कॉर्टिकोस्टेरॉइड है। वुहान में, जेरुबेट ने 24 मार्च को 2:27:38 का समय लेकर इथियोपिया की मारे डिबाबा (2:25:12) और साथी केन्याई

पॉलीन कोरिक्कियांग (2:26:40) के पीछे पोडियम स्थान हासिल किया।हालांकि, बीजिंग में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला द्वारा रेस में लिए गए उसके मूत्र के नमूने में प्रतिकूल विश्लेषणात्मक निष्कर्ष मिलने के बाद उस परिणाम को रद्द कर दिया गया। एआईयू के अनुसार, जेरुबेट ने विस्तारित समय-सीमा के बावजूद प्रतिबंधित पदार्थ के बारे में स्पष्टीकरण नहीं दिया या प्रतिक्रिया नहीं दी। जेरुबेट को पहली बार अपराधी के रूप में माना गया, और एआईयूको इस बात का सबूत नहीं मिला कि उसने जानबूझकर डोपिंग की थी। एआईयू ने अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किए गए अपने फैसले में कहा, 7 जून, 2024 [अनंतिम निलंबन की तिथि] से शुरू होने वाली दो साल की अयोग्यता की अवधि और 24 मार्च, 2024 से एथलीट के परिणामों की अयोग्यता, जिसके परिणामस्वरूप सभी परिणाम होंगे, जिसमें किसी भी पदक, पुरस्कार, अंक, पुरस्कार, पुरस्कार राशि और उपस्थिति राशि को जब्त करना शामिल है। भारत और पोलैंड में पांच बार हाफ मैराथन जीतने वाले 29 वर्षीय मुइंडी को नोरैंड्रोस्टेरोन के इस्तेमाल से प्रतिबंधित कर दिया गया है। 19 मई को पेरू में लीमा मैराथन में लिए गए मूत्र के नमूने में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद उन्हें नोरैंड्रोस्टेरोन के इस्तेमाल से प्रतिबंधित कर दिया गया है। पेरू में मुइंडी ने अपने हमवतन डोमिनिक लेटिंग (2:11:48) के पीछे रजत पदक के लिए 2:12:53 का समय निकाला। हालांकि, एआईयू ने एक बयान में घोषणा की कि उसने मुइंडी को गंभीर डोपिंग अपराध के लिए अनिवार्य चार साल के प्रतिबंध से बख्श दिया है, जिसका हाफ मैराथन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 62ः05 है, क्योंकि वह पहली बार डोपिंग का दोषी था, और उसने अपने खिलाफ लाए गए एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन के आरोप का विरोध नहीं किया। केन्या वाडा की उन देशों की सूची में श्रेणी ए का देश बना हुआ है, जिनके एथलीट डोपिंग के सबसे अधिक जोखिम में हैं, एक ऐसी स्थिति जिसने फ्रांस में आगामी ओलंपिक जैसे प्रमुख आयोजनों में अपने प्रतिद्वंद्वियों को प्रवेश से पहले कड़ी शर्तों के साथ देखा है।

इन आयोजनों में देश का प्रतिनिधित्व करने के इच्छुक एथलीटों को एक परीक्षण पूल में पंजीकृत होना चाहिए और उन्हें प्रवेश के लिए चैंपियनशिप से पहले 12 महीनों में कम से कम तीन अनिवार्य, बिना किसी सूचना के प्रतियोगिता से बाहर के परीक्षणों से गुजरना होगा।

# श्रीलंका के खिलाफ टी20 श्रृंखला में सूर्यकुमार कर सकते हैं भारत की कप्तानी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** आगामी श्रीलंका दौरे के लिए सूर्यकुमार यादव को टीम के मौजूदा उप-कप्तान हार्दिक पांड्या की जगह भारत का नया टी20 कप्तान नियुक्त किया जाना तय है। सूर्यकुमार रोहित शर्मा की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले महीने कैरेबियाई सरजमीं पर टी20 विश्व कप जीतने के बाद विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था।

हालांकि हार्दिक टी-20 विश्व कप में रोहित के उप कप्तान थे और अधिक अनुभवी कप्तान हैं - उन्होंने आईपीएल में गुजरात टाइटन्स और मुंबई इंडियंस का नेतृत्व करने के अलावा तीन वनडे और 16 टी-20 मैचों में भारत का नेतृत्व किया है।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार फिटनेस संबंधी चिंताओं और कार्यभार प्रबंधन हार्दिक को कप्तान न बनाए जाने के पीछे का मुख्य कारण है। हार्दिक को पिछले अक्टूबर-नवंबर में घरेलू मैदान पर 50 ओवर के विश्व कप के दौरान टखने में चोट लग गई थी और वे आईपीएल 2024 की शुरुआत तक मैदान से बाहर थे, इसके बाद

वे मुंबई की कप्तानी करने के लिए वापस लौटे। वे केवल टी20 विश्व कप में राष्ट्रीय टीम के लिए लौटे। वास्तव में, हार्दिक ने 2022 की शुरुआत से भारत द्वारा खेले गए 79 टी20 मैचों में से केवल 46 में ही हिस्सा लिया है। इस बीच, सूर्यकुमार पहले भी घरेलू सर्किट में मुंबई की कप्तानी कर चुके हैं। हाल ही में, उन्होंने पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत को 4-1 से जीत दिलाई, उसके बाद दक्षिण अफ्रीका में 1-1 से सीरीज बराबर की। सूर्यकुमार इस प्रारूप में भारत की पहली पसंद की एकादश में भी पहले नामों में शामिल हैं। श्रीलंका में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नए कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारत का पहला दौरा होगा, जो टी20 विश्व कप के बाद राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे। इसे अगले टी20 विश्व कप की तैयारी की दिशा में पहला कदम भी माना जा रहा है, जिसकी भारत 2026 में सह-मेजबानी करेगा। शुभमन गिल की अगुआई में एक युवा भारतीय टीम इस सप्ताह की शुरुआत में जिम्बाब्वे से 4-1 टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज जीतने के बाद लौटी है। इस टीम में विश्व कप जीतने वाली टीम के सिर्फ़ तीन खिलाड़ी शामिल थे।

# तृप्ति डिमरी

## और विक्की कौशल के रोमांटिक सीन पर चली सेंसर की कैंची, काट डाला इतना लंबा सीन

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क की अपकमिंग कॉमेडी फिल्म बैड न्यूज इन दिनों सुर्खियों में हैं. हाल ही में फिल्म का ट्रेलर और गाने रिलीज हुए हैं, जिसे खूब पसंद किया जा रहा है. फिल्म बैड न्यूज 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. ऐसे में सेंसर बोर्ड (सीबीएफसी) ने विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और ऐमी की फिल्म पर कट लगाए हैं. यह कट विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी के किसिंग सीन पर लगाया गया है. तीन अलग-अलग जगह के मिलकर 27 सेकेंड के सीन को सेंसर बोर्ड ने बैड न्यूज से हटाकर पास कर दिया है.

अंग्रेजी वेबसाइट बॉलीवुड हंगामा की खबर के अनुसार फिल्म में कोई ऑडियो कट नहीं किया गया है. हालांकि, सीबीएफसी की जांच समिति ने तीन सीन को सेंसर कर दिया है, जिसमें दो किरदारों के किसिंग सीन शामिल हैं. एक सीन 9 सेकंड

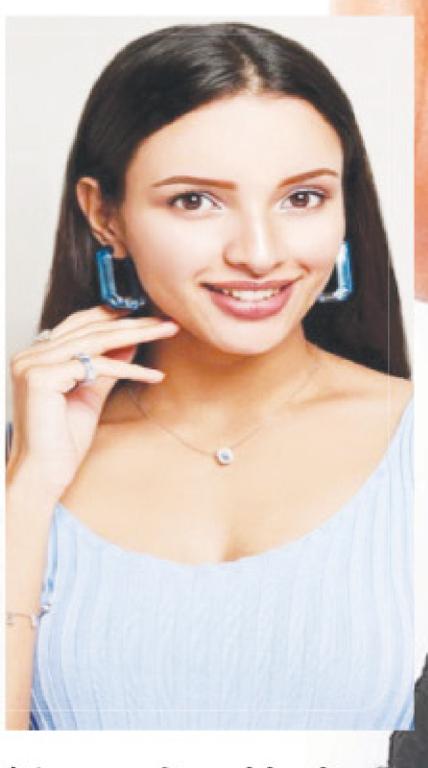

का, दूसरा 10 सेकंड का और तीसरा सीन 8 सेकंड का था. कुल मिलाकर सीबीएफसी ने इन तीन सीन्स में कुल 27 सेकंड का बदलाव किया है. दिलचस्प बात यह है कि कट लिस्ट में लिप-लॉक के सीन को संशोधित करने के निर्देश दिए, अब यह देखना बाकी है कि किसिंग सीन को किस तरह संशोधित किया गया है और दर्शकों को फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा.आपको बता दें कि फिल्म एनमिल के बाद तृप्ति डिमरी इंडस्ट्री की सबे ज्यादा पसंद की जाने वाली एक्ट्रेस में से एक बन गई हैं. उन्होंने कई बड़े प्रोजेक्ट साइन किए हैं, जिनमें से सबसे ज्यादा प्रतीक्षित है बैड न्यूज, जो 2019 की हिट गुड न्यूज का सीक्वल है, जिसमें करीना कपूर खान, दिलजीत दोसांझ, अक्षय कुमार और कियारा आडवाणी ने काम किया था. वहीं बैड न्यूज़ में तृप्ति डिमरी विक्की कौशल और एमी विर्क के साथ नजर आएंगी.

## शाहरुख अक्सर दर्द में रहते थ... 'तौबा तौबा' कोरियोग्राफर ने सुनाया किस्सा

इन दिनों लोग विकी कौशल के 'तौबा तौबा' पर जमकर झूम रहे हैं. वायरल हो रहा ये गाना फिल्म 'बैड न्यूज' का है. इस गाने को बॉस्को मार्टिस ने कोरियोग्राफ किया है. बॉस्को मार्टिस ने शाहरुख खान के साथ 'पठान' में भी काम किया था. एक इंटरव्यू में उन्होंने शाहरुख के साथ काम करने के अपना एक्सपीरियंस शेयर किया है. 'पठान' में उन्होंने 'झूमे जो पठान' गाने को कोरियोग्राफ किया था. फिल्म का ये गाना दर्शकों के बीच काफी पॉपुलर हुआ था.बातचीत में बॉस्को मार्टिस ने शाहरुख की खूब तारीफ की है. इसके साथ ही उन्होंने शाहरुख के डेडिकेशन का भी जिक्र किया है. बॉस्को ने बताया कि इस गाने की शूटिंग के दौरान शाहरुख के घुटने में चोट लग गई थी. इसके बाद भी उन्होंने कोरियोग्राफी में कोई बदलाव नहीं करवाया था.

**'तौबा तौबा' के कोरियोग्राफर ने क्या कहा ?**

इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में बॉस्को ने कहा, हम शाहरुख के साथ 'स्वदेस' के समय से काम कर रहे हैं. हमने उनके साथ 'ये तारा वो तारा' कोरियोग्राफ किया था. तब से उनके साथ काम करने का एक्सपीरियंस शानदार रहा है. जिस तरह की डेडिकेशन उनमें है और जिस तरह के इंसान वो हैं, वो कभी भी कोई डांस स्टेप करने से मना नहीं करते हैं. अपनी बात पूरी करते हुए बॉस्को ने बताया कि 'पठान' में वो सारे स्टेप करते थे. घुटने की चोट के कारण वो अक्सर दर्द में रहते थे. लेकिन, उन्होंने कभी इस बात का खुलासा नहीं किया.

बॉस्को मार्टिस के मुताबिक, शाहरुख ने हमें कभी एहसास नहीं होने दिया कि वो कितने अनकम्फर्टेबल हैं. उन्होंने बिना किसी शिकायत के सारे मूव्स किए, हमें पता भी नहीं चला कि वो वापस वैन में जाकर खुद को फिक्स करते थे. बॉस्को ने कहा कि उन्होंने वो सब कुछ किया जो उनसे करने को कहा गया. 'पठान' को सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया था. ये फिल्म हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज हुई थी. 250 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 1055 करोड़ रुपये की कमाई की थी.

## हनीमून राउंड 2 पर हैं सोनाक्षी सिन्हा, शेयर की वेकेशन की जगह लेकिन कर रही हैं पति जहीर इकबाल का इंतजार

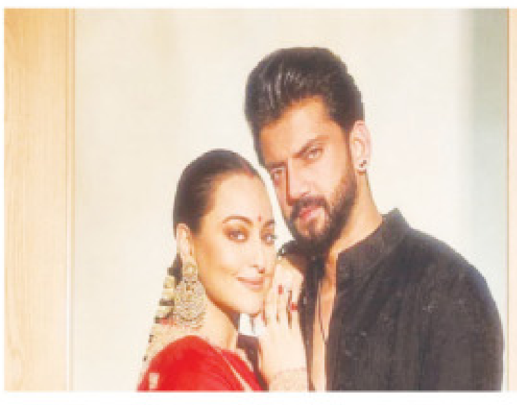

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल, जिन्होंने 23 जून को कोर्ट मैरिज की थी. वह अपने दूसरे हनीमून पर हैं. इसके लिए उन्होंने फिलिपींस चुना है, जिसकी तस्वीर उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की है. लेकिन फोटो के साथ उन्होंने एक अपडेट शेयर किया है कि वह पति जहीर इकबाल का इंतजार कर रही हैं. फोटो में एक्ट्रेस ने एक रिजॉर्ट के इनहाउस पूल के साथ पेड़ पोधों से भरपूर एक खूबसूरत झलक देखने को मिल रही है. हालांकि एक्ट्रेस फोटो में नजर नहीं आ रही हैं. इसके साथ कैप्शन में उन्होंने एक मैसेज भी लिखा है.

फोटो के साथ एक्ट्रेस ने लिखा, अब बस जहीर इकबाल का इंतजार कर रही हूं क्योंकि हमें अलग अलग फ्लाइट लेनी पड़ी है. इसके

साथ एक्ट्रेस ने हंसने वाली इमोजी शेयर की है. गौरतलब है कि सात साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद  सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने अपने बांद्रा वाले अपार्टमेंट में 23 जून को शादी की थी. इस दौरान कपल की फैमिली मौजूद थी. जबकि शाम को एक ग्रैंड रिसेप्शन रखा गया था, जिसमें बॉलीवुड के दिग्गज सितारे शामिल हुए थे.

वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा ने बड़े मियां छोटे मियां, डबल एक्सएल, बड़े मियां छोटे मियां, राउडी राठौड़, दबंग 3 जैसी फिल्मों में काम किया है. हाल ही में एक्ट्रेस की ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर नई फिल्म ककूड़ा रिलीज हुई है, जो कि एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है. एक्ट्रेस के अलावा रितेश देशमुख और साकिब सलीम अहम किरदार में हैं.

# जाह्नवी कपूर

## को इस फिल्म में नेपोटिज्म की वजह से मिली नौकरी, कौनसी गुत्थी सुलझाएगी उलझ

जान्हवी कपूर और गुलशन देवैया की मोस्ट अवेटेड स्पाई थ्रिलर फिल्म उलझ का दमदार ट्रेलर 16 जुलाई को जारी किया गया. इसमें सस्पेंस, एक्शन और ड्रामा तीनों का मिक्स देखने को मिला. नेशनल अवॉर्ड-विनिंग डायरेक्टर सुधांशु सरिया के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में जान्हवी सबसे कम उम्र की डिप्टी हाई कमिश्नर सुहाना भाटिया का किरदार निभा रही हैं. उनके सिलेक्शन पर सवाल खड़े होते हैं. कुछ लोग आरोप लगाते हैं कि सुहाना की नियुक्ति में नेपोटिज्म का काफी हाथ है क्योंकि वह एक समृद्ध परिवार से हैं. वह अपने डिपार्टमेंट में अपनी जगह बनाने के लिए काफी मशक्कत करती हैं.ट्रेलर में दिखाया गया है कि जान्हवी लंदन एंबेसी की एक खबरी की तलाश में निकलती हैं और खुद ही उसके जाल में फंस जाती हैं. अपने ऊपर लगे देशद्रोह का आरोप हटाने के लिए और देश की रक्षा करने के लिए वह उन लोगों से भी भिड़ती हैं जिन्होंने उन्हें और उनके देश को धोखा दिया है. फिल्म में रोशन मैथ्यू, आदिल हुसैन, राजेश तैलंग, मेयांग चांग, ??राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी भी हैं. जान्हवी कपूर ने फिल्म का ट्रेलर इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, %%हर किसी के पास एक कहानी है. हर कहानी के सीक्रेट्स हैं. हर सीक्रेट में ट्रैप है. इस %उलझ% को सुलझाना आसान नहीं है. फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है और यह फिल्म 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.%%

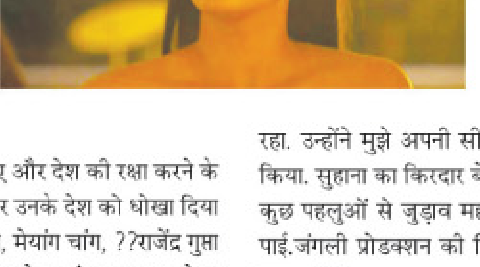

फिल्म के बारे में जान्हवी ने कहा, 卐यह फिल्म मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि मैं पहली बार एक राजनयिक का रोल निभा रही हूं. यह शानदार एक्सपीरियंस रहा है. सुधांशु सरिया के साथ काम करना अच्छा एक्सपीरियंस रहा. उन्होंने मुझे अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए इंस्पायर किया. सुहाना का किरदार बेहद मजबूत है और मुझे अपने किरदार के कुछ पहलुओं से जुड़ाव महसूस हुआ जिससे मैं बेहतर परफॉर्मेंस दे पाई.जंगली प्रोडक्शन की फिल्म 2 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी.